

# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 33]

नई दिल्ली, शनिवार, अगस्त 19, 1978/श्रावण 28, 1900

No. 33]

NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 19, 1978/SRAVANA 28, 1900

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर)

केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं

Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India

(other than the Ministry of Defence) by Central Authorities

(other than the Administrations of Union Territories)

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

(बैंकिंग प्रभाग)

नई दिल्ली, 1 अगस्त, 1978

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

(Banking Division)

New Delhi, the 1st August, 1978

क्र०अ० 2346.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंध और प्रकीर्ण उपबंध) स्कीम, 1970 के खंड 8 के उपखंड (1) के साथ पठित खण्ड 3 के उप-खंड (क) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक से परामर्श करने के पश्चात् 11 अगस्त, 1978 में आरम्भ होने वाला तथा 10 अगस्त, 1981 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए, एन.डी. द्वारा श्री एम० एन० गोपोरिया को देना बैंक के पूर्णकालिक निदेशक (कार्यकारी निदेशक के रूप में परामर्श) के रूप में नियुक्त करती है।

[सं० एक० 9/17/78-बी प्रो० 1]

बलदेव सिंह, संपूर्ण सचिव

S.O. 2346.—In pursuance of sub-clause (a) of clause 3 read with sub-clause (1) of clause 8 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby appoints Shri M. N. Goiporia, as a whole-time Director (designated as the Executive Director) of the Dena Bank for the period commencing on 11th August, 1978 and ending with 10th August, 1981.

[No. F. 9/17/78-BO. 1]

BALDEV SINGH, Jt. Secy.

वाणिज्य, नागरिक पूर्ति एवं सहकारिता मंत्रालय

(नागरिक पूर्ति एवं सहकारिता विभाग)

भारतीय मानक संस्था

नई दिल्ली 1978-07-27

क्र०अ० 2347.—समय-समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम 1955 के विनियम 8 के उपविनियम (1) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि नीचे अनुसूची में जिन 160 लाइसेंसों के व्योरे किए गए हैं उन्हें सितम्बर 1975 में नवीकृत किया गया :

अनुसूची

क्रम सं०	लाइसेंस संख्या (सीएम/एल)	वैधता की अवधि से तक	लाइसेंसधारी का नाम और पता	लाइसेंस के अधीन वस्तु/प्रक्रिया और तत्संबंधी IS : परामर्श	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	सीएम/एल-1 1957-08-08	1975-09-01	1976-08-31	एलुमिनियम इन्डस्ट्रीज लि०, 1 सिरेमिक फैक्टरी रोड कुंडरा (केरल)	पूर्ण एलुमिनियम बालक और इस्पात प्रबलित एलुमिनियम कोर वाले बालक— IS : 398-1961

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
2. सीएम/एल-175 1960-03-14	1975-07-16	1976-07-15	कैमलिन प्रा० लि०, 210, बेडी जमशेदजी रोड, माहिम, बम्बई-16	फेरो-सीलो टैनेट फाउन्टेन पेन की स्थायी (0.1 प्रतिशत लोहे वाली)-- IS : 220-1972	
3. सीएम/एल-190 1960-05-25	1975-08-01	1976-07-31	इण्डियन टर्पेन्टाइन एण्ड रोजिन क० लि०, क्लिंटरबकगंज बरेली (उत्तर प्रदेश)	बरोजा (बरोजा गोंद)-- IS : 553-1969	
4. सीएम/एल-195 1960-05-30	1975-10-01	1976-09-30	वेस्टर्न इण्डिया प्लाईवुड लि०, बलियापाटम जिला कन्नोर (केरल)	साधारण उपयोग के लिये प्लाईवुड-- IS : 303-1960	
5. सीएम/एल-212 1960-08-25	1975-09-01	1976-08-31	(कसावा इंडिया) 21, गौर लाहा स्ट्रीट, कलकत्ता --6	चाय की पेटियों के लिए धातु की फिटिंग-- IS : 10-1970	
6. सीएम/एल-213 1960-08-25	1975-09-01	1976-08-31	प्लाईवुड मैनुफैक्चरिंग कॉम्प्रापरेटिव सोसायटी लि०, 11/3, केनाल सर्कुलर रोड, कलकत्ता-67	चाय की पेटियों के लिए प्लाईवुड के तख्ते-- IS : 10-1970	
7. सीएम/एल-351 1961-10-31	1975-09-01	1976-08-31	भारत वुड वर्क्स प्रा० लि०, डिब्रुगढ़ (असम)	चाय की पेटियों के लिए प्लाईवुड के तख्ते-- IS : 10-1970	
8. सीएम/एल-403 1962-04-02	1975-09-01	1976-02-29	हिन्दुस्तान मिनरल प्रॉडक्ट्स क० प्रा० लि०, प्लाट नं० 27 मैगनीज डिपो, शिवरी, बम्बई-15	बीएचसी धूलन पाउडर-- IS : 561-1972	
9. सीएम/एल-429 1962-06-30	1975-09-01	1976-02-29	हिन्दुस्तान मिनरल प्रॉडक्ट्स क० प्रा० लि०, प्लाट नं० 27 मैगनीज डिपो, शिवरी, बम्बई-15	बीएचसी जल विसर्जनीय पाउडर-- IS : 562-1972	
10. सीएम/एल-432 1962-07-18	1975-08-16	1976-08-15	विक्टर केबल्स कारपोरेशन, 7/3, जी टी रोड, साहिनाबाद (उत्तर प्रदेश)	तांबे और एलुमिनियम तारों वाले पीबीसी रोहित केबल 250 व 650 बोल्ड के लिए-- IS : 694 (भाग 1 और 2)-1964	
11. सीएम/एल-444 1962-08-20	1975-09-01	1976-08-31	हिन्दुस्तान स्टील लि०, राउरकेला इस्पात कारखाना राउरकेला (उड़ीसा)	संरचना इस्पात (मामक किस्म)-- IS : 226-1975	
12. सीएम/एल-445 1962-08-20	1975-09-01	1976-08-31	"	संरचना इस्पात (उष्ण तनाव सामर्थ्य वाले पट्टियाँ)-- IS : 961-1975	
13. सीएम/एल-446 1962-08-20	1975-09-01	1976-08-31	"	शीत विलित कार्बन इस्पात की चादरें-- IS : 513-1973	
14. सीएम/एल-454 1962-09-03	1975-09-16	1976-09-15	जे० डी० ओल्स एण्ड क० (प्रा) लि० 8, दिनेश शेख लेन, शिवनगर, हावड़ा	(क) रंग रोगन बनाने का ग्रेफाइट-- IS : 62-1950 और (ख) फाउंड्री फेसिंग के लिये ग्रेफाइट ग्रेड 1, 2 और 3-- IS : 1305-1967	
15. सीएम/एल-477 1962-11-29	1975-07-01	1976-06-30	मालीमार टार प्रॉडक्ट्स (1935) लि०, पी-46, हाईड रोड, एक्सटेंशन, कलकत्ता	अलरोक बनाने के लिए प्लास्टिक बिटुमेन-- IS : 1580-1969	
16. सीएम/एल-500 1963-01-14	1975-09-01	1976-08-31	एलुमिनियम इंडस्ट्रीज लि०, सिरैमिक फैक्टरी रोड, कुंभारा (केरल)	एलुमिनियम तारों वाले, केबल पीबीसी केबल (250 और 650 बोल्ड ग्रेड)-- IS : 694 (भाग 1 और 2)--1964	
17. सीएम/एल-503 1963-01-24	1975-08-01	1976-01-31	बी०डी० खेतान एण्ड क०, 29, कूलूतोला स्ट्रीट, कलकत्ता	चाय की पेटियों के लिए धातु की फिटिंग-- IS : 10-1970	
18. सीएम/एल-532 1963-04-30	1975-09-01	1976-08-31	हिन्दुस्तान स्टील लि०, राउरकेला इस्पात कारखाना, राउरकेला (उड़ीसा)	संरचना इस्पात (गलन वेल्डिंग किस्म)-- IS : 2062-1962	
19. सीएम/एल-538 1963-05-13	1975-09-01	1976-08-31	एलुमिनियम इंडस्ट्रीज लि०, 1, सिरैमिक फैक्टरी रोड, कुंभारा (केरल)	पानीप्लाईलीन रोहित और पीबीसी तार वाले एलुमिनियम तारों युक्त केबल-- IS : 1596-1970	
20. सीएम/एल-620 1964-01-17	1975-08-16	1976-08-15	रुफार्डिट प्रा० लि०, दौलताबाद रोड, गुड़गांव (हरयाणा)	बिटुमेन नमूने, पानी और नमी रोकने के लिए टाइप 3, ग्रेड 1 और 2-- IS : 1322-1970	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
21. सीएम/एल-667 1964-05-07	1975-06-16	1976-06-15	गेस्टकीन मिलियन्स लि०, 97 भन्सूल रोड, हावड़ा-3	संरचना इस्पात (मानक किस्म)--- IS : 226-1975	
22. सीएम/एल-668 1964-05-07	1975-06-16	1976-06-15	„	संरचना इस्पात (साधारण किस्म)--- IS : 1977-1975	
23. सीएम/एल-672 1964-05-14	1975-09-01	1976-08-31	हिन्दुस्तान इस्पात लि०, राउरकेला इस्पात कार- खाना राउरकेला (उड़ीसा)	संरचना इस्पात (साधारण किस्म)--- IS : 1977-1975	
24. सीएम/एल-702 1964-06-29	1975-08-01	1976-07-31	कलकत्ता स्टील, कं० लि०, 4 थ्रोल्ड कोर्ट हाउस स्ट्रीट कलकत्ता	संरचना इस्पात (मानक किस्म)--- IS : 226-1975	
25. सीएम/एल-703 1964-06-29	1975-08-01	1976-07-31	„	संरचना इस्पात साधारण किस्म--- IS : 1977-1975	
26. सीएम/एल-716 1964-06-29	1975-08-01	1976-07-31	स्टील रोलिंग मिल्स थाफ बंगाल लि०, 28, स्ट्रीड रोड, कलकत्ता	संरचना इस्पात (मानक किस्म)--- IS : 226-1975	
27. सीएम/एल-717 1964-06-29	1975-08-01	1976-07-31	„	संरचना इस्पात (साधारण किस्म)--- IS : 1977-1975	
28. सीएम/एल-724 1964-06-29	1975-08-01	1976-07-31	किसान इंजीनियरिंग वर्क्स प्रा० लि०, दनकौर जिला बुलन्धर	संरचना इस्पात (मानक किस्म)--- IS : 226-1975	
29. सीएम/एल-725 1964-06-29	1975-08-01	1976-07-31	„	संरचना इस्पात (साधारण किस्म)--- IS : 1977-1975	
30. सीएम/एल-752 1964-07-31	1975-09-01	1977-01-15	इंडियन प्लास्टिक्स लि०, पायसर ब्रिज, कांडीबली बम्बई-67	अंग्रेजी टट्टियों के लिये प्लास्टिक की सीट और डकान--- IS : 2548-1967	
31. सीएम/एल-755 1964-08-12	1975-09-01	1976-08-31	मोहनमीकिन बुधरीज लि०, मोहन नगर, गाजिया- बाद	मास्ट एक्सट्रेक्ट, आएस्टेजरहित प्रकार--- IS : 2404-1972	
32. सीएम/एल-758 1964-08-14	1975-08-01	1976-07-31	भारत कार्बन एण्ड निबन मैनुफैक्चरिंग कं० लि०, प्लॉट नं० 66-ए, इंडस्ट्रियल एरिया फरीदा- बाद	कार्बन कागज, टाइपराइटरों के लिए टाइप 1, 2 और 3--- IS : 1551-1959	
33. सीएम/एल-774 1963-08-24	1975-09-16	1976-09-15	एंजेलो ब्रदर्स लि० 7, राम गोपाल बोस रोड, कलकत्ता	(1) बमड़ा हाथ का बना--- IS : 16(भाग 1)--1973 (2) बमड़ा, मशीनी--- IS : 16(भाग 2)--1973	
34. सीएम/एल-926 1964-11-28	1975-08-01	1976-05-31	वि हुगली मिल्स कं० लि०, 9 गार्डन रीच रोड, खिरपुर, कलकत्ता-43	पटसन की बोखियां और बोरी का कपड़ा--- 1. ए-टिबल पटसन के बोरे--- IS : 1943-1964 2. बी-टिबल पटसन के बोरे--- IS : 2566-1966 3. भारी सी पटसन के बोरे--- IS : 2874-1964 4. मक्का के पटसन के बोरे--- IS : 2875-1964 5. बी. टिबल पटसन कपड़ा--- IS : 3667-1966 6. मक्का का पटसन बोरे का कपड़ा--- IS : 3750-1966	
35. सीएम/एल-1013 1965-02-22	1975-09-01	1976-03-31	अरैल ब्रदर्स, 14/4 मथुरा रोड, फरीदाबाद	डलबां लोहे की पलश की टंकियां, टोटियां और मूलाखियों के लिए, नीचे की चौड़ी कंधाई पर लगने वाली, 10 और 12.5 लिटर समाई वाली--- IS : 774-1971	
36. सीएम/एल-1052 1965-04-15	1975-05-01	1976-04-30	जे० कं० स्टील एण्ड इंडस्ट्रीज लि०, 2, मैगो लेन, कलकत्ता-1	गर्म विलित इस्पात की पतियों (गठों के लिए)--- IS : 1029-1970	

1	2	3	4	5	6
37. सीएम/एल-1079 1965-06-01	1975-06-16	1976-06-15	गेस्ट कीन विलियम्स लि०, 97, ग्रन्थाल रोड, हावड़ा-3	संरचना कार्यों के लिए रिजर्वों के लिए छड़े— IS : 1148-1973	
38. सीएम/एल-1080 1965-06-01	1975-06-16	1976-06-15	„	संरचना कार्यों वाले रिजर्वों के लिए उच्चतम छड़े— IS : 1149-1973	
39. सी एम/एल-1112 1965-07-20	1975-08-16	1976-08-15	धीमान साइंटिफिक वर्कस, धीमान बिल्डिंग, बंगाली मोहल्ला, अम्बाला छावनी (हरियाणा)	लकड़ी के मोटरी पैमाने साधारण प्रयोग के लिए : सीधे रहने वाले ग्रेड ए और बी, 50 और 100 से मी०, और मुश्किल ग्रेड बी 50, सेमी— IS : 1480-1970	
40. सी एम/एल-1127 1965-08-12	1975-09-01	1976-08-31	एकमप्रेम केबलिंग प्रा० लि० निथौरा, जिला पटना	हस्पात की कोर वाले एलुमीनियम चालकों की कोर के लिए हस्पात के तार— IS : 398-1961	
41. सी एम/एल-1166 1965-11-11	1975-10-01	1976-09-30	स्वास्तिक मेटल वर्किंग, जगाधरी (पंजाब)	पीतल की रोल्ड चादरें और पतियां, ग्रेड सी यू जैड एन 37 IS : 410-1967	
42. सी एम/एल-1169 1965-12-03	1975-09-01	1976-08-31	सेंट्रल इंसेक्टीसाइड्स एण्ड फर्टिलाइजर्स, 110, इण्डस्ट्रियल एस्टेट, इन्दौर	डी डी टी जल विसर्जनीय तेज पाउडर— IS : 565-1961	
43. सी एम/एल-1190 1966-01-06	1975-09-01	1975-08-31	„	बी एच सी जल विसर्जनीय तेज पाउडर— IS : 562-1962	
44. सी एम/एल-1191 1966-01-06	1975-09-01	1976-08-31	„	बी एच सी धूलन पाउडर— IS : 561-1962	
45. सी एम/एल-1213 1966-02-25	1975-09-01	1976-08-31	हिन्दुस्तान मिनरल प्रॉडक्ट्स कं० प्रा० लि०, 27, मैंगनीज डिपो, शिवरी, बम्बई-15	डी डी टी धूलन पाउडर— IS : 564-1961	
46. सी एम/एल-1303 1966-07-28	1975-08-16	1976-08-15	एबरेडी फ्लेशलाइट कं०, यूनिवर्स कार्बाइड (इंडिया) लि० का विभाग, मिल रोड, ऐशबाग, लखनऊ (उ०प्र०)	फ्लेशलाइट— IS : 2083-1962	
47. सी एम/एल-1327 1966-08-31	1975-09-01	1976-08-31	आई सी आई (इंडिया) प्रा० लि०, रिषरा, जिला हुगली (बंगाल)	अल्प घनत्व पोलीइथाइलीन पाइप— (1) दाब रेटिंग 4 कि ग्राम/सेमी 2 साइज 63 मिमी और 75 मिमी बाह्य व्यास वाली और 10 कि ग्राम/सेमी 2 साइज 16 मिमी बाह्य व्यास— IS : 3076-1968	
48. सी एम/एल-1341 1966-09-30	1975-09-01	1976-08-31	एलुमीनियम इण्डस्ट्रीज लि०, 1, सिरेमिक फैक्टरी रोड, कुंडारा (केरल)	(1) पीवीसी रोधित और पीवीसी खोलवार केबल— (क) एक कोर के 250/440 और 650/1100 वोल्ट एलुमीनियम चालकों वाले— (ख) चपटे दो कोर के 250/440 और 650/1100 वोल्ट एलु- मिनियम चालकों वाले— IS : 3035 (भाग 1)-1965 पाइलीइथाइलीन रोधित टेप लगे ब्रेड सडे मयुक्त (1) एक कोर के 250/440 और 650/1100 वोल्ट एलुमीनियम चालकों वाले— (2) चपटे दो कोर के 250/440 और 650/1100 वोल्ट एलुमीनियम चालकों वाले,	

1	2	3	4	5	6
					IS : 3035 (भाग 2)-1965 (2) पालीइथाइलीन रोहित और पाली इथाइलीन खोलवार : एक कोर के 650/1100 बोल्ड एलुमीनियम चालकों वाले ।
					IS : 3035 (भाग 3)-1967 मैलाधियोन पायसनीय तेज द्रव-- IS : 2567-1975 प्रतियां बनाने की स्याही, ड्रम वाली मशीन के लिये काली, सब मौसम के लिए-- IS : 1333-1973 एड्रिन पायसनीय तेज द्रव-- IS : 1310-1974 स्लूस वाल्व, जलकल विभाग के लिए-- प्रलोह और क्रोमियम स्पिटिल और रिंग वाले-- (1) श्रेणी 1,300 मिमी और कम नाप के-- IS : 780-1969 (2) श्रेणी 1,600 मिमी और कम नाप के और श्रेणी 2, 1200 मिमी और कम नाप के दोहरे फ्लेंज वाले-- IS : 2906-1969 सलफ्यूरिक अम्ल शुद्ध और विश्लेषी अभि- कर्मक ग्रेड-- IS : 266-1961 नाइट्रिक अम्ल शुद्ध और विश्लेषी अभिकर्मक ग्रेड-- IS : 264-1960 हाइड्रोक्लोरिक अम्ल शुद्ध विश्लेषी अभिकर्मक ग्रेड-- IS : 265-1962 एल्ट्रिन धूलन पाउडर-- IS : 1308-1958 बिस्कुट-- IS : 1011-1968 टट्टियों और भूत्रालयों के लिए चीनी मिट्टी की बनी फलन की टंकिया, वास्वरहित साइकलमुमा नीचे लगने वाली 10 और 12.5 लिटर समझी वाली-- IS : 774-1971 एल्ट्रिन पायसनीय तेज द्रव-- IS : 1310-1958 18-लिटर समझी वाले बर्गीकार टिन-- IS : 916-1968 रंग रोगन और बर्निश के लिए चपटे बुल्ल, 12 से 38 मिमी के-- IS : 384-1971 जस्ता चक्री इस्पात की चादरें (सादी और पनारीवार)-- IS : 277-1969
49. सी एम/एल-1465 1967-06-26	1975-09-01	1976-08-31	हिन्दुस्तान मिनरल प्रोडक्ट्स कं० प्रा० लि०, 27, मैंगनीज डिपो, शिवरी, बम्बई-15		
50. सी एम/एल-1469 1967-06-30	1975-08-01	1976-01-31	वि भारत कार्बन एण्ड रिबन मैनुफैक्चरिंग कं० लि०, 66 ए, इण्डस्ट्रियल एरिया, फरीदाबाद		
51. सी एम/एल-1472 1967-07-13	1975-08-01	1975-08-31	हिन्दुस्तान मिनरल प्रोडक्ट्स कं० प्रा० लि०, 27, मैंगनीज डिपो, शिवरी, बम्बई-15		
52. सी एम/एल-1478 1967-07-18	1975-08-01	1976-01-31	गीता आयरन एण्ड स्टील वर्क्स प्रा० लि०, बाजुरा, जिला बड़ोदा		
53. सी एम/एल-1490 1967-08-16	1975-08-16	1976-08-15	पोलीफार्मा लि०, 29, पंचबायी कालिद, मिल के सामने, खन्ना कम्पाउण्ड, आगरा रोड, ठाणे (महाराष्ट्र)		
54. सी एम/एल-1491 1967-08-16	1975-08-16	1976-08-15	" "		
55. सी एम/एल-1462 1967-08-16	1975-08-16	1976-08-15	पोलीफार्मा लि०, 29 पंचबायी कालिद मिल के सामने, खन्ना कम्पाउण्ड, आगरा रोड, ठाणे (महाराष्ट्र)		
56. सी एम/एल-1500 1967-08-25	1975-09-01	1976-08-31	सेंट्रल इलेक्ट्रोसाइड्स एण्ड फर्टिलाइजर्स, 110, इंडस्ट्रियल एस्टेट, हव्हीर (म०प्र०)		
57. सी एम/एल-1514 1967-09-15	1975-09-16	1976-09-15	ब्रिटेनिया बिस्कुट कं० लि०, एम०टी०एच० राड, मद्रास-50		
58. सी एम/एल-1539 1967-10-06	1975-09-01	1976-08-31	नीबेली मिरेमिक्स एण्ड रिफेक्टरीज लि०, बडालूर, साउथ आर्काट जिला, (तमिलनाडु)		
59. सी एम/एल-1619 1968-01-12	1975-09-01	1976-08-31	सेंट्रल इलेक्ट्रोसाइड्स एण्ड फर्टिलाइजर्स, 110, इण्डस्ट्रियल एस्टेट, हव्हीर (म०प्र०)		
60. सी एम/एल-1683 1968-04-24	1975-09-01	1976-08-31	मधुसूदन वैजिटेबल प्रोडक्ट्स कं० लि०, एलिथाल स्टेशन, जिला अहमदाबाद (गुजरात)		
61. सी एम/एल-1778 1968-08-30	1975-10-01	1976-09-30	राज कृष्ण इण्डस्ट्रीज, 135, मालवीय नगर, भोपाल-3		
62. सी एम/एल-1804 1968-10-09	1975-09-01	1976-08-31	हिन्दुस्तान स्टील लि०, राउरकेला इस्पात कारखाना, राउरकेला (उड़ीसा)		

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
63. सी एम/एल-1839 1968-11-22	1975-08-01	1976-07-31	ऐग्रो इंडस्ट्रियल कैमिकल्स कं०, 13ए, कल्याणी थ्यू, रुद्रपुर (नैनीताल)	एडिजिन पायसनीय तेज द्रव— IS : 1307-1973	
64. सी एम/एल-1861 1968-12-12	1975-09-31	1976-08-01	सैन्ट्रल इन्सैक्टिसाइड एण्ड फटिलाइजर्स, 110 इण्डस्ट्रियल एस्टेट, इन्दौर (म०प्र०)	डी डी टी धूलन पाउडर— IS : 564-1961	
65. सी एम/एल-1931 1969-02-27	1975-09-01	1976-02-29	हिन्दुस्तान मिनरल प्रोडक्ट कं० लि० 27, मैगनीज डिपो, शिवरी, धर्मपुर-15	डी डी टी जल विसर्जनीय तेज पाउडर— IS : 565-1961	
66. सी एम/एल-1942 1969-03-25	1975-08-16	1976-08-15	पासीफार्म प्रा० लि० कासिल पंचपखाड़ी, कासिल मिल के पास, आगरा रोड, ठाणे (महाराष्ट्र)	एलिटिक ग्रमल विश्लेषी अभिकर्मक ग्रेड— IS : 695-1975	
67. सी एम/एल-1950 1969-03-31	1975-09-01	1976-08-31	सैन्ट्रल इन्सैक्टिसाइड्स एण्ड फटिलाइजर्स 110 इण्डस्ट्रियल एस्टेट, इन्दौर (म०प्र०)	एडिजिन पायसनीय तेज द्रव— IS : 1307-1958	
68. सी एम/एल-2038 1969-07-31	1975-08-01	1976-07-31	सैनीफिकल् इंडिया प्रा० लि०, 172/7 मधु-सूदन पाल चौधरी लेन हावड़ा	डलवां लोहे की प्लग की टंकियां, टंकियों और मून्वालयों के लिए (वाल्नर-रहित साइकलनुमा, (1) नीचे लगने वाली 12.5 लिटर समाई वाली (2) ऊपर की पर लगने वाली 10 और 12.5 लिटर समाई— IS : 774-1971	
69. सी एम/एल-2041 1969-07-31	1975-08-16	1976-08-15	स्टोनवेयर पाइप फैक्टरी, तमिलनाडु सिरे-मिक्स लि० का अंग) जंकशन रोड, बुडजलम (तमिलनाडु)	नमक लगाकर चमकाए हुए पत्थर के पाइप 100,150 और 230 मि— IS : 651-1971	
70. सी एम/एल-2066 1969-09-08	1975-09-16	1976-09-15	इंडस्ट्रीयल इलेक्ट्रोड एण्ड गेज लि० भंडूल रोड, हावड़ा	संरचना इस्पात की धातु आर्क वेल्डिंग के लिए लागू चढ़े इलेक्ट्रोड— IS : 814-1970	
71. सी एम/एल-2073 1969-09-12	1975-09-16	1976-09-15	संगम इलेक्ट्रिकल्स एण्ड मेकैनिक्ल इंडस्ट्रीज प्रा० लि०, 13/14 इंडस्ट्रियल एस्टेट, सांगली (महाराष्ट्र)	(1) तीन फेजी प्रेरण मोटर 2.2 कि० वा० (3 हा० पा०) 3.7 कि० वा० (5 हा० पा०) और 7.5 कि० वा० (10 हा० पा०) 'ए' श्रेणी के रोधन-लगी— (2) तीन फेजी प्रेरण मोटर 2.2 कि० वा० (3 हा० पा०) 3.7 कि० वा० (5 हा० पा०) और 5.5 कि० वा० (7.5 हा० पा०) 'ई' श्रेणी के रोधन-लगी— IS : 325-1970	
72. सी एम/एल-2101 1969-09-30	1975-10-01	1976-09-30	नन्दी प्रोजेक्ट्स मिलज पो० धनपत मल जवादास पोज मिलज, 33 नजफगढ़ इंडस्ट्रीयल एरिया नई दिल्ली-15	पशुओं के लिए मिश्रित आहार— 2052-1968	
73. सी एम/एल-2142 1969-11-12	1975-09-01	1976-08-31	टी० टी० प्रा० लि०, 78, ओल्ड मद्रास रोड, बुरबानी नगर, बंगलौर।	बर्तनों के लिये पिटवां एलुमिनियम और मिश्र एलुमिनियम— IS 21-1969	
74. सी एम/एल-2147 1961-11-26	1975-08-16	1976-08-15	श्रीसवाल इलेक्ट्रिकल्स 49, इंडस्ट्रीयल एरिया फरीदाबाद।	तीन फेजी प्रेरण मोटर, 0.75 कि० वा से 2.2 कि० वा, 'ए' श्रेणी के रोधन-लगी— IS : 323-1961	
75. सी एम/एल-2183 1969-12-31	1975-09-01	1976-08-31	बिकटर केबल कार्पोरेशन 7/3 आंधी रोड साहिबगढ़ (उ०प्र०)।	1 पी वी सी रोहित और पीवी० सी खोलदार केबिल एक कोर और चपटे दो कोर वाले 250/440 बोल्ट और 630/1100 बोल्ट एलुमिनियम चालक वाले— IS : 3035(भाग-1)-1965।	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
					(2) पौलीथीन रोधित फीते या बिना फीते के गुंथे हुए और संयुक्त केबल चालकों वाले, 250/440 वोल्ड और 650/1100 वोल्ड— IS : 3035 (भाग-2)—1965
76. सीएम/एल-2216 1970-01-22	1975-08-01	1976-01-31	गुरुदेव इंडस्ट्रीज प्रा० लि०, 36 पंडितप्रा रोड, कलकत्ता-29	चाप की पेटियों के लिये धातु की फिटिंग IS: 10-1970	
77. सीएम/एल-2232 1970-02-09	1975-09-01	1976-08-31	लार्ड बिट्टमन प्राइवेट्स प्रा० लि० बी०-7, और बी०-8 अम्बाला एण्डस्ट्रियल एस्टेट, मद्रास-58	बिट्टमन के नमूने, पानी और नमी रोकने के लिए, टाइप 3, ग्रेड-1 और 2— IS : 1322-1970	
78. सीएम/एल-2261 1970-02-25	1975-09-01	1976-01-31	टैनरी एण्ड फुटवेयर कारपोरेशन आफ इंडिया लि० 13/400 सिविल लाइंस, कानपुर।	खनिकों की सुरक्षा के लिए चमड़े के जूते और बूट— IS : 1989-1973	
79. सीएम/एल-2272 1970-03-06	1975-09-16	1976-09-15	आई० बी० आई० प्रा० लि०, एम-86, अन्धेरी कुरला रोड, बम्बई-59	(1) अस्पतालों के लिये दाब वाले भाप स्टेरीलाइजर— IS : 3829-1966 (2) दाब वाल उष्ण गति भाप स्टेरीलाइजर— IS : 4510-1968	
80. सीएम/एल-2276 1970-03-16	1975-09-01	1976-08-31	जयपाल उद्योग, 34-35, रुखल इंडस्ट्रियल एस्टेट लोनी, जिला मेरठ।	बी०एच० सी० पायसनीय तेज द्रव— IS : 632-1966	
81. सीएम/एल-2277 1970-03-16	1975-09-01	1976-08-31	जयपाल उद्योग, 34-35, रुखल इंडस्ट्रियल एस्टेट लोनी, जिला मेरठ।	एन्ड्रिन पायसनीय तेज द्रव— IS : 1310-1958	
82. सीएम/एल-2341 1970-06-10	1975-09-01	1976-03-31	एम० जी० साहनी एण्ड कं० (दिल्ली) प्रा० लि०, सी०-1 सहकारी इंडस्ट्रियल एस्टेट, आलानगर, हैदराबाद।	फेरो-अलों टैनेर फाउंटैन पेन की स्याही, (0.1 प्रतिशत लोहे वाली)— IS : 220-1972	
83. सीएम/एल-2364 1970-07-13	1975-07-16	1976-07-15	मार्टिन बर्न इंडस्ट्रियल यूनिट नं० 5 1, सत्य डाक्टर रोड, खवियपुर, कलकत्ता-23।	अल्प कार्बन इस्पात के वैल्यूकृत गैस सिलिंडर 33.3 लिटर पानी समाई वाले अल्प-दाब पर प्रवृत्त होने वाली गैस भण्डारण और लाने ले जाने के लिए— IS : 3196-1974	
84. सीएम/एल-2386 1970-08-10	1975-09-01	1976-08-31	पम्पासार डिस्टिलरी इंडियन गुगुर एण्ड रिफाइनरीज लि०, होजपेट (जिला वेबेलारी) मैसूर राज्य।	रोधित स्पिरिट— IS : 323-1959	
85. सीएम/एल-2389 1970-08-12	1975-09-16	1976-09-15	आई० बी० आई० प्रा० लि०, एस०-86 अन्धेरी कुरला रोड, बम्बई-59।	पाइरोजन रहित आसवित पानी के भण्डार— IS : 3830-1970	
86. सीएम/एल-2393 1970-08-19	1975-08-01	1976-07-31	एसोसियेटेड इंडस्ट्रियल मैनुफैक्चरिंग (इण्डिया) प्रा० लि०, 35 नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली-16	(1) घनाकार सांघे सीमेंट के परीक्षण के लिए उपखण्ड 8.4.2 के अनुसार, (2) घनाकार सांघे सीमेंट के लिए उपखण्ड 9.3.2 के अनुसार, और, (3) लम्बाई की तुलना करने का साधन, उपखण्ड 5.2.2.7 और 12.2.4 के अनुसार— IS : 4031-1968	
87. सीएम/एल-2404 1970-09-10	1975-09-16	1976-09-15	रीगल प्राइवेट्स प्रा० लि०, 186 रायपेटा हाई रोड, रायपेटा, मद्रास-14	पाइरोजन रहित आसवित पानी की स्याही— IS : 1221-1971	
88. सीएम/एल-2415 1970-09-28	1975-09-16	1976-09-15	प्रेम चन्द जूट मिल्स, (पट्टेदार सोनाजूली टी० एण्ड इंडस्ट्रीज लि०) जेनाल, हावड़ा	बी-ट्रिबल पटसन के बोरे— IS : 2566-1965	
89. सीएम/एल-2528 1971-01-27	1975-08-01	1975-07-31	भारत कार्बन एण्ड रिबन मैनुफैक्चरिंग कं० लि०, 66 'ए' इण्डस्ट्रियल एरिया, फरीदाबाद।	कार्बन कागज, हाथ से लिखने के लिए टाइप 'ए' बी० और सी— 3450-1966	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
90. सीएम/एल-2578 1971-03-09	1975-09-16	1976-03-15	मोबी केबल इण्डस्ट्रीज, सी०, 2-ए०, शेड नं० 1 (जी० आई० डी०सी०) प्रोडक् इन्डस्ट्रियल एरिया, ग्रहमदाबाद।	पी बी सी रोहित केबल, निम्नलिखित टाइप के :—	(1) एक कोर के, खोलदार/खोलरहित, 250/440 और 650/1100 वोल्ट एलुमिनियम या तांबे के चालकों वाले— (2) बोहरे कोर के चपटे, पी बी सी खोल वाली वोल्ट एलुमिनियम चालकों वाले; और (3) चार कोर के पी बी सी खोलदार 250/440 और 650/1100 वोल्ट एलुमिनियम चालकों वाले — IS : 694(भाग-1)-1964 और IS : 694(भाग-2)-1964
91. सीएम/एल-2679 1971-05-17	1975-09-16	1976-03-15	—	तापनम्य ऋतुसह रोहित केबल :	(1) पालीइथिलीन रोहित और पोलिथीन खोलदार 250/440 वोल्ट एलुमिनियम चालकों वाले — IS : 3035 (भाग-3)-1967 (2) पी० बी०सी० रोहित और पी०बी०सी० खोलदार 250/440 और 650/1100 वोल्ट एलुमिनियम चालकों वाले— IS : 3035 (भाग-1)-1965
92. सीएम/एल-2683 1971-05-18	1975-09-16	1976-09-15	प्रीमियर पेस्टीसाइड्स प्रा० लि० ई० आर० जी० रोड, एर्णाकुलम, कोचीन-11	एड्रिन पायसनीय तेज द्रव— IS : 1310-1974	
93. सीएम/एल-2719 1971-07-28	1975-08-01	1976-07-31	एलिको प्रा० लि० बी०-90, एसोसिएटेड प्राइवेट इंडस्ट्रियल एस्टेट, बाला नगर, हैदराबाद-37	सीधा परिणाम बताने वाले, पी० एच० मीटर IS : 2711-1966	
94. सीएम/एल-2731 1971-08-06	1975-08-16	1976-08-15	मेरीफर इंडस्ट्रीज, श्रीराम लेन, जिनदल तेल मिल के सामने साह्यरा, दिल्ली-32	(1) पी० बी०सी० रोहित खोलदार और खोलरहित के लिए एक कोर के एलुमिनियम चालकों वाले 250/440 और 650/1100 वोल्ट, (2) पी बी सी रोहित खोलदार केवल चपटे दो कोर के 250/440 और 650/1100 वोल्ट एलुमिनियम चालकों वाले— (3) पी बी सी रोहित खोलरहित केवल एक कोर के तांबे के चालकों वाले 650/1100 वोल्ट — IS : 694 (भाग 1 और 2)-1964	
95. सीएम/एल-2735 1971-08-12	1975-08-16	1976-08-15	विक्टर केबल्स कारपोरेशन, 7/3, जी० टी० रोड, साहिबाबाद (उ० प्र०)।	पी० बी० सी० रोहित (उच्च कार्य) केवल 1100 वोल्ट तक के लिये— IS 1554 (भाग 1)-1964	



(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
96. सीएम/एल-2787 1971-10-26	1975-08-16	1976-08-15	भेरौफर इंडस्ट्रीज श्रीराम लेन, जिन्दल मिलज के सामने शाहबरा, दिल्ली-32	(1) पी० वी० सी० रोहित खोलदार और खोलरहित केवल एक कोर के एलुमिनियम चालकों वाले 250/ 440/ और 650/1100 वोल्ट, (2) पी० वी० सी० रोहित खोलदार केवल चपटे दो कोर के 250/440 और 650/1100 वोल्ट एलुमिनियम चालकों वाले— (3) पी० वी० सी० रोहित खोलरहित केवल एक कोर के तारों के चालकों वाले 650/1100 वोल्ट— IS : 3045 (भाग-3)-1967	
97. सीएम/एल-2802 1971-11-08	1975-05-01	1976-04-30	जे० के० स्टील एण्ड इंडस्ट्रीज लि० रिशरा (जिला हुगली)।	शीत बेल्लिस्ट इस्पात की पत्तियां (गांठे बांधने के लिए)— IS : 5872-1973	
98. सीएम/एल-2806 1971-11-10	1975-09-16	1976-09-15	ग्रांडले इलेक्ट्रिकल्ज (इंडिया), 458/426 मिलिटरी परेड रोड, निरंकारी कालोनी, दिल्ली।	पी० वी० सी० रोहित (उच्च कार्य) बिजली के केवल 1100 वोल्ट तक के लिए— IS : 1554 (भाग 1)-1964	
99. सीएम/एल-2842 1971-12-15	1975-09-01	1976-08-31	फोरमोरेट डेरीज लि०, देहरादून रोड, डाक- घर कैलाशपुर, जिला सहारनपुर।	दूध का पाउडर (मक्खन निकला हुआ)— IS : 1165-1967	
100. सीएम/एल-2963 1972-03-10	1975-09-01	1976-08-31	हिन्दुस्तान स्टील लि०, राउरकेला इस्पात कारखाना, राउरकेला।	व्यायलर बनाने के लिये इस्पात की पट्टियां— IS : 2002-1962	
101. सीएम/एल-3034 1972-03-30	1975-10-01	1976-09-30	तारक इंडस्ट्रीज, 11 और 12, इंडस्ट्रियल एस्टेट, राजपुरा (पंजाब)।	डोर क्लोजर (प्रयोनित) केवल साइज— 2 IS : 3564-1970	
102. सीएम/एल-3068 1972-05-19	1975-05-16	1976-05-15	श्री लक्ष्मी आयरन एण्ड स्टील वर्क्स प्रा० लि०, 68, रवीन्द्र सारणी, लिलुवा (हावड़ा)।	संरचना इस्पात (मानक किस्म)— IS : 226-1975	
103. सीएम/एल-3069 1972-05-19	1975-05-16	1976-05-15	तदैव	संरचना इस्पात (साधारण किस्म)— IS : 1977-1975	
104. सीएम/एल-3102 1972-07-13	1975-09-16	1976-09-15	रेकमन स्प्रिंग प्रा० लि०, 53, इंडस्ट्रियल एरिया नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली-15	मोटर गाड़ियों में निलम्बन की कमानी की पत्तियां और पत्तीदार कमानियां— IS : 1135-1973	
105. सीएम/एल-3108 1972-07-25	1975-08-01	1976-07-31	ट्रस्टेल टिरफोर इण्डिया प्रा० लि०, 14/6 मील, मथुरा रोड, फरीदाबाद।	यूनिवर्सल गियर रहित हस्तचालित खींचने और उठाने की मशीन— निम्नलिखित शक्तियों की : (1) 1.6 टन उठाने और 2.6 टन खींचने की क्षमता वाली, (2) 3.2 टन उठाने की और 5.2 टन खींचने की क्षमता वाली, IS : 5604-1970	
106. सीएम/एल-3131 1972-08-21	1975-08-16	1976-08-15	भारत आयरन वर्क्स, पूना-अंगलौर रोड, बेलगांव (कर्नाटक)।	स्लूस वाल्व जलकल कार्यों के लिए दोहरे फ्लैज वाले, श्रेणी 2,300 मिमी साइज तक के— IS : 780-1969	
107. सीएम/एल-3133 1972-08-21	1975-08-16	1976-08-15	शिव दुर्गा आयरन वर्क्स प्रा० लि० 156/1, मधुसूदन पाल चौधरी लेन, हावड़ा।	प्राग बुझाने का भूमिगत पानी का तल, स्लूस वाल्व टाइप— IS : 909-1965	
108. सीएम/एल-3135 1972-08-17	1975-06-01	1976-05-31	खेर सजिकल एण्ड एलाइड प्राइवेट्स प्रा० लि०, सी० 34, पनको इण्डस्ट्रियल एस्टेट, कानपुर।	शस्यक्रिया के लिए अलग हो जाने वाले फल— IS : 3319-1973	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
109.	सीएम/एल-3155 1972-09-15	1975-09-16	1976-09-15	एलाइड रेजिन एण्ड बैमिकल्स लि०, बजबज ट्रंक रोड, राजपुर डाकखाना, गोविन्दपुर जिला 24 परगना (बंगाल)	हेक्सामेथिलीन टेड्रमीन (हेक्सामीन)--- IS : 4306--1973
110.	सीएम/एल-3165 1972-02-22	1975-09-16	1976-09-15	पटेल टिन मल्लुफैवचरिंग कं०, निकट वाकुड़िया महादेव, रखियाल रोड, अहमदाबाद	18-लिटर समार्ट बाने बर्गामार टिन--- IS : 916--1966
111.	सीएम/एल-3171 1972-09-26	1975-10-01	1976-09-30	नेलीमरला जूट मिल्स लि०, नेल्लमिरला, विजयनगरम (आ० प्र०)	‘ए’ टिबल पटमन के बोरे--- IS : 1943--1964 ‘बी’ टिबल पटमन के बोरे--- IS : 2566--1965
112.	सीएम/एल-3203 1972-11-01	1975-09-01	1976-08-31	एलुमिनियम इंडस्ट्रीज लि०, 1, सिरेमिक फैक्टरी रोड, कुडारा (केरल)	पीबीसी रोडित और पीबीसी बड़े एलुमिनियम चासक वाले केबल 1100 बोल्ट्स तक प्रयोग के लिए IS : 4288-1967
113.	सीएम/एल-3253 1972-12-11	1975-09-01	1976-06-31	हिन्दुस्तान मिटरल प्राइवेट्स कं० प्रा० लि०, 27 मैगनीज डिपो, शिवरी, बम्बई-16	2,4-डी (सोडियम) टैमिनफल (द्वारा रैकिंग क्रिया)--- IS : 1488--1959
114.	सीएम/एल-3274 1973-01-05	1975-06-16	1976-06-15	गेस्ट कीन विलियम्स लि०, 97, ग्रन्डूल रोड, हावड़ा	अग्नि जलावा और प्रेरणा द्वारा कठोरीकृत इस्पात--- IS : 3930--1966
115.	सीएम/एल-3275 1978-01-05	1975-06-16	1976-06-15	„	कार्बन और कार्बन मैगनीज युक्त सुकृष्ट इस्पात--- IS : 4431--1967
116.	सीएम/एल-3276 1973-01-05	1975-06-16	1976-06-15	„	दुईकरण और टेम्परिंग के लिये इस्पात--- IS : 5517--1969
117.	सीएम/एल-3277 1973-01-05	1975-06-16	1976-06-15	„	शंख नुमा और कुंडलीनुमा स्प्रिंग (रेल के डिब्बों के लिये) बनाने की इस्पात --- IS : 3195--1975
118.	सीएम/एल-3278 1973-01-05	1975-09-16	1975-06-15	„	परतदार कमानियों (रेल के डिब्बों के लिये) बनाने की इस्पात--- IS : 3885(भाग 1)--1966 और भाग 2--1969
119.	सीएम/एल-3304 23-1-1973	1975-06-16	1976-06-15	„	सामान्य इंजीनियरी कार्यों के लिये मशीनी पुर्जे बनाने वाले कार्बन इस्पात की काली छहें--- IS : 2073--1970
120.	सीएम/एल-3305 1973-01-23	1975-06-16	1976-06-15	„	केस कठोरकारी इस्पात--- IS : 4432--1967
121.	सीएम/एल-3335 1973-02-22	1975-09-01	1976-08-31	मैसूर शैम्प बक्स लि०, पुरानी टुम्कुर रोड, मशवन्तपुर साइन्स इन्स्टीट्यूट, डाकघर बंगलौर-12	ट्यूब के आकार की प्रतिदीप्त बत्ती धाम रोशनी के लिये--- (1) 20 वाट 6500° के (2) 40 वाट 6500° के IS : 2418--1964
122.	सीएम/एल-3446 1973-06-28	1975-07-01	1976-06-30	मिकिर हिल्स फोरेस्ट प्राइवेट्स, डाकखाना थोकानन जिला मिकिर हिल्स, असम	चाय के पेटियों के लिये प्लाइवुड की चौखटें--- IS : 10--1970
123.	सीएम/एल-3486 1973-07-18	1975-08-01	1976-07-31	राउरकेला मशीन टूल्स, इंडस्ट्रियल एरिया, राउरकेला	मिट्टी में छले लोहे के स्पीगॉट और साकेट मल मूल गंदे पानी व कुर्गंध दूर ले जाने वाले पाइप, फिटिंग और उपसाधन--- IS : 1729--1964
124.	सीएम/एल-3497 1973-07-31	1975-08-01	1976-07-31	एमको जनरल प्लास्टिक इंडस्ट्रीज प्रा० लि०, 13, साउथ टागिरा रोड, कलकत्ता-46	सभी प्रकार के दाब पर सफाई से पानी भरने के लिये उपयुक्त अल्पघनत्व पालीइथाइलीन पाइप, बाहरी 50 मिमी तक --- IS : 3076--1968

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
125. सीएम/एल-3498 1973-07-31	1975-08-01	1976-07-31	एमको जनरल प्लास्टिक इंडस्ट्रीज प्रा० लि०, 13, शाउथ टांगरा रोड, कलकत्ता-16	सफाई से पीने का पानी भरने के लिये उच्च घनत्व पानीइथलीन पाइप— (1) बाब, 2.5 किग्रा/सेमी 2 और बाहरी व्यास 315 मिमी तक (2) बाब 4 किग्रा/सेमी 2 और बाहरी व्यास 160 मिमी तक	
126. सीएम/एल-3504 1973-08-03	1975-08-01	1976-07-31	रेडियन्ट इंजीनियरिंग कं०, बी-2 इंडस्ट्रियल एस्टेट मनसतनगर, हैदराबाद-18	तापनय रोधनयुक्त ऋतु सह केवल पीपीसी रोधित और पीपीसी खोलदार 250/440 थोस्ट एलुमिनियम चालकों वाले — IS : 3035 (भाग 1)—1965	
127. सीएम/एल-3514 1973-08-08	1975-09-01	1976-08-31	जयपाल उद्योग, 34-35, हरल इंडस्ट्रियल एस्टेट लोनी, (जिला मेरठ)	पोलाथियोन पायसनीय तेज द्रव— IS : 2567—1973	
128. सीएम/एल-3521 1973-08-20	1975-08-16	1976-08-15	लाया लुमिनेक प्रा० लि०, 130, रासबिहारी एवेन्यू, कलकत्ता-29	प्रतिदीप्ति बत्तियों के लिये बेसास्ट 40 थोस्ट तक के लिये— IS : 1534 (भाग 1)—1967	
129. सीएम/एल-3522 1973-08-20	1975-08-16	1976-08-15	डकन कंजक्टर्स प्रा० लि०, इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट एरिया, उप्पले, हैदराबाद-39	पूर्ण एलुमिनियम चालक और इस्पात प्रबलित एलुमिनियम कोर वाले चालक— IS : 398—1961	
130. सीएम/एल-3527 1973-08-28	1975-09-01	1976-02-29	कालीकट टिन वर्क्स, तिरुवनमूर रोड, कालीकट-3	चाय की पेटियों के लिए धातु के फिटिंग IS : 10—1970	
131. सीएम/एल-3566 1973-10-10	1975-10-01	1976-09-30	हाइवे सीसी कं०, दोहरी बीवार, सपरहन (सोलन) हि०प्र०	इस्पात प्रबलित कंक्रीट के भारी काम वाले द्वारहिन पाइप 100 मिमी साइज तक, एनपी-3 श्रेणी IS : 458—1971	
132. सीएम/एल-3576 1973-10-26	1975-09-16	1976-09-15	प्रताप स्टील रोलिंग प्रा० लि०, बल्लभगढ़	संरचना इस्पात (मानक किस्म)— IS : 226—1975	
133. सीएम/एल-3577 1973-10-26	1975-09-16	1976-09-15	"	संरचना इस्पात (साधारण किस्म)— IS : 1977—1975	
134. सीएम/एल-3681 1974-01-24	1975-09-01	1976-09-31	जयपाल उद्योग, 34-35, हरल इंडस्ट्रियल एस्टेट, लोनी (जिला मेरठ)	डी०डी०टी० पायसनीय तेज द्रव— IS : 633—1956	
135. सीएम/एल-3725 1974-02-27	1975-09-16	1976-03-15	पटेल टिन मैन्यूफैक्चरिंग कं० रजियाल चौकुड़िया महादेव के निकट भरबुन्वा मिल के पहिले अहमदाबाद-21	लोहे के ड्रम (अस्तेदार और अस्तेरहित) — ग्रेड बी० 2— IS : 2552—1970	
136. सीएम/एल-3803 1979-04-11	1975-09-01	1976-08-31	जयपाल उद्योग 34-35 हरल इंडस्ट्रियल एस्टेट, लोनी (जिला मेरठ)	एल्ट्रिन पायसनीय तेज द्रव— IS : 1307—1958	
137. सीएम/एल-3806 1974-04-16	1975-04-16	1976-04-15	प्लास्टिक मोल्डर्स लि०, 38/1, स्ट्रैंड रोड, कलकत्ता-1	सफाई से पानी भरने के उच्च घनत्व पानी- इथालीन के पाइप, बाह्य व्यास 63 मिमी तक दाब 6 किग्रा/सेमी 2— IS : 4984—1972	
138. सीएम/एल-3839 1974-05-15	75-05-16	76-05-15	अजीक ऐंग्रिकल्चरल एण्ड इलेक्ट्रिकल इंडस्ट्रीज प्रा० लि०, 'डी'-3-4, इंडस्ट्रियल एस्टेट, आरंगल-7 (प्रा० प्र०)	नर्म फेजी ड्रेण मोडर 2.2 किबा (3 टापा) 'ए' श्रेणी के रोधन खरी— IS : 325—1970	
139. सीएम/एल-3852 1974-06-14	75-06-16	76-06-15	इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कारपोरेशन आफ उड़ीसा लि०, (फेरोकोम प्लांट) जैपुर रोड, डाकघर फेरोकोम प्रोजेक्ट, उड़ीसा।	फेरोकोमियम— IS : 1170—1967	
140. सीएम/एल-3899 1974-7-26	75-06-01	76-07-31	कृष्णवेली इंक फैक्टरी, 192, तिरुविनिमूर हाई रोड, मद्रास-81	कागज चिपकने का द्रव, गोंद का घोल और स्टार्च की धई— IS : 2257—1970	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
141. सीएम/एल-3900 1974-07-26	75-08-01	76-07-31	रेडिस्ट इंजीनियरिंग कं०, बी-2, इंडस्ट्रियल एस्टेट, सननगर, हैदराबाद-18	पीबीसी रोडित, केबल खोलदार तथा खोलरहित 250/440 वोल्ट एलुमिनियम चालकों वाले— IS : 694 (भाग 2)—1964	
142. सीएम/एल-3904 1974-07-26	75-08-01	76-07-31	एलुमिनियम इंडस्ट्रीज लि०, 1, मिरेमिक फेक्टरी रोड, कुंडारा (केरल)	पूर्व प्रतिबलित कंक्रीट के लिए छांचदार तार— IS : 6003—1970	
143. सीएम/एल-3906 1974-08-04	75-08-16	76-08-15	पंजाब साल्टपीटर रिकोइनरी लि०, इंडस्ट्रियल एस्टेट, फिरोजपुर सिटी	एन्ड्रिन पायसनीय तेज द्रव— IS : 1310—1974	
144. सीएम/एल-3909 1974-08-05	75-08-16	76-08-15	लेथिया इंडस्ट्रीज प्रा० लि०, 138/6, पिकानिक गार्डन रोड, कलकत्ता-39	चुम्बकीय समतल स्विचों के लिए उथालासह आवरण रेटिंग, 1 एम्पियर, 230 वोल्ट, ग्रेड 2 ए और 2 बी— IS : 2148—1968	
145. सीएम/एल-3910 1974-08-05	75-08-16	76-08-15	ईस्ट इंडिया इंडस्ट्रीज (मद्रास) प्रा० लि०, 214, निरुवोनिथूर हाई रोड, टॉडियारपेट, मद्रास-81	बिट्यूमेन नमूने जलरोक तथा नदी सह टाइप 3, ग्रेड 1— IS : 1322—1970	
146. सीएम/एल-3911 1974-08-05	75-08-01	76-07-31	मिनिचर बल्वज इंडस्ट्रीज इंडिया प्रा० लि०, 131, कंबाला रोड, देहरादून	खनिकों के टॉर्क थैम्पों के बल्व (बलिया), 4 वोल्ट, 0.80 एम्पियर आरगॉन गैस परे— IS : 2596—1964	
147. सीएम/एल-3925 1974-08-13	75-09-01	76-08-31	अथध प्लाईवुड इंडस्ट्रीज, बहुराइन रोड, गोंडा (उ० प्र०)	चाय की पेटियों के लिए धातु के फिटिंग— IS : 10—1970	
148. सीएम/एल-3926 1974-08-19	75-08-16	76-08-15	अथध प्लाईवुड इंडस्ट्रीज, बहुराइन रोड, गोंडा (उ० प्र०)	चाय की पेटियों के लिए धातु के फिटिंग— IS : 10—1970	
149. सीएम/एल-3929 1974-08-20	75-09-01	76-08-31	आरती मिनरल्स 15/7, मधुरा रोड, फरीदाबाद	एन्ड्रिन पायसनीय तेज द्रव— IS : 1307—1958	
150. सीएम/एल-3931 1974-08-22	75-09-01	76-08-29	पायरोफेक्स इण्डस्ट्रीज, 11, मिडपुरा इण्डस्ट्रियल एस्टेट, एक्सटेन्शन विल्डिंग, तीसरी मंजिल, एस० बी० रोड, गंगेगांव पश्चिम, बम्बई-62	(1) पीबीसी रोडित केबल खोलदार और बिना खोल वाले 250/440 और 650/1100 वोल्ट तांबे या एलुमिनियम चालकों वाले— IS : 694 (भाग 1)—1964 (2) पीबीसी रोडित लचकदार तार खोलदार 250/440 और 650/1100 वोल्ट तांबे के चालकों वाले— IS : 694 (भाग 2)—1964	
151. सीएम/एल-3933 1974-08-23	75-09-01	76-08-31	यूनियन कार्बाइड इंडिया लि०, बरामिया रोड, ओपल	कार्बोरिल धूलन पाउडर— IS : 7122—1973	
152. सीएम/एल-3934 1974-08-23	75-09-01	76-08-31	„	कार्बोरिल जल विसर्जनोय तेज पाउडर— IS : 7121—1973	
153. सीएम/एल-3938 1974-09-02	75-09-01	76-08-31	कामधेनु पेस्टिमाइड्स, 50-ए, हेड्वाप्पर इण्डस्ट्रियल एस्टेट, पुता-13	डीडीटी पायसनीय तेज द्रव— IS : 633—1956	
154. सीएम/एल-3941 1974-09-02	75-09-01	76-08-31	अजन्ता आयरन एण्ड स्टील कं०, प्रा० लि०, दिल्ली-शाहदरा	नखला इस्पात (साधारण किस्म)— IS : 1977—1975	
155. सीएम/एल-3942 1974-09-02	75-09-01	76-08-31	„	मंजला इस्पात (भानक किस्म)— IS : 226—1975	
156. सीएम/एल-3944 1974-09-02	75-10-01	76-09-30	हिन्दुस्तान इन्वोक्टीसाइड्स लि०, अलवर, उद्योग मंडल-683501 (केरल)	डीडीटी टेकनिकल— IS : 563—1973	
157. सीएम/एल-3945 1974-09-02	75-09-01	76-02-29	यू० पी० केबल कं० प्रा० लि०, 4, डी एल एफ इंडस्ट्रियल एरिया, नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली 1	(1) पीबीसी रोडित खोल रहित केबल 650/1100 वोल्ट एलुमिनियम चालकों वाले— (2) पीबीसी रोडित खोलदार और खोलरहित केबल 250/440 वोल्ट एलुमिनियम चालकों वाले— (3) पीबीसी रोडित खोल रहित केबल 250/440 वोल्ट, तांबे चालकों वाले— IS : 694 (भाग 1 और 2)—1964	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
158. सा.स.म./एल-3946 1974-09-02	75-09-01	76-08-31	इंडियन टेम्बर इंडस्ट्रीज, प्रदातापट्टा पट्टा कुर्डी त्रिलोचन (केरल) ।	बाय का पेटियों की पट्टियाँ— IS : 10 (भाग 3)—1974	
159. सा.स.म./एल-3955 1974-09-18	75-09-16	76-09-15	अनोपेकर इंडस्ट्रीज, 25-17, ईस्टमिडल एस्टेट, गिन्डी मद्रास-18	कापर सल्फेट तकनीक— IS : 161—1966	
160. सा.स.म./एल-3971 1974-09-30	75-10-01	76-09-30	विहार राज्य लैडर इंडस्ट्रीज डिपेलपमेन्ट कार- परिणत कुम्भकर कारखाना इंडस्ट्रियल एस्टेट रांची ।	खनिकों और धातुकर्म के उद्योगों के लिए रक्षक जूती और बूट— IS : 1989—1973	

[सं. 3 एमडी/13 : 12]

**MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND CO-OPERATION**  
(Department of Civil Supplies and Co-operation)

Indian Standards Institution

New Delhi, 1978-07-27

**S.O. 2347.** . . . In pursuance of sub-regulation (1) of Regulation 8 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, as amended from time to time, the Indian Standards Institution, hereby notifies that one hundred and sixty licences, particulars of which are given in the following schedule, have been renewed during the month of September 1975:—

**THE SCHEDULE**

Sl. No.	Licence No. and Date	Period of Validity From To		Name and Address of the Licensee	Article/Process Covered by the Licence and the Relevant IS: Designation
1	2	3	4	5	6
1.	CM/L-1 8-8-1957	1-9-75	31-8-76	The Aluminium Industries Ltd., No. 1, AAC & ACSR conductors— Ceramic Factory Road, Kundara (Kerala)	IS: 398—1961
2.	CM/L-175 14-3-1960	16-7-75	15-7-76	Camlin Pvt. Ltd., 210, Lady Jamshedji Road, Mahim, Bombay-16	Ferro-gallo tannate fountain pen ink (0.1 Percent Iron content)— IS: 220—1972
3.	CM/L-190 25-5-1960	1-8-75	31-7-76	The Indian Turpentine & Rosin Co. Ltd., P.O. Clutterbuckganj, Bareilly (U.P.)	Rosin (Gum Rosin)— IS: 553—1969
4.	CM/L-195 30-5-1960	1-10-75	30-9-76	Th: Western India Plywood Ltd., P.O. Baliapatam, Cannore Distt. (Kerala)	Plywood for general purposes— IS: 303—1960
5.	CM/L-212 25-8-1960	1-9-75	31-8-76	Cassava (India), 21, Gour Laha Street, Calcutta-6	Tea-chest metal fittings— IS: 10—1970
6.	CM/L-213 25-8-1960	1-9-75	31-8-76	Plywood Mfgs. Co-opt. Society Ltd., 11/3, Canal Circular Road, Calcutta-67.	Tea-chest plywood panels— IS: 10—1970
7.	CM/L-351 31-10-1961	1-9-75	31-8-76	Bharat Wood Works Pvt., Ltd., P & T.O. Dibrugarh, Rly. Stn. Dibrugarh (Assam)	Tea-chest plywood panels— IS: 10—1970
8.	CM/L-403 2-4-1962	1-9-75	29-2-76	The Hindustan Mineral Products Co. Pvt. Ltd., Plot No. 27, Manganese Depot, Sewri, Bombay-15.	BHC dusting powders— IS: 561—1972
9.	CM/L-429 30-6-1962	1-9-75	29-2-76	—do—	BHC water dispersible powder— IS: 562—1972
10.	CM/L-432 18-7-1962	16-8-75	15-8-76	Victor Cables Corporation, 7/3, G.T. Road, Sahibabad (U.P.)	PVC insulated cables 250 & 650 volts with copper& aluminium conductor— IS: 694 (Part I & II)—1964
11.	CM/L-444 20-8-1962	1-9-75	31-8-76	Hindustan Steel Ltd., Rourkela Steel Pro- ject, Rourkela, Orissa.	Structural steel (standard quality)— IS: 226—1975
12.	CM/L-445 20-8-1962	1-9-75	31-8-76	—do—	Structural steel (plates high tensile)— IS: 961—1975
13.	CM/L-446 20-8-1962	1-9-75	31-8-76	—do—	Cold rolled carbon steel sheets— IS: 513—1973
14.	CM/L-454 3-9-1962	16-9-75	15-9-76	J.D. Jones & Co. (P) Ltd., 8, Danesh Sheikh Lane, Shippore, Howrah.	(a) Graphite for paints— IS: 62—1950; and (b) Graphite for foundry facing material Grades 1, 2 & 3— IS: 1305—1967

1	2	3	4	5	6
15. CM/L-477 29-11-1962	1-7-75	30-6-76	Shalimar Tar Products (1935) Ltd., P-46, Hide Road Extn., Calcutta.	Bitumen (plastic) for waterproofing purposes— IS: 1580—1969	
16. CM/L-500 14-1-1963	1-9-75	31-8-76	The Aluminium Industries Ltd., No. 1, Ceramic Factory Road, Kundara (Kerala)	PVC cables only with aluminium conductors (250 and 650 volts Grade)— IS: 694 (Part I & II)—1964	
17. CM/L-503 24-1-1963	1-8-75	31-1-76	B.D. Khaitan & Co., 29, Colootola Street, Calcutta.	Tea-chest metal fittings— IS: 10—1970	
18. CM/L-532 30-4-1963	1-9-75	31-8-76	Hindustan Steel Ltd., Rourkela Steel Project, Rourkela, Orissa	Structural steel (fusion welding quality)— IS: 2062—1962	
19. CM/L-538 13-5-1963	1-9-75	31-8-76	The Aluminium Industries Ltd., No. 1, Ceramic Factory Road, Kundara (Kerala)	Polythylene insulated and PVC sheathed cables with aluminium conductors— IS: 1596—1970	
20. CM/L-620 17-1-1964	16-8-75	15-8-76	Roofrite Pvt. Ltd., Daulatabad Road, Gurgaon (Haryana) Near Railway Station.	Bitumen felts for waterproofing and damp proofing, type 3, grade 1 and 2— IX: 1322—1970	
21. CM/L-667 7-5-1964	16-6-75	15-6-76	Guest, Keen, Williams Ltd., 97, Andul Road, Howrah—3	Structural steel (standard quality)— IS: 226—1975	
22. CM/L-668 7-5-1964	16-6-75	15-6-76	—do—	Structural steel (ordinary quality)— IS: 1977—1975	
23. CM/L-672 14-5-1964	1-9-75	31-8-76	Hindustan Steel Ltd., Rourkela Steel Project Rourkela, Orissa.	Structural steel (ordinary quality)— IS: 1977—1975	
24. CM/L-702 29-6-1964	1-8-75	31-7-76	Calcutta Steel Co. Ltd., 4, Old Court House Street, Calcutta.	Structural steel (standard quality)— IS: 226—1975	
25. CM/L-703 29-6-1964	1-8-75	31-7-76	—do—	Structural steel (ordinary quality)— IS: 1977—1975	
26. CM/L-716 29-6-1964	1-8-75	31-7-76	Steel Rolling Mills of Bengal Ltd., 28, Strand Road, Calcutta.	Structural steel (standard quality)— IS: 226—1975	
27. CM/L-717 29-6-1964	1-8-75	31-7-76	—do—	Structural steel (ordinary quality)— IS: 1977—1975	
28. CM/L-724 29-6-1964	1-8-75	31-7-76	Kisan Engg. Works Pvt. Ltd., Dankaur Station, N. Railway, Distt. Bulandshahr.	Structural steel (standard quality)— IS: 226—1975	
29. CM/L-725 29-6-1964	1-8-75	31-7-76	—do—	Structural steel (ordinary quality)— IS: 1977—1975	
30. CM/L-752 31-7-1964	1-9-75	15-1-77	Indian Plastics Ltd., Poisar Bridge, Kandivli, Bombay-67.	Plastic water-closet seats and covers— IS: 2548—1967	
31. CM/L-755 12-8-1964	1-9-75	31-8-76	Mohan Meakin Breweries Ltd., Mohan Nagar, Ghaziabad.	Malt extract, non-diastatic type— IS: 2404—1972	
32. CM/L-758 14-8-1964	1-8-75	31-7-76	The Bharat Carbon & Ribbon Mfg. Co. Ltd., Plot No. 66-A, Industrial Area, Faridabad.	Carbon papers, typewriters, Types I, II and III— IS: 1551—1959	
33. CM/L-774 24-8-1964	16-9-75	15-9-76	Angelo Brothers Ltd., 7, Ram Gopal Ghose Road, Calcutta. 700002.	(i) Shellac hand made— —IS: 16(Pt. I)—1973 & (ii) Shellac machine made— IS: 16(Pt. II)—1973	
34. CM/L-926 28-11-1964	1-6-75	31-5-76	The Hooghly Mills Co., Ltd., 9, Garden Reach Road, Kidderpore, Calcutta-700043.	Jute sackings and sacking cloth— 1. A-Twill jute bags— IS: 1943—1964; 2. B-Twill jute bags— IS: 2566—1965— 3. Heavy Cee jute bags— IS: 2874—1964; 4. Jute corn sacks— IS: 2875—1964; 5. B-Twill cloth— IS: 3667—1966; and 6. Jute corn sack cloth— IS: 3750—1966	

1	2	3	4	5	6
35. CM/L-1013 22-2-1965	1-9-75	31-3-76	Arail Brothers, 14/4, Mathura Road, Farida- bad.		Cast iron flushing cisterns for water closets and urinals (bell type) high level, 10 and 12.5 litres capacity— IS: 774—1971
36. CM/L-1052 15-4-1965	1-5-75	30-4-76	J.K. Steel & Industries Ltd., 2, Nangoe Lane, Calcutta—700001		Hot rolled steel strips (baling)— IS: 1029—1970
37. CM/L-1079 1-6-1965	16-6-75	15-6-76	Guest, Keen, Williams Ltd., 97, Andul Road, Howrah-3.		Rivet bars for structural purposes IS: 1148—1973
38. CM/L-1080 1-6-1965	16-6-75	15-6-76	—do—		High tensile rivet bars for structural purposes— IS: 1149—1973
39. CM/L-1112 20-7-1965	16-8-75	15-8-76	Dhiman Scientific Works, Dhiman Build- ings Bengali Mohalla, Ambala Cantt. (Haryana).		Wooden metric scales for general pur- poses; rigid, grade A & B, 50 cm and 100 cm; and foldable, grade B, 50 cm only— IS: 1480—1970
40. CM/L-1127 12-8-1965	1-9-75	31-8-76	Express Cables Pvt. Ltd., P.O. Neora, Distt. Patna.		AAC & ACSR conductors— IS: 398—1961
41. CM/L-1166 11-11-1965	1-10-75	30-9-76	Swastika Metal Works, Jagadhari (Punjab)		Rolled brass sheet and strip, Grade CuZn 37— IS: 410—1967
42. CM/L-1169 3-12-1965	1-9-76	31-8-76	Central Insecticides & Fertilizers, 110, Indus- trial Estate, Indore (M.P.)		DDT water dispersible powder concen- trates— IS: 565—1961
43. CM/L-1190 6-1-1966	1-9-75	31-8-76	—do—		BHC water dispersible powder concen- trates— IS: 562—1962
44. CM/L-1191 6-1-1966	1-9-75	31-8-76	—do—		BHC dusting powders— IS: 561—1962
45. CM/L 1213 25-2-1966	1-9-75	31-8-76	The Hindusthan Mineral Products Co. Pvt. Ltd., Plot No. 27, Manganese Depot, Sewri, Bombay-15.		DDT dusting powders— IS: 564—1961
46. CM/L-1303 28-7-1966	16-8-75	15-8-76	The Eveready Flashlight Co., Division of Union Carbide (I) Ltd., of Mill Road, Aishbagh, Lucknow (U.P.)		Flashlights— IS: 2083—1962
47. CM/L-1327 31-8-1966	1-9-75	31-8-76	ICI (India) Pvt. Ltd., Rishra, Distt. Hooghly (W.B.)		Low density polyethylene pipes, pressure ratings 4 kgf/cm <sup>2</sup> of sizes 63 mm & 75mm outside dia and 10/kg/cm <sup>2</sup> of size 16 mm outside dia— IS: 3076—1968
48. CM/L-1341 30-9-1966	1-9-75	31-8-76	The Aluminium Industries Ltd., No. 1, Cera- mic Factory Road, Kundar (Kerala)		(1) PVC insulated and PVC sheathed cables: (i) Single core, 250/440 & 650/1 100 volts with aluminium conductors; and (ii) Flat twin core, 250/440 & 650/1 100 volts with aluminium conductors— IS: 3035(Part I)—1965. (2) Polyethylene insulated, taped, braided and compounded : (i) Single core, 250/440 & 650/1 100 volts with aluminium conduc- tors ; and (ii) Flat, twin core, 250/440 & 650/1 10' volts with a luminium conduc- tors— IS: 3035 (Part II)—1965 (3) Polyethylene insulated and Polyethy- lene sheathed : Single core, 650/1 100 volts with alumi- nium conductors— IS: 3035 (Part III)—1967

1	2	3	4	5	6
49.	CM/L 1465 26-6-1967	1-9-75	31-8-76	The Hindustan Mineral Products Co. Pvt. Ltd., Plot No. 27, Manganese Depot, Sewri, Bombay—15	Malathion EC— IS: 2567—1973
50.	CM/L-1469 30-6-1967	1-8-75	31-1-76	The Bharat Carbon & Ribbon Mfg. Co. Ltd., Plot No. 66-A, Industrial Area, Faridabad.	Ink, duplicating, all weather, black, for drum type machines— IS: 1333—1973
51.	CM/L-1472 13-7-1967	1-9-75	31-8-76	The Hindusthan Mineral Products Co. Pvt. Ltd., Plot No. 27, Manganese Depot, Sewri, Bombay—15	Endrin emulsifiable concentrates— IS: 1310—1974
52.	CM/L-1478 18-7-1967	1-8-75	31-1-76	Geeta Iron & Brass Works Pvt. Ltd., Bajuva (Distt. Baroda)	Sluice valves for water works purposes (with non-ferrous and chromiums pindles & Rings) Class I upto and including 300 mm sizes— IS : 780—1969 and sluice valves for water works purposes (with non-ferrous—spindles & rings), Class I upto and including 600 mm sizes and class II, upto and including 1200 mm sizes double flanged— IS: 2906—1969
53.	CM/L-1490 16-8-1967	16-8-75	15-8-76	Polypharma Ltd., 29, Panchpakhadi, Opp. Castle Mills, Khanna Compound Agra Road, Thana, Maharashtra.	Sulphuric acid pure and analytical reagent grades— IS : 266—1961.
54.	CM/L-1491 16-8-1967	16-8-75	15-8-76	-do-	Nitric acid (pure and analytical reagent grades)— IS : 264—1968.
55.	CM/L-1492 16-8-1967	16-8-75	15-8-76	-do-	Hydrochloric acid (pure and analytical reagent grades)— IS : 265—1963.
56.	CM/L-1500 25-8-1967	1-9-75	31-8-76	Central Insecticides & Fertilizers, 110 Industrial Estate, Indore (M.P.)	Aldrin dusting powders— IS : 1308—1958.
57.	CM/L-1514 15-9-1967	16-9-75	15-9-76	The Britannia Biscuit Co. Ltd., M.T.H. Road, Madras-50.	Biscuits— IS : 1011—1968.
58.	CM/L-1539 6-10-1967.	1-9-75	31-8-76	Neiveli Ceramics & Refractories Ltd., Vadalur, South Arcot Distt. (Tamil Nadu).	Flushing cisterns for water closets and urinals (valveless siphonic type) vitreous china, low level 10 and 12.5 litres capacity— IS : 774—1971.
59.	CM/L-1619 12-1-1968	1-9-75	31-8-76	Central Insecticides & Fertilizers, 110, Industrial Estate, Indore (M.P.)	Endrin emulsifiable concentrates— IS : 1319—1958)
60.	CM/L-1683 24-4-1968	1-9-75	31-8-76	Madhusudan Vegetable Products Co. Ltd., Rakhial Station, Taluka Dehgam, Distt. Ahmedabad (Gujarat).	18-Litres seque tins— IS : 916—1966.
61.	CM/L-1778 30-8-1968	1-10-75	30-9-76	Raj Brush Industries, 135, Malviya Nagar, Bhopal-3.	Flat brushes for paints and varnishes (12 to 38 mm only)— IS : 384—1971.
62.	CM/L-1804 9-10-1968	1-9-75	31-8-76	Hindustan Steel Ltd., Rourkela Steel Project, Rourkela, Orissa.	Galvanized steel sheets (plain and corrugated)— IS : 277—1969.
63.	CM/L-1839 22-11-1968	1-8-75	31-7-76	The Agro Industrial Chemicals Co., 13-A, Kalyani View, Rudrapur (Nainital).	Aldrin emulsifiable concentrates— —IS : 1307—1973.
64.	CM/L-1861 12-12-1968	1-9-75	31-8-76	Central Insecticides & Fertilizers, 110, Industrial Estate, Indore (M.P.)	DDT dusting powders— —IS : 564—1961.
65.	CM/L-1931 27-2-1969	1-9-75	29-2-76	The Hindusthan Mineral Products Co. Pvt. Ltd., Plot No. 27, Manganese Depot, Sewri, Bombay-15.	DDT water dispersible powder concentrates— IS : 565—1961.
66.	CM/L-1942 25-3-1969	16-8-75	15-8-76	Polypharm Pvt. Ltd., 29, Panchpakhadi, Near Castle Mills, Agra Road, Thana (Maharashtra).	Acetic acid AR Grade— IS : 695--1975.



1	2	3	4	5	6
67.	CM/L-1950 31-3-1969	1-9-75	31-8-76	Central Insecticides & Fertilizers, 110, Industrial Estate, Indore (M.P.).	Aldrin emulsifiable concentrates— IS : 1307-1958.
68.	CM/L-2038 31-7-1969	1-8-75	31-7-76	Sanifix India Pvt. Ltd., 172/7, Madhusudan Paul Chaudhury Lane, Howrah.	CI flushing cisterns for water closets and urinals (valveless siphonic type):— (i) Low level, 12.5 litres capacity ; and (ii) High level, 10 litres & 12.5 litres capacity— IS : 774-1971.
69.	CM/L-2041 31-7-1969	16-8-75	15-8-76	Stoneware Pipe Factory (A Unit of Tamil Nadu Ceramics Ltd.), Junction Road, Vriddhachalam, South Arcot Distt. (Tamil Nadu).	Salt glazed stoneware pipes of 100 mm, 150 mm and 230 mm dia. only— IS : 651-1971.
70.	CM/L-2066 8-9-1969	16-9-75	15-9-76	The Industrial Electrodes & Gauges Ltd., Andul Road, Howrah.	Covered electrodes for metal arc welding of structural steel— IS : 814-1970.
71.	CM/L-2073 12-9-1969	16-9-75	15-9-76	Sangam Elec. & Mech. Indus. Pvt. Ltd., Plot No. 13/14, Industrial Estate, Sangli (Maharashtra).	(i) Three-phase induction motors 2.2 kW (3 HP), 3.7 kW (5 HP) and 7.5 kW (10 HP); with class 'A' insulation; and (ii) Three-phase induction motors 2.2 kW (3 HP); 3.7 kW (5 HP) and 5.5 kW (7.5 HP) with class 'E' insulation— IS : 325-1970.
72.	CM/L-2101 30-9-1969	1-10-75	30-9-76	Nandi Provender Mills., (Prop. Dhanpat Mal Jawaladas Feed Mills), 33, Najafgarh Industrial Area, New Delhi-15.	Compounded feeds for cattle.. IS : 2052-1968.
73.	CM/L-2142 12-11-1969	1-9-75	31-8-76	T.T. (Private) Ltd., No. 78, Old Madras Road, Dooravaninagar, Bangalore.	Wrought aluminium and aluminium alloy for utensils— IS : 21-1969.
74.	CM/L-2147 26-11-1961	16-8-75	15-8-76	Oswal Electricals, 49, Industrial Area, Faridabad.	Three-phase induction motors, 0.75 kW to 2.2 kW, Class 'A' insulation— IS : 325-1961.
75.	CM/L-2183 31-12-1969	1-9-75	31-8-76	Victor Cables Corporation, 7/3, G.T. Road, Sahibabad (U.P.).	(i) PVC insulated and PVC sheathed, single core and twin core flat, 250/440 volts & 650/1100 volts grade with aluminium conductors— IS : 3035 (Part I)-1965. (ii) Polyethylene insulated, taped or untaped, braided, and compounded cables, single core and twin core flat, with aluminium conductors, 250/440 volts and 650/1100 volts grade— IS : 3035 (Part II)-1965.
76.	CM/L-2216 22-1-1970	1-8-75	31-1-76	Gurudev Industries Pvt. Ltd., 36, Pandit Road, Calcutta-29.	Tea-chest metal fittings— IS : 10-1970.
77.	CM/L-2232 9-2-1970	1-9-75	31-8-76	Lloyd Bitumen Products (P) Ltd., B-7 & B-8, Ambattur Indl. Estate, Madras-600058.	Bitumen felts for waterproofing and damp-proofing Type 3 Grades 1 and 2— IS : 1322-1970.
78.	CM/L-2261 25-2-1970	1-9-75	31-1-76	The Tannery & Footwear Corp'n. of India Ltd., 13/400 Civil Lines, Kanpur.	Miner's safety leather boots and shoes— IS : 1989-1973.
79.	CM/L-2272 6-3-1970	16-9-75	15-9-76	I.B.I. Pvt. Ltd., S-86, Andheri, Kurla Road, Bombay-59.	(i) Steam sterilizers for hospital use pressure type— IS : 3829-1966 and (ii) High speed steam sterilizers pressure type— IS : 4510-1968.

1	2	3	4	5	6
80.	CM/L-2276 16-3-1970	1-9-75	31-8-76	Jaipal Udyog, 34-35, Rural Industrial Estate, Loni, Distt. Meerut (U.P.).	BHC emulsifiable concentrates— IS : 632-1966.
81.	CM/L-2277 16-3-1970	1-9-75	31-8-76	-do-	Endrin emulsifiable concentrates— IS : 1310-1958.
82.	CM/L-2341 10-6-1970	1-9-75	31-3-76	M.G. Shahani & Co. (Delhi) Pvt. Ltd. C-1, Co-opt. Industrial Estate, Balanagar, Hyderabad.	Ferro-gallo tannate fountain pen ink (0.1 percent iron content)— IS : 220-1972.
83.	CM/L-2364 13-7-1970	16-7-75	15-7-76	Martin Burn Industrial Unit No. 2, 1, Satya Doctor Road, Kidderpore, Calcutta-23.	Welded low carbon steel gas cylinder of 33.3 litres water capacity for the storage and transportation of low pressure liquefiable gases— IS : 3196-1974.
84.	CM/L-2386 10-8-1970	1-9-75	31-8-76	Pampasar Distillery, Indian Sugar & Refineries Ltd., Hospet, Bellary District, Mysore State.	Rectified spirit— IS : 323-1959.
85.	CM/L-2389 12-8-1970	16-9-75	15-9-76	I.B.I. Pvt. Ltd., S-86, Andheri, Kurla Road, Bombay-59.	Water stills for pyrogen-free distilled water— IS : 3830-1970.
86.	CM/L-2393 19-8-1970	1-8-75	31-7-76	Associated Instruments Mfrs. (India) Pvt. Ltd., 35 Najafgarh Road, New Delhi-110015.	(i) Cube moulds for cement testing as per clause 8.4.2; (ii) Cube mould for Cement testing, 50 mm size as per clause 9.3.2; and (iii) Length comparator as per clause 5.2.2.7 and 12.2.4— IS : 4031-1968.
87.	CM/L-2404 10-9-1970	16-9-75	15-9-76	Regal Products Pvt. Ltd., 186, Royapettah High Road, Royapettah, Madras-14.	Dye-based fountain pen inks— IS : 1221-1971.
88.	CM/L-2415 28-9-1970	16-9-75	15-9-76	Premchand Jute Mills, Lessee : Sonajuli Tea & Inds. Ltd., Chengail, Howrah.	B-Twill jute bags— IS : 2566-1965.
89.	CM/L-2528 27-1-1971	1-8-75	31-7-76	The Bharat Carbon & Ribbon Mfg. Co. Ltd., Plot No. 66-A, Industrial Area, Faridabad.	Carbon papers, handwriting, Types A, B and C— IS : 3450-1966.
90.	CM/L-2578 9-3-1971	16-9-75	15-3-76	Mody Cable Industries, C-2-A, Shed No. 1 (GIDC), Odhav Industrial Area, Ahmedabad (Gujarat).	PVC insulated cables of the following types:— (i) Single-core, sheathed/unsheathed, 250/440 and 650/1100 volts grade with aluminium or copper conductors; (ii) Twin core, flat, PVC sheathed, 250/440 volts grade with aluminium conductors; and (iii) Four core, PVC sheathed, 250/440 and 650/1100 volts grade with aluminium conductors— IS : 694 (Part I)-1964. and IS : 694 (Part II)-1964.
91.	CM/L-2679 17-5-1971	16-9-75	15-3-76	-do-	Thermoplastic insulated weatherproof cables:— (i) Polyethylene insulated & polyethylene sheathed, 250/440 volts grade with aluminium conductors— IS : 3035 (Part III)-1967; and (ii) PVC insulated and PVC sheathed 250/440 and 650/1100 volts with aluminium conductors— IS : 3035 (Part I)-1965.
92.	CM/L-2683 18-5-1971	16-9-75	15-9-76	Premier Pesticides Pvt. Ltd., E.R.G. Road, Ernakulam, Cochin-282011.	Endrin emulsifiable concentrates— IS : 1310-1974.

1	2	3	4	5	6
93.	CM/L-2719 28-7-1971	1-8-75	31-7-76	Ellico Pvt. Ltd., B-90, Asstd Pvt. Indl. Estate, Balanagar, Hyderabad-37.	Direct reading pH metres— IS : 2711-1966.
94.	CM/L-2731 6-8-1971	16-8-75	15-8-76	Meryfur Industries, Sri Ram Lane, Opp. Jindal Oil Mills, Shahdara, Delhi-32.	(i) PVC insulated sheathed & unsheathed cables single core, aluminium conductor, 250/440 & 650/1100 volts; (ii) PVC insulated sheathed cables, flat twin core, 250/440 & 650/1100, aluminium conductor; and (iii) PVC insulated unsheathed cables single core, copper conductor, 650/1100 volts— IS : 694 (Parts I & II)—1964.
95.	CM/L-2735 12-8-1971	16-8-75	15-8-76	Victor Cables Corporation, 7/3, G.T. Road, Sahibabad (U.P.).	PVC insulated (HD) cables for working voltages upto and including 1100 volts— IS : 1554 (Part I)—1964.
96.	CM/L-2787 26-10-1971	16-8-75	15-8-76	Meryfur Industries, Sri Ram Lane, Opposite Jindal Oil Mills, Shahdara, Delhi-32.	(i) PVC insulated & PVC sheathed weatherproof cables, aluminium conductor 250/440 and 650/1100 volts grade— IS : 3035 (Part I)—1965; and (ii) Polyethylene insulated & polyethylene sheathed weatherproof cables, single core, aluminium conductor 650/1100 volts Grade— IS : 3035 (Part III)—1967.
97.	CM/L-2802 8-11-1971	1-5-75	30-4-76	J.K. Steel & Industries Ltd., Rishra, Distt. Hooghly (W.B)	Cold rolled steel strips (box strappings)— IS : 5872-1973
98.	CM/L-2806 10-11-1971	16-9-75	15-9-76	Grandlay Electricals (India), 458/426, Military Parade Road, Nirankari Colony, Delhi.	PVC insulated (HD) electric cable for working voltage upto and including 1100 V— IS : 1554 (Part I)—1964.
99.	CM/L-2842 15-12-1971	1-9-75	31-8-76	Foremost Dairies Ltd., Dehra Dun Road, P.O. Kailashpur, Distt. Saharanpur.	Milk powders (skim)— IS : 1165-1967.
100.	CM/L-2963 10-3-1972	1-9-75	31-8-76	Hindustan Steel Ltd., Rourkela Steel Project, Rourkela, Orissa.	Steel plates for boilers— IS : 2002-1962.
101.	CM/L-3034 30-3-1972	1-10-75	30-9-76	Taruk Industries, 11 & 12, Industrial Estate, Rajpura (Punjab).	Door closer (hydraulically regulated) size 2 only— IS : 3564-1970.
102.	CM/L-3068 19-5-1972	16-5-75	15-5-76	Shree Laxmi Iron & Steel Works Pvt. Ltd. 88, Rabindra Sarani, Liluah, Howrah.	Structural steel (standard quality)— IS : 226-1975.
103.	CM/L-3069 19-5-1972	16-5-75	15-5-76	-do-	Structural steel (ordinary quality)— IS : 1977-1975.
104.	CM/L-3102 13-7-1972	16-9-75	15-9-76	Racmann Spring Pvt. Ltd., 53, Industrial Area, Najafgarh Road, New Delhi-110015.	Spring leaves and leaf springs for automobile suspension— IS : 1135-1973.
105.	CM/L-3108 25-7-1972	1-8-75	31-7-76	Tractel Tirfor (India) Pvt. Ltd., 14/6, Milestone, Mathura Road, Faridabad.	Universal gearless hand operated pulling and lifting machines of following ratings:— (i) 1.6 tonnes lifting & 2.6 tonnes pulling capacity; and (ii) 3.2 tonnes lifting & 5.2 tonnes pulling capacity— IS : 5604-1970
106.	CM/L-3131 21-8-1972	16-8-75	15-8-76	Bharat Iron Works, Poona—Bangalore Road, Belgaum (Karnataka).	Sluice valves for water works purposes double flanged, class 2 of sizes upto and including 300 mm— IS : 780-1969

1	2	3	4	5	6
107. CM/L-3133 21-8-1972	16-8-75	15-8-76	Shiv Durga Iron Works (P) Ltd., 156/1, Madhusudan Pal Chowdhury Lane, Howrah.	Underground fire hydrant, sluice valve type— IS : 909—1965	
108. CM/L-3135 17-8-1972	1-6-75	31-5-76	Kher Surgical & Allied Products Pvt. Ltd., C-34, Panki Industrial Estate, Kanpur.	Detachable blades for surgical scalpels— IS : 3319—1973	
109. CM/L-3155 15-9-1972	16-9-75	15-9-76	Allied Resins & Chemicals Ltd., Budge Budge Trunk Road, Rampur, Gobindpur P.O., Distt. 24-Parganas (W. Bengal).	Hexamethylenetetramine (Hexamine)— IS : 4306—1973	
110. CM/L-3165 22-9-1972	16-9-75	15-9-76	Patel Tin Mfg. Co., Near Chakudia Mahadev, Rakhial Road, Ahmedabad-380023.	18-Litre square tins— IS : 916—1966	
111. CM/L-3171 26-9-1972	1-10-75	30-9-76	Nellimarla Jute Mills Ltd., Nellimarla, Vizianagram (A.P.)	A-Twill jute bags— IS : 1943—1964; and B-Twill jute bags— IS : 2566—1965	
112. CM/L-3203 1-11-1972	1-9-75	31-8-76	The Aluminium Industries Ltd., No. 1, Ceramic Factory Road, Kundara (Kerala).	PVC insulated and PVC sheathed solid aluminium conductored cables of voltage rating upto and including 1100 volts— IS : 4288—1967	
113. CM/L-3253 11-12-1972	1-9-75	31-8-76	The Hindustan Mineral Products Co. Pvt. Ltd., Plot No. 27, Manganese Depot, Sewri, Bombay-15.	2, 4-D Sodium technical (Repacking)— IS : 1488—1959	
114. CM/L-3274 5-1-1973	16-6-75	15-6-76	Guest, Keen, Williams Ltd., 97, Andul Road, Howrah-3.	Flame and induction hardening steels— IS : 3930—1966	
115. CM/L-3275 5-1-1973	16-6-75	15-6-76	-do-	Carbon and carbon-manganese free-cutting steels— IS : 4431—1967	
116. CM/L-3276 5-1-1973	16-6-75	15-6-76	-do-	Steels for hardening and tempering— IS : 5517—1969	
117. CM/L-3277 5-1-1973	16-6-75	15-6-76	-do-	Steel for manufacture of volute and helical springs (for railway rolling stock)— IS : 3195—1975	
118. CM/L-3278 5-1-1973	16-6-75	15-6-76	-do-	Steel for the manufacture of laminated springs (railway rolling stock)— IS : 3885 (Part I)—1966; and IS : 3885 (Part II)—1969	
119. CM/L-3304 23-1-1973	16-6-75	15-6-76	-do-	Carbon steel black bars for production of machine parts for general engineering purposes— IS : 2073—1970	
120. CM/L-3305 23-1-1973	16-6-75	15-6-76	-do-	Case hardening steels— IS : 4431—1967	
121. CM/L-3335 22-2-1973	1-9-75	31-8-76	The Mysore Lamp Works Ltd., Old Tumkur Road, Yeswantpur, Science Institute P.O., Bangalore-12 (Mysore).	Tubular fluorescent lamps for general lighting service : (i) 20 Watts, 6500°K;—and (i) 40 Watts, 6500°K— IS : 2418—1964	
122. CM/L-3446 28-6-1973	1-7-75	30-6-76	Mikir Hills Forest Products, P.O. Bokajan, Distt. Mikir Hills, Assam.	Tea-chest plywood panels— IS : 10—1970	
123. CM/L-3486 18-7-1973	1-8-75	31-7-76	Rourkela Machine Tools Industrial Area, Rourkela (Orissa).	Sand Cast iron spigot and socket soil waste and ventilating pipes, fittings and accessories— IS : 1729—1964	
124. CM/L-3497 31-7-1973	1-8-75	31-7-76	Emco General Plastic Industries Pvt. Ltd., 13, South Tangra Road, Calcutta-46.	Low density polyethylene pipes for potable water supplies of all pressure ratings and outside dia upto and including 50 mm— IS : 3076—1968	

1	2	3	4	5	6
125. CM/L-3498 31-7-1973	1-8-75	31-7-76	-do-		HDP pipes for potable water supplies— (i) Upto and including 315 mm outside dia and of pressure rating 2.5 kgf/cm <sup>2</sup> ; (ii) Upto and including 160 mm outside dia and of pressure rating 4 kgf/cm <sup>2</sup> ; and (iii) Upto and including 63 mm outside dia and of pressure rating 6 kgf/cm <sup>2</sup> — IS : 4984—1972
126. CM/L-3504 3-8-1973	1-8-75	31-7-76	Radiant Engineering Co., B-2, Industrial Estate, Sanatnagar, Hyderabad-18 (A.P.)		Thermoplastic insulated weather proof cables, PVC insulated and PVC sheathed, 250/440 volts grade with aluminium conductors— IS : 3035 (Part-I)—1965
127. CM/L-3514 8-8-1973	1-9-75	31-8-76	Jaipal Udyog, 34-35, Rural Industrial Estate, Loni (Distt. Meerut).		Malathion emulsifiable concentrates— IS : 2567—1973
128. CM/L-3521 20-8-1973	16-8-76	15-8-76	Lara Luminac Pvt. Ltd., 130, Rashbehari Avenue, Calcutta-29.		Ballasts for fluorescent lamps, upto and including 40 watt rating— IS : 1534 (Part I)—1967
129. CM/L-3522 20-8-1973	16-8-75	15-8-76	Deccan Conductors (P) Ltd., Industrial Development Area, Uppal, Hyderabad-39 (A.P.)		AAC & ACSR conductors— IS : 398—1961
130. CM/L-3527 28-8-1973	1-9-75	29-2-76	Calicut Tin Works, Thiruvannur Road, Calicut-3.		Tea-chest metal fittings— IS : 10—1970
131. CM/L-3566 10-10-1973	1-10-75	30-9-75	Highway Cee Cee Co., Dohri Dewar, Sap-roon (Solani), Himachal Pradesh.		Reinforced concrete, heavy duty, non-pressure pipe, 900 mm size only, class NP <sub>a</sub> — IS : 458—1971
132. CM/L-3576 26-10-1973	16-9-75	15-9-76	Partap Steel Rolling Mills Pvt. Ltd., Ballabgarh.		Structural Steel (Standard quality)— IS : 226—1975
133. CM/L-3577 26-10-1973	16-9-75	15-9-76	-do-		Structural steel (ordinary quality)— IS : 1977—1975
134. CM/L-3681 24-1-1974	1-9-75	31-8-76	Jaipal Udyog, 34-35, Rural Industrial Estate, Loni (Distt. Meerut).		DDT Emulsifiable concentrates— IS : 633—1956
135. CM/L-3725 27-2-1974	16-9-75	15-3-76	Patel Tin Mfg. Co., Rakhial, Near Chakudia Mahadev, Behind Arbunda Mills, Ahmedabad-21.		Grade B-2 steel drums (galvanized and ungalvanized)— IS : 2552—1970
136. CM/L-3803 11-4-1974	1-9-75	31-8-76	Jaipal Udyog, 34-35, Rural Industrial Estate Loni (Distt. Meerut).		Aldrin emulsifiable concentrates— IS : 1307—1958
137. CM/L-3806 16-4-1974	16-4-75	15-4-76	Plastic Moulders Ltd., 38/1, Strand Road, Calcutta-1.		HDP pipes for potable water supplies for sizes upto and including 63 mm outside dia for pressure rating 6 kgf/cm <sup>2</sup> only— IS : 4984—1972
138. CM/L-3839 15-5-1974	16-5-75	15-5-76	Ashoka Agricultural & Electrical Industries Pvt. Ltd., D-3 & D-4, Industrial Estate, Warrangal-7 (Andhra Pradesh).		Three-phase induction motors, 2.2 kW (3 HP) only with Class 'A' insulation— IS : 325—1970
139. CM/L-3852 14-6-1974	16-6-75	15-6-76	Industrial Development Corpn. of Orissa Ltd., (Ferro Chrome Plant), Jaipur Road, P.O. Ferro-Chrome Project, Orissa.		Ferro chromium— IS : 1170—1967
140. CM/L-3899 26-7-1974	1-8-75	31-7-76	Krishnaveni Ink Factory, 192, Tiruvottiyur High Road, Madras-81.		Paper adhesive, liquid gum and office paste type— IS : 2257—1970
141. CM/L-3900 26-7-1974	1-8-75	31-7-76	Radiant Engineering Co., B-2, Industrial Estate, Sanatnagar, Hyderabad-18 (A.P.)		PVC insulated cables, sheathed and un-sheathed 250/440 volts grade with aluminium conductors— IS : 694 (Part II)—1964
142. CM/L-3904 26-7-1974	1-8-75	31-7-76	The Aluminium Industries Ltd., No. 1 Ceramic Factory Road, Kundara (Kerala).		Indented wire for prestressed concrete— IS : 6003—1970
143. CM/L-3906 4-8-1974	16-8-75	15-8-76	Punjab Saltpetre Refinery Ltd., Industrial Estate Ferozepur City.		Endrin emulsifiable concentrates— IS : 1310—1974
144. CM/L-3909 5-8-1974	16-8-75	15-8-76	Levion Industries Pvt. Ltd., 138/6, Picnic Garden Road, Calcutta-39 (W. Bengal).		Flameproof enclosures for magnetic level switches, rating 1 amp, 230 volts, Grade IIA and IIB— IS : 2148—1968




1	2	3	4	5	6
145. CM/L-3910 5-8-1974	16-8-75	15-8-76	East India Industries (Madras) Pvt. Ltd., 214, Tiruvottiyur High Road, Tondiarpet, Madras-600081.		Bitumen felts for waterproofing and damp- proofing, Type 3, Grade 1 only— IS : 1322—1970
146. CM/L-3911 5-8-1974	1-8-75	31-7-76	Miniature Bulbs Industries (India) Pvt. Ltd., 131, Kanwali Road, Dehra Dun (U.P.)		Bulbs (Lamps) for miner's cap-lamps 4 V, 0.80 Amp. Argon gas filled— IS : 2596—1964
147. CM/L-3925 13-8-1974	1-9-75	31-8-76	Avadh Plywood Industries, Bahraich Road, Gonda (U.P.)		Tea-chest metal fittings— IS : 10—1970
148. CM/L-3926 19-8-1974	16-8-75	15-8-76	Kraps International, 4-B, Gurudwara Bala Sahib Road, Jeewan Nagar, New Delhi- 110014.		Protective helmets for scooter and motor- cycle riders— IS : 4151—1968
149. CM/L-3929 20-8-1974	1-9-75	31-8-76	Artec Minerals, 15/7, Mathura Road, Faridabad.		Aldrin emulsifiable concentrates— IS : 1307—1958
150. CM/L-3931 22-8-1974	1-9-75	29-2-76	Pyroflex Industries, No. 11, Sidhpura Indl. Estate, Extension Building, 2nd Floor, S.V. Road, Goregaon West, Bombay-62 (Maharashtra).		(i) PVC insulated cables sheathed and unsheathed 250/440 volts and 650/ 1100 volts grade with copper or aluminium conductors— IS : 694 (Part I)—1964; and (ii) PVC insulated flexible cords sheathed, 250/440 volts and 650/110 volts grade with copper conductors— IS : 694 (Part II)—1964
151. CM/L-3933 23-8-1974	1-9-75	31-8-76	Union Carbide India Ltd., Berasia Road, Bhopal (M.P.)		Carbaryl dusting powders— IS : 7122—1973
152. CM/L-3934 23-8-1974	1-9-75	31-8-76	-do-		Carbaryl water dispersible powder con- centrates— IS : 7121—1973
153. CM/L-3938 2-9-1974	1-9-75	31-8-76	Kamdhenu Pesticides, 50-A, Hadapsar Indl. Estate, Poona-13.		DDT EC— IS : 633—1956
154. CM/L-3941 2-9-1974	16-9-75	31-8-76	Ajanta Iron & Steel Co. Pvt. Ltd., Delhi- Shahdara.		Structural steel (ordinary quality)— IS : 1977—1975
155. CM/L-3942 2-9-1974	1-9-75	31-8-76	Do.		Structural steel (standard quality)— IS : 226—1975
156. CM/L-3944 2-9-1974	1-10-75	30-9-76	Hindustan Insecticides Ltd., Alwaye, Udyogmandal-683501 (Kerala).		DDT technical— IS : 563—1973
157. CM/L-3945 2-9-1974	1-9-75	29-2-76	U.P. Cable Co. Pvt. Ltd., 4, D.L.F. Industrial Area, Najafgarh Road, New Delhi.		(i) PVC insulated unsheathed cable 650/1 100 volts Grade, aluminium con- ductor; (ii) PVC insulated, sheathed and unshea- thed cables, 250/440 Volts Grade, aluminium conductors; and (iii) PVC insulated, unsheathed, cables 250/ 440 Volts Grade with copper con- ductor— IS : 694 (Parts I and II)—1964
158. CM/L-3946 2-9-1974	1-9-75	31-8-76	Indian Timber Industries, Attathode-Patta, Chalakudy, Distt. Trichur (Kerala).		Tea-chest battens— IS : 10 (Part) III—1974
159. CM/L-3955 18-9-1974	16-9-75	15-9-76	Bhuvaneswari Industries, 25-A, Developed Plot, Indl. Estate, Guindy, Madras- 400018.		Copper Sulphate, technical— IS : 261—1966
160. CM/L-3971 30-9-1974	1-10-75	30-9-76	Bihar State Leather Inds. Devop. Corpn. Pvt. Ltd., Unit—Footewar Factory, Industrial Estate, Ranchi.		Safety boots and shoes for miners and heavy metal industries— IS : 1989—1973

[No. CMD/13 : 12]

क्रा० प्रा० 2348.—समय-समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन बिन्ह) 1955 के विराम 4 के उपबिधिय (1) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि संस्था ने कुछ मानक बिन्ह निर्धारित किए गए हैं जिसकी डिजाइन और शब्दिक विवरण तथा भारतीय मानक के शीर्षक सक्रिय अनुसूची में दिए गए हैं।

भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन बिन्दु) अधिनियम, 1952 और उसके अधीन बने नियमों के निमित्त ये मानक बिन्दु प्रत्येक के सामने दी गई तिथियों से लागू होंगे।

## अनुसूची



क्रम	मानक बिन्दु की संख्या	उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी	तत्संबंधी भारतीय मानक की संख्या और इकाई	मानक की डिजाइन का आधिकारिक विवरण	लागू होने की तिथि
1	2	3	4	5	6
1.	IS : 1030	सामान्य इंजीनियरी कार्यों के लिए कार्बन इस्पात की डली वस्तुएं	IS : 1030-1974 सामान्य इंजीनियरी कार्यों के लिए कार्बन इस्पात की डली वस्तुओं की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें ISI शब्द होते हैं स्तम्भ (2) में दिखाई गई गैली और अनुपात में तैयार किया गया है और जैसा डिजाइन में दिखाया गया है उस मोनोग्राम के ऊपर की ओर भारतीय मानक की पद-संख्या दी गई है।	1978-04-01
					
2.	IS : 5531	जल, गैस और मल विकास के लिए ऐस्बेस्टोस सीमेंट दाब पाइपों के साथ लगने वाले बलवा लोहे के स्पेशल	IS : 5531 (भाग 1 से 3)-1977 जल, गैस और मल विकास के लिए ऐस्बेस्टोस सीमेंट दाब पाइपों के साथ लगने वाले बलवा लोहे के स्पेशल की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें ISI शब्द होते हैं स्तम्भ (2) में दिखाई गई गैली और अनुपात में तैयार किया गया है और जैसा डिजाइन में दिखाया गया है उस मोनोग्राम के ऊपर की ओर भारतीय मानक की पद-संख्या दी गई है।	1978-04-16
					
3.	IS : 5986	ठंडे संरक्षण और फलैज देने के कार्यों के लिए गर्म बेलित इस्पात की पट्टी और फ्लैट	IS : 5986-1970 ठंडे संरक्षण और फलैज देने के कार्यों के लिए गर्म बेलित इस्पात की पट्टी और फ्लैट की विशिष्टि	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें ISI शब्द होते हैं स्तम्भ (2) में दिखाई गई गैली और अनुपात में तैयार किया गया है और जैसा डिजाइन में दिखाया गया है उस मोनोग्राम के ऊपर की ओर भारतीय मानक की पद-संख्या दी गई है।	1977-11-01
					

[सं० सी एम डी/13 : 9]

S.O. 2348.—In pursuance of sub-rule (1) of rule 4 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Rules, 1955 the Indian Standards Institution, hereby notifies that the Standard Mark(s), design(s) of which together with the verbal description of the design(s) and the title(s) of the relevant Indian Standard(s) are given in the Schedule hereto annexed, have been specified.

These Standard Mark(s) for the purpose of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Act, 1952 and the Rules and Regulations framed thereunder, shall come into force with effect from the dates shown against each :

## SCHEDULE

Sl. No.	Design of the Standard Mark	Product/Class of Product	No. and Title of the Relevant Indian Standard	Verbal description of the Design of the Standard Mark	Date of effect
1	2	3	4	5	6
1.	IS : 1030	Carbon steel castings for general engineering purposes	IS : 1030-1974 Specification for carbon steel castings for general engineering purposes (second revision).	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters, 'ISI', drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (2); the number of the Indian Standard being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design.	1978-04-01
					
2.	IS : 5531	Cast iron specials for use with asbestos cement pressure pipes for water, gas and sewage.	IS : 5531 (Parts I to III)-1977 Specification for cast iron specials for use with asbestos cement pressure pipes for water, gas and sewage (first revision).	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters, 'ISI', drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (2); the number of the Indian Standard being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design.	1978-04-16
					

1	2	3	4	5	6
3. IS : 5986	Hot rolled steel plates and flats for cold-forming and flanging operations.	IS : 5986—1970 Specification for hot-rolled steel plates and flats for cold-forming and flanging operations.	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters, 'ISI', drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (2); the number of the Indian Standard being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design.	1977-11-01	



[No. CMD/13 : 9]

का०प्रा० 2349.—समय-समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) 1955 के नियम 4 के उपविनियम (1) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि संस्था ने कुछ मानक चिह्न निर्धारित किए हैं जिसकी डिजाइन और शान्दिक विवरण तथा भारतीय मानक के शीर्षक सहित अनुसूची में दिए गए हैं।

भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) अधिनियम, 1952 और उसके अधीन बने नियमों के निमित्त ये मानक चिह्न 1978-01-16 से लागू होंगे।

## अनुसूची

क्रम संख्या	मानक चिह्न की डिजाइन	उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी	तत्संबंधी भारतीय मानक की सं० और इकाई	मानक की डिजाइन का शान्दिक विवरण
1. IS : 2707		सतह कठोरीकरण के लिए कार्बन इस्पात की ठली वस्तुएं	IS : 2707-1973 सतह कठोरीकरण के लिए कार्बन इस्पात की ठली वस्तुओं की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें 'ISI' शब्द होते हैं स्तम्भ (2) में दिखाई गई शैली और अनुपात में तैयार किया गया है और जैसा डिजाइन में दिखाया गया है उक्त मोनोग्राम के ऊपर की ओर भारतीय मानक की पंख संख्या दी गई है।
2. IS : 2708		1.5 प्रतिशत मैंगनीज इस्पात की ठली वस्तुएं	IS : 2708-1973 1.5 प्रतिशत मैंगनीज इस्पात की ठली वस्तुओं की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	-तदेव-

[सं० सी एम की/13 : 9]

S.O. 2349.—In pursuance of sub-rule (1) of rule 4 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Rules, 1955 the Indian Standards Institution, hereby notifies that the Standard Mark(s), design(s) of which together with the verbal description of the design(s) and the title(s) of the relevant Indian Standard(s) are given in the Schedule hereto annexed, have been specified.

These Standard Mark(s) for the purpose of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Act, 1952 and the Rules and Regulations framed thereunder, shall come into force with effect from 1978-01-16 :

## SCHEDULE

Sl. No.	Design of the Standard Mark	Product/Class of Product	No. and Title of the Relevant Indian Standard	Verbal description of the Design of the Standard Mark
1. IS : 2707		Carbon steel castings for surface hardening	IS : 2707—1973 Specification for carbon steel castings for surface hardening (first revision).	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI', drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (2); the number of the Indian Standard being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design.
2. IS : 2708		1.5 percent manganese steel castings.	IS : 2708—1973 Specification for 1.5 percent manganese steel castings (first revision).	—do—

[No. CMD/13 : 9]




नई दिल्ली, 1978-07-31

क्र० आ० 2350.—समय समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिन्ह) 1955 के नियम 4 के उपविनियम (1) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि संस्था ने कुछ मानक चिन्ह निर्धारित किए हैं जिसकी डिजाइन और शान्दिक विवरण तथा भारतीय मानक के शीर्षक सहित अनुसूची में दिया गया है :

भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिन्ह) अधिनियम 1952 और उसके अधीन बने नियमों के निमित्त यह मानक चिन्ह 1978-06-01 से लागू होगा :

## अनुसूची

क्रम सं०	मानक चिन्ह की डिजाइन	उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी	तत्संबंधी भारतीय मानक की सं० और इकाई	मानक की डिजाइन का शान्दिक विवरण
1. IS : 6773		फाउंट्रियों में प्रयुक्त सोडियम सिलिकेट	IS : 6773-1977 फाउंट्रियों में प्रयुक्त सोडियम सिलिकेट की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें 'ISI' शब्द होने हैं, स्तम्भ (2) में दिखाई गई शैली और अनुपात में तैयार किया गया है और जैसा डिजाइन में दिखाया गया है उस मोनोग्राम के ऊपर की ओर भारतीय मानक की पदसंख्या दी गई है।


[सं० सी एन डी/13 : 9]

New Delhi, 1978-07-31

S.O. 2350.—In pursuance of sub-rule (1) of rule 4 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Rules, 1955 the Indian Standards Institution, hereby notifies that the Standard Mark, design of which together with the verbal description of the design and the title of the relevant Indian Standard is given in the Schedule hereto annexed, has been specified.

This Standard Mark for the purpose of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Act, 1952 and the Rules and Regulations framed thereunder, shall come into force with effect from 1978-06-01 :

## SCHEDULE

Sl. No.	Design of the Standard Mark	Product/Class of Product	No. and Title of the Relevant Indian Standard	Verbal description of the Design of the Standard Mark
1. IS : 6773		Sodium silicate for use in foundries.	IS : 6773-1977 Specification for sodium silicate for use in foundries (First revision).	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI', drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (2); the number of the Indian Standard being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design.

[No. CMD/13 : 9]

क्र० आ० 2351.—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिन्ह) विनियम 1955 के विनियम 7 के उपविनियम (3) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि फाउंट्रियों में प्रयुक्त सोडियम सिलिकेट की प्रति इकाई मुहर लगाने की फीस अनुसूची में दिए गए ब्योरे के अनुसार निर्धारित की गई है और यह फीस 1978-06-01 से लागू होगी।

## अनुसूची

क्रम संख्या	उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी	तत्संबंधी मानक की संख्या और शीर्षक	इकाई	प्रति इकाई मुहर लगाने की फीस
1	2	3	4	5
1.	फाउंट्रियों में प्रयुक्त सोडियम सिलिकेट	IS : 6773-1977 फाउंट्रियों में प्रयुक्त सोडियम सिलिकेट की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	एक मोटरी टन	(i) पहली 1000 इकाइयों के लिए रु. 3.00 प्रति इकाई, (ii) 1001वीं से 6000 तक की इकाइयों के लिए रु० 1.50 प्रति इकाई, और (iii) 6001वीं और उससे ऊपर की इकाइयों के लिए 50 पैसे प्रति इकाई।

[सं० सी एम डी/13 : 10]

S.O. 2351.—In pursuance of sub-regulation (3) of regulation 7 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, the Indian Standards Institution, hereby notifies that the marking fee per unit for sodium silicate for use in foundries, details of which are given in the Schedule hereto annexed, has been determined and the fee shall come into force with effect from 1978-06-01 :  
488 GI/78-4

## SCHEDULE

Sl. No.	Product/Class of Product	No. and Title of Relevant Indian Standard	Unit	Marking Fee per Unit
1.	Sodium Silicate for use in foundries.	IS : 6773—1977 Specification for Sodium Silicate for use in foundries (First revision).	One Tonne	(i) Rs. 3.00 per unit for the first 1000 units; (ii) Rs. 1.50 per unit for the 1001st to 6000 units and (iii) 50 paise per unit for the 6001st unit and above.

[No. CMD/13 : 10]

का० आ 2352 : भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन बिन्दु) विनियम 1955 के विनियम 7 के उपविनियम (3) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि फासालोन धूलन पाउडर की प्रति इकाई वर मुहर लगाने की फीस अनुसूची में दिए गए शीर्षों के अनुसार निर्धारित की गई है। यह फीस 1978-02-16 से लागू होगी।

## अनुसूची

क्रम सं०	उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी	तत्संबंधी मानक की संख्या और शीर्षक	इकाई	प्रति इकाई मुहर लगाने की फीस
1.	फासालोन धूलन पाउडर	IS : 6489-1977 फासालोन धूलन पाउडर की विशिष्टि	एक मीटरी टन	(i) पहली 500 इकाइयों के लिए रु० 5.00 प्रति इकाई, और (ii) 501वीं और उससे ऊपर की इकाइयों के लिए रु० 2.00 प्रति इकाई।

[सं० सी एम डी/13 : 10]

आई० एस० वेंकटेश्वरन्, अपर महानिदेशक

S.O. 2352.—In pursuance of sub-regulation (3) of regulation 7 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, the Indian Standards Institution, hereby notifies that the marking fee per unit for Phosalone DP, details of which are given in the Schedule hereto annexed, has been determined and the fee shall come into force with effect from 1978-02-16 :

## SCHEDULE

Sl. No.	Product/Class of Product	No. and Title of Relevant Indian Standard	Unit	Marking Fee per Unit
1	2	3	4	5
1.	Phosalone Dusting Powders	IS : 8489—1977 Specification for Phosalone Dusting Powders.	One Tonne	(i) Rs. 5.00 per unit for the first 500 units; and (ii) Rs. 2.00 per unit for the 501st unit and above.

[No. CMD/13 : 10]

Y. S. VENKATESWARAN, Addl. Director General

## स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 1 जुलाई, 1978

का०आ० 2353.—यतः केन्द्रीय सरकार ने वन्त चिकित्सक अधिनियम, 1948 (1948 का 16) की धारा-6 की उपधारा (4) के साथ पठित धारा-3 के खंड (छ) के उपबन्धों के अनुसरण में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली के वन्त शल्य चिकित्सा विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर तथा अध्यक्ष डा० एस० एस० सिद्धू को पहली जनवरी, 1978 से भारतीय वन्त परिषद् का सदस्य मनोनीत किया है।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा-3 का अनुसरण करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा भारत सरकार, स्वास्थ्य मंत्रालय की

9 जनवरी, 1978 की अधिसूचना सं० बी० 12013/1/77-एम० पी० टी० (पी०एम०एस०) में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में "धारा 3" के खंड (छ) के अधीन मनोनीत शीर्ष के अन्तर्गत क्रम संख्या 1 की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाए, अर्थात्:—

"डा० एस० एस० सिद्धू,

वन्त शल्य चिकित्सा विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर और अध्यक्ष,

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली-110016"

[संख्या बी 12025/18/77-पी०एम०एस०]

ह० स० धकालीया, अपर सचिव

**MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE****(Department of Health)**

New Delhi, the 1st July, 1978

**S.O. 2353.**—Whereas the Central Government have, in pursuance of the provisions of clause (f) of section 3 read with sub-section (4) of section 6 of the Dentists Act, 1948 (16 of 1948) nominated Dr. S. S. Sidhu Associate Professor and Head of Department of Dental Surgery, All India Institute of Medical Sciences, New Delhi-110016, to be a member of the Dental Council of India with effect from 1st January, 1978;

Now, therefore, in pursuance of section 3 of the said Act, the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Health No. V. 12013/1/77-MPT(PMS), dated the 9th February, 1978, namely :—

In the said notification, under the heading "Nominated under clause (f) of section", for the entry against serial No. 1, the following entry shall be substituted, namely :—

"Dr. S. S. Sidhu,  
Associate Professor and Head of  
Department of Dental Surgery.  
All India Institute of Medical Sciences,  
New Delhi-110016."

[No. V. 12025/18/77-PMS]

H. S. DHAKAALIA, Under Secy.

नई दिल्ली, 3 प्रगस्त, 1978

**क्र०आ० 2354.**—संविधान के अनुच्छेद 309 के अन्तर्गत द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति एतद्वारा केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान, कसौली (भंडार अधिकारी) भर्ती नियमावली, 1977 को संशोधित करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का नाम केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान, कसौली (भंडार अधिकारी) भर्ती संशोधन नियम, 1978 है।

(2) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान, कसौली (भंडार अधिकारी) भर्ती नियमावली, 1977 में नियम 5 के बाद निम्नलिखित नियम जोड़ा जाए :—

"6. व्याख्या

इस संबंध में केन्द्रीय सरकार द्वारा समय समय पर जारी किए गये आदेशों के अनुसार अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति तथा विशेष वर्गों के व्यक्तियों के लिए जिन आरक्षणों और अन्य रियायतों की व्यवस्था करना अपेक्षित है, उस पर इन नियमों की किरा बात का प्रभाव नहीं पड़ेगा।"

[क्र० ए० 12025(i)/3/76-एम० एस०]

एन० ए० सुब्रामोन्य, प्रवर सचिव

New Delhi, the 3rd August, 1978

**S.O. 2354.**—In exercise of the powers conferred by the provision to article 309 of the Constitution the President hereby makes the following rules to amend the Central Research Institute, Kasauli (Stores Officer) Recruitment Rules, 1977, namely :—

1. (1) These rules may be called the Central Research Institute, Kasauli (Stores Officer) Recruitment Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

2. In the Central Research Institute, Kasauli (Stores Officer). Recruitment Rules, 1977, after rule 5 the following rule shall be added namely :—

"6. Saving.

Nothing in these rules shall effect reservations relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the scheduled casts and Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard."

[No. A. 12025(i)/3/76-MS]

N. A. SUBRAMONEY, Under Secy.

**कृषि और सिंचाई मंत्रालय****(खाद्य विभाग)**

नई दिल्ली, 4 प्रगस्त, 1978

**क्र०आ० 2355.**—केन्द्रीय भण्डागारण निगम, भण्डागारण निगम अधिनियम, 1962 (1962 का 58) की धारा 42 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार के पूर्व स्वीकृति से, केन्द्रीय भण्डागारण निगम (कर्मचारीवृन्द) विनियम, 1966 में और संशोधन करने के लिए, निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :—(1) इन विनियमों का संक्षिप्त नाम केन्द्रीय भण्डागारण निगम (कर्मचारीवृन्द) संशोधन विनियम, 1978 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. केन्द्रीय भण्डागारण निगम (कर्मचारीवृन्द) विनियम, 1966 में:

(i) विनियम 2 में खण्ड (ड) के स्थान पर निम्नलिखित खण्ड रखा जाएगा, अर्थात् "ड" नियमित "कर्मचारी से वह कर्मचारी अभिप्रेत है जिसके बारे में यह घोषित कर दिया गया है कि उसने नियुक्ति प्राधिकारी के समाधान प्ररूप में परीक्षा की अवधि पूरी कर ली है।"

(ii) विनियम 3 के स्थान पर निम्नलिखित विनियम रखा जाएगा, अर्थात्—

"3. पदों का वर्गीकरण:—

निगम के अधीन पद निम्नलिखित रूप में वर्गीकृत किए जाएंगे:—

समूह-क ऐसे पद जिनका न्यूनतम वेतनमान 700 रु० या उससे अधिक है।

समूह-ख ऐसे पद जिनका न्यूनतम वेतनमान 550 रु० या उससे अधिक है किन्तु 700 रु० से कम है।

समूह-ग ऐसे पद जिनका न्यूनतम वेतनमान 260 रु० या उससे अधिक है किन्तु 550 रु० से कम है।

समूह-घ ऐसे पद जिनका न्यूनतम वेतनमान 260 रु० से कम है;"

(iii) विनियम 4 के स्थान पर निम्नलिखित विनियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

"4. कर्मचारियों की संख्या

निदेशक बोर्ड समय-समय पर अपने कृत्यों का निर्वहन करने के लिए विभिन्न प्रवर्गों में अर्पित कर्मचारीवृन्द को संस्था अधीन अवधारित करेगा :

परन्तु प्रबन्ध निदेशक एक वर्ष से अधिक अवधि के लिए किसी समूह में ऐसा कोई पद बना सकता है जिसका अधिकतम वेतन प्रति मास 1600 रु० से अधिक न हो।”

(iv) विनियम 5 के स्थान पर निम्नलिखित विनियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

“5. नियुक्ति प्राधिकारी

- (1) प्रबन्ध निदेशक के पद से भिन्न ऐसे पदों पर नियुक्तियां जिनका अधिकतम वेतनमान प्रतिमास 1800 रु० से अधिक है निदेशक बोर्ड द्वारा की जाएंगी।
  - (2) समूह ‘क’ और ‘ख’ के ऐसे पदों पर नियुक्तियां जिनका अधिकतम वेतनमान प्रतिमास 1800 रु० तक है, प्रबन्ध निदेशक द्वारा की जाएंगी।
  - (3) समूह ‘ग’ और ‘घ’ के पदों पर नियुक्तियां अनुसूची में विनिर्दिष्ट अधिकारियों द्वारा की जाएंगी।
  - (4) नियुक्ति प्राधिकारी, अपने विचार के लिए संबंधित पदों के लिए नामों का पेनल तैयार करने के लिए एक चयन समिति की नियुक्ति करेगा;”
- (v) विनियम 6 में जहां कहीं भी “प्रबन्ध निदेशक” शब्द आए हों उनके पश्चात् “या नियुक्ति प्राधिकारी” शब्द अन्तःस्थापित किए जाएंगे ;

(vi) विनियम 12 के स्थान पर निम्नलिखित विनियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

“12. वेतनमान

- (1) निगम में वेतनमान नियत या पुनरीक्षित करने की शक्ति निदेशक बोर्ड में इस शर्त के अधीन रहते हुए निहित होगी कि ऐसे किसी व्यक्ति के नियोजन के लिए जो पहले ही 58 वर्ष का हो चुका है जहां ऐसे व्यक्ति के लिए नियम किए जाने के लिए प्रस्तावित वेतन (जिसमें पेंशन या पेंशन के समतुल्य या अन्य सेवानिवृत्ति फायदे सम्मिलित हैं) प्रतिमास 2,500 रु० से अधिक है या जहां ऐसे व्यक्ति को दिए जाने के लिए प्रस्तावित वेतनान 2500 रु० या उससे अधिक है, केन्द्रीय सरकार का पूर्व अनुमोदन प्राप्त किया जाएगा ;

परन्तु केन्द्रीय सरकार, राज्य सरकार, या किसी संस्था से प्रतिनियुक्ति पर आए कर्मचारियों के वेतनमान अन्यत्र सेवा के ऐसे निबन्धनों और शर्तों के अनुसार विनियमित किए जाएंगे जो उन्हें भेजने वाले विभाग द्वारा विनिश्चित किए जाएंगे।

- (2) निगम के ऐसे कर्मचारियों के वेतनमान और वेतन, जिन्हें केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार या किसी संस्था में प्रतिनियुक्ति पर भेजा गया हो निगम द्वारा अवधारित किए जाएंगे।

टिप्पण :—किसी कर्मचारी को परिवीक्षा की अवधि के दौरान और जब तक कि वह निगम में तीन वर्ष से अन्यून सेवा पूरी न करवें प्रतिनियुक्ति पर जाने की अनुज्ञा नहीं दी जाएगी।

(vii) विनियम 17 में;—

- (क) स्पष्टीकरण 2 के पश्चात् स्पष्टीकरण 3 के रूप में निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“स्पष्टीकरण—3

“अवधारी” शब्द की व्यापकता पर प्रतिकूल प्रभाव डालने बिना निम्नलिखित कार्यों और कार्यकलापों को उपचार माना जाएगा :—

- (1) निगम के बारबार या संपत्ति के या निगम के परिसर के भीतर किसी अन्य व्यक्ति को संपत्ति के संबंध में खोरी, कपट या बेईमानी।
- (2) घूस या कोई अवैध परितोषण लेना या देना।

- (3) कर्मचारी द्वारा या उसकी ओर से किसी अन्य व्यक्ति द्वारा भ्राय के ज्ञात स्त्रियों के अनुपात से अधिक धन संबंधी साधन या संपत्ति रखना जिसका कर्मचारी समाधान प्रद रूप में हिसाब न दे सकता हो।

- (4) नियोजन के समय या नियोजन के दौरान नाम, आयु पिता का नाम, अर्हता योग्यता या पूर्व सेवा या नियोजन से संपृक्त किसी अन्य विषय की बाबत मिथ्या जानकारी देना।

- (5) निगम के हित के प्रतिकूल कार्य करना।

- (6) अपने वरिष्ठ की जानबूझकर अनधीनता और उसके वैध और युक्तियुक्त आदेश का, चाहे दूसरों के साथ मिलकर या पूर्वक अवज्ञा करना।

- (7) उचित आधार के बिना या उचित और संतोषप्रद स्पष्टीकरण के बिना, छुट्टी के बिना अनुपस्थित रहना या मन्जूर छुट्टी के बाद लगातार चार से अधिक दिनों तक रुक जाना।

- (8) अभ्यासतः देर से आने का अभ्यस्त या अनियमित उपस्थिति।

- (9) कार्य की उपेक्षा करना या कर्तव्य पालन में उपेक्षा इसके अन्तर्गत बीमारी का बहाना या कार्य मन्व करना।

- (10) निगम की किसी सम्पत्ति को नुकसान पहुंचाना।

- (11) निगम के परिसर में या उसके निकट संस्थापित किसी सुरक्षा युक्ति में हस्तक्षेप करना या छेड़छाड़ करना।

- (12) निगम के परिसर में या ऐसे परिसर के बाहर मत्तता या बलवात्मक या उपद्रवात्मक या अशिष्ट आचरण जब ऐसा आचरण नियोजन से संबंधित या उससे संसक्त है।

- (13) स्थापन के परिसर में जुआ खेलना।

- (14) स्थापन के ऐसे परिसर में धूम्रपान करना जहां ऐसा करना निषिद्ध है।

- (15) देश में तत्समय प्रवृत्त किसी विधि या निगम के नियमों द्वारा यथा स्वीकृत धन के सिवाय निगम के परिसर के भीतर सश्रम प्राधिकारी की अनुज्ञा के बिना धन संग्रहीत करना।

- (16) कर्तव्य के समय सोना।

- (17) कोई ऐसा कार्य करना जो नैतिक अधमता के अंतर्बलित करने वाला कोई दंडिक अपराध हो।

- (18) नियोजन के निधन कार्य स्थल से अनुज्ञा या पर्याप्त कारण के बिना अनुपस्थित रहना।

- (19) सश्रम प्राधिकारी की लिखित स्पष्ट अनुज्ञा के बिना निगम से संपत्ति, मशीनरी, भण्डार आदि का क्रय या निगम को संपत्ति मशीनरी भंडार आदि का विक्रय करना।

- (20) अनुज्ञामन या अश्लेष आचार के विरुद्ध कोई कार्य करना।

- (21) ऐसे किसी कार्य का दुष्प्रेरण या बुष्प्रेरण का प्रयत्न करना जो अवैध हो।

टिप्पण :—प्रवचन के उपरोक्त उदाहरण दुष्टांत स्वरूप हैं रावग-पूर्ण नहीं हैं;”

(ख) उप विनियम (2) के स्थान पर निम्नलिखित उपविनियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(2) शास्ति अधिरोपित करने की शक्ति का प्रयोग नीचे विनिर्दिष्ट प्राधिकारियों द्वारा (या विनिर्दिष्ट प्राधिकारियों से उच्च किसी प्राधिकारी द्वारा) किया जाएगा :—

- (क) नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा सभी शास्तियां अधिरोपित करने की शक्ति का प्रयोग किया जाएगा।

(ख) छोटी शास्ति अधिरोपित करने की शक्ति का प्रयोग, जैसा कि ऊपर विनिर्दिष्ट है नीचे यथा उपदर्शित विभिन्न समूहों के कर्मचारियों के संबंध में अनुशासनिक प्राधिकारियों द्वारा भी किया जाएगा।

कर्मचारियों का समूह

अनुशासन प्राधिकारी

- |   |                  |
|---|------------------|
| (1) समूह 'क' पद धारण करने वाले कर्मचारी                           | प्रबन्ध निदेशक   |
| (2) समूह 'ख' पद धारण करने वाले कर्मचारी                           | महानिदेशक        |
| (3) मुद्रणालय में समूह 'ग' और समूह 'घ' पद धारण करने वाले कर्मचारी | कार्यिक प्रबन्धक |
| (4) क्षेत्रों में समूह 'ग' और समूह 'घ' पद धारण करने वाले कर्मचारी | क्षेत्रीय निदेशक |

परन्तु इन विनियमों में अन्तर्दिष्ट किसी बात के होते हुए भी ऊपर विनिर्दिष्ट अनुशासनिक प्राधिकारी ऐसे किसी कर्मचारी के विरुद्ध, जिनकी आवृत्ति उन्हें छोटी शास्तियों अधिरोपित करने के लिए सशक्त किया गया है, उपविनियम (1) में विनिर्दिष्ट बड़ी शास्तियों अधिरोपित करने के लिए अनुशासनिक कार्यवाहियों संस्थित करने के लिए और उस प्रयोजन के लिए आरोप विरचित करने के लिए भी सक्षम होंगे।

(viii) विनियम 18 में,—

- (क) उपविनियम (2) में के स्वीकृति का लोप किया जाएगा;
- (ख) उपविनियम (ख) में निम्नलिखित टिप्पण अन्तर्स्थापित किया जाएगा अर्थात्:—

“टिप्पण:—कोई कर्मचारी नियम के किसी अन्य ऐसे कर्मचारी की सहायता नहीं लेगा जिसके पास वो ऐसे अनुशासनिक मामले सम्बन्धित हैं जिनमें उसे सहायता करनी है।”

(ix) विनियम 20 में, उपविनियम (1) के स्थान पर निम्नलिखित उपविनियम रखा जाएगा, अर्थात्:—

“(1) जहाँ किसी मामले से वो या उसमें अधिक कर्मचारी संबंधित हैं वहाँ अनुशासनिक प्राधिकारी यह निदेश देते हुए आदेश दे सकता है कि उनमें से सभी के विरुद्ध अनुशासनिक कार्यवाही सामान्य प्रक्रिया के अनुसार की जा सकती है।”

(x) विनियम 21 में अन्तिम वाक्य का लोप किया जाएगा;

(xi) विनियम 22 में,

(क) “नियुक्ति प्राधिकारी” शब्दों से आरम्भ होकर “निवृत्ति कर सकता है” शब्दों से समाप्त होने वाले वाक्य के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्:—

“नियुक्ति प्राधिकारी या कोई ऐसा प्राधिकारी जिसका वह अधीनस्थ है या अनुशासनिक कार्यवाही आरम्भ करने के लिए सक्षम अनुशासनिक प्राधिकारी किसी कर्मचारी को निवृत्ति कर सकता है।”

(ख) उपविनियम (5) में “नियुक्ति प्राधिकारी” शब्द के स्थान पर “सहायक, निवृत्ति प्राधिकारी या अनुशासनिक प्राधिकारी” शब्द रखे जायेंगे।

(xii) विनियम 23 में अंक “1957” के स्थान पर “1965” अंक रखे जायेंगे;

(xiii) विनियम 25 के उपविनियम (1) में—

(क) परन्तु के स्थान पर निम्नलिखित परन्तु रखा जाएगा, अर्थात्:—

“परन्तु जहाँ नियमों का अन्विष्ट छह मास से अधिक हो वहाँ प्रबन्ध निदेशक/अनुशासनिक प्राधिकारी या प्रबन्ध निदेशक के स्वयं के मामले में नियुक्ति प्राधिकारी

प्रथम छह मास की अवधि के पश्चात् किसी अवधि के लिए निर्वाह भत्ता और महंगाई भत्ते में निम्नलिखित रूप में फेरफार करने के लिए सक्षम होगा”;

(ख) जहाँ कहीं भी “बारह मास” शब्द आए हैं उनके स्थान पर “छह मास” शब्द रखे जायेंगे;

(xiv) विनियम 27 के स्थान पर निम्नलिखित विनियम रखा जाएगा अर्थात्:—

“27 अपील:—

(1) निदेशक बोर्ड द्वारा पारित किसी आदेश के मामले में के सिवाय हर कर्मचारी को विनियम 17 में विनिर्दिष्ट कोई शास्ति अधिरोपित करने वाले किसी आदेश के विरुद्ध अपील करने का हक होगा।

(2) उप विनियम (1) के अधीन अपील:—

(क) जहाँ शास्ति अधिरोपित करने वाला कोई आदेश प्रबन्ध निदेशक के अधीनस्थ किसी अधिकारी द्वारा किया गया है तो प्रबन्ध निदेशक को,

(ख) जहाँ शास्ति अधिरोपित करने वाला आदेश प्रबन्ध निदेशक द्वारा किया गया है तो निदेशक बोर्ड को, की जाएगी।

(3) उप विनियम (2) के अधीन अपील प्राधिकारी द्वारा किये गये किसी आदेश के विरुद्ध कोई अपील नहीं की जाएगी।”

(xv) विनियम 31 के पश्चात् निम्नलिखित विनियम अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“31-क-पुनर्विलोकन

इन विनियमों में अन्तर्दिष्ट किसी बात के होते हुए भी निदेशक बोर्ड इस विनियमों के अधीन अपने द्वारा किए गए किसी आदेश का, स्वप्रेरणा से या अनिवार्य, किसी समय, पुनर्विलोकन कर सकेगा, और:—

(क) आदेश को पृष्ठ, उपास्तित या अभास्त कर सकेगा और जहाँ शास्ति अधिरोपित नहीं की गई है कोई शास्ति अधिरोपित कर सकेगा; या

(ख) ऐसा आदेश पारित कर सकेगा जो वह ठीक समझे;

परन्तु शास्ति अधिरोपित करने वाला या उसमें वृद्धि करने वाला कोई आदेश निदेशक बोर्ड द्वारा अभ्यावेदन करने का गुणवत्तुक्त अप्पार न दिया गया हो और जहाँ विनियम 17 के उपविनियम (1) के खंड (iv) से (vii) में विनिर्दिष्ट किसी शास्ति को अधिरोपित करने का प्रस्ताव है या पुनर्विलोकन के लिए इस्तिन आदेश द्वारा अधिरोपित शास्ति में वृद्धि करके उन खण्डों में विनिर्दिष्ट कोई शास्ति अधिरोपित करना है वहाँ ऐसी शास्ति विनियम 18 में अधिकतम रीति में जांच करने के और जांच के दौरान किए गए माध्य पर प्रस्तावित शास्ति के विरुद्ध कर्मचारी को हेतुक दर्जित करने का गुणवत्तुक्त प्रस्ताव देने के पश्चात् ही अधिरोपित की जाएगी।”

(xvi) विनियम 33 के स्थान पर निम्नलिखित विनियम रखा जाएगा, अर्थात्:—

“33. कोई महिला कर्मचारी प्रसूति छुट्टी के आरंभ होने की तारीख से 90 दिन की अवधि तक पूर्ण वेतन पर प्रसूति छुट्टी मंजूर किए जाने की पात्र होती।”

(xvii) सम्पूर्ण विनियम में जहाँ कहीं भी “वर्ग 1”, “वर्ग 2”, “वर्ग 3” और “वर्ग 4” शब्द और अंक आए हैं उनके स्थान पर क्रमशः “समूह क”, “समूह ख”, “समूह ग” और “समूह घ” शब्द और अंक रखे जायेंगे;

(xviii) अनुसूची के स्थान पर निम्नलिखित अनुसूची अन्त में रखी जाएगी, अर्थात् :—

"अनुसूची

[नियम 5(3) देखिए]

पद	नियुक्ति प्राधिकारी
मुख्यालय में समूह 'ग' और 'ब' के पद और साथ ही समूह 'ग' के ऐसे पद जिनकी भर्ती अखिल भारतीय प्राधार पर की जाती है।	कार्मिक प्रबन्धक
समूह 'ग' पद उनसे भिन्न जो ऊपर सम्मिलित हैं और क्षेत्र में सभी समूह 'ब' पद।	क्षेत्रीय निदेशक"
[सं० 26-20/70-एम०जी०]	
ए० के० गार्ड, अधर सचिव	

## MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION

(Department of Food)

New Delhi, the 4th August, 1978

**S.O. 2355.**—In exercise of the powers conferred by section 42 of the Warehousing Corporations Act, 1962 (58 of 1962), the Central Warehousing Corporation, with the previous sanction of the Central Government, hereby makes the following regulations further to amend the Central Warehousing Corporation (Staff) Regulations, 1966, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These Regulations may be called the Central Warehousing Corporation (Staff) Amendment Regulations, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Central Warehousing Corporation (Staff) Regulations, 1966,—

(i) in regulation 2, for clause (n), the following clause shall be substituted, namely :—

"(n) 'regular employee' means an employee who has been declared to have completed the period of probation to the satisfaction of the appointing authority";

(ii) for regulation 3, the following regulation shall be substituted, namely :—

"3. Classification of posts :

The posts under the Corporation shall be classified as given below :—

Group-A.—Posts carrying a pay scale the minimum of which is Rs. 700 or more.

Group-B.—Posts carrying a pay scale the minimum of which is Rs. 55 or more but less than Rs. 700.

Group-C.—Posts carrying a pay scale the minimum of which is Rs. 260 or more but less than Rs. 550.

Group-D.—Posts carrying a pay scale the minimum of which is less than Rs. 260";

(iii) for regulation 4, the following regulation shall be substituted, namely :—

"4. Strength of Staff :

The Board of Directors shall, from time to time, determine the strength of staff under the various categories required for carrying out its functions.

Provided that the Managing Director may create any post in any group the maximum pay of which does not exceed Rs. 1600 per mensem, for a period not exceeding one year".

(iv) for regulation 5, the following regulation shall be substituted, namely :—

"5. Appointing Authority :

(1) Appointments to posts, having a maximum of pay scale of above Rs. 1800 per month, other than that of the Managing Director, shall be made by the Board of Directors.

(2) Appointments to posts in Group 'A' and 'B' having a maximum of pay scale upto Rs. 1800 per month shall be made by the Managing Director.

(3) Appointments to posts in Group 'C' and 'D' shall be made by the Officers specified in the Schedule.

(4) The appointing authority shall appoint a selection committee for drawing up a panel of names for the posts concerned for the consideration of the appointing authority";

(v) in regulation 6, after the words "Managing Director", wherever they occur, the words "or appointing authority" shall be inserted ;

(vi) for regulation 12, the following regulation shall be substituted, namely :—

"12. Scales of Pay :

(1) The power to fix or revise the scales of pay in the Corporation shall vest in the Board of Directors subject to the condition that, for employment of any person who has already attained the age of 58 years where the pay (including pension and pensionary equivalent or other retirement benefits) proposed to be fixed for such a person exceeds Rs. 2,500 per mensem or where the minimum of the pay scale proposed to be given to such a person is Rs. 2500 or more, prior approval of the Central Government shall be obtained.

Provided that the scales of pay and the pay of employees on deputation from the Central Government, State Government or an Institution shall be regulated in accordance with such terms and conditions of foreign service as may be decided by the lending Department.

(2) The scales of pay and pay of employees of the Corporation sent on deputation to the Central Government or State Government or an institution shall be such as may be determined by the Corporation.

Note.—No employee will be permitted to go on deputation during the period of probation and till he completes service of not less than three years in the Corporation";

(vii) in regulation 17,

(a) after Explanation II, the following shall be inserted as Explanation III, namely :—

"Explanation III :

Without prejudice to the generality of the term "misconduct," the following acts of omission and commission shall be treated as misconduct :—

(1) Theft, fraud or dishonesty in connection with the business or property of the Corporation/or of property of another person within the premises of the Corporation.

(2) Taking or giving bribes or any illegal gratification.

(3) Possession of pecuniary resources or property disproportionate to the known sources of income by the employee or on his behalf by another person, which the employee cannot satisfactorily account for.

- (4) Furnishing false information regarding name, age, father's name, qualification, ability or previous service or any other matter germane to the employment at the time of employment or during the course of employment.
- (5) Acting in a manner prejudicial to the interest of the Corporation.
- (6) Wilful insubordination or disobedience, whether or not in combination with others, of any lawful and reasonable order of his superior.
- (7) Absence without leave or over-staying the sanctioned leave for more than four consecutive days without sufficient grounds or proper or satisfactory explanation.
- (8) Habitual late or irregular attendance.
- (9) Neglect of work or negligence in the performance of duty including malingering or slowing down of work.
- (10) Damage to any property of the Corporation.
- (11) Interference or tampering with any safety devices installed in or about the premises of the Corporation.
- (12) Drunkenness or riotous or disorderly or indecent behaviour in the premises of the Corporation or outside such premises when such behaviour is related to or connected with the employment.
- (13) Gambling within the premises of the establishment.
- (14) Smoking within the premises of the establishment where it is prohibited.
- (15) Collection without the permission of the competent authority of any money within the premises of the Corporation except as sanctioned by any law of the land for the time being in force or rules of the Corporation.
- (16) Sleeping while on duty.
- (17) Commission of any act which amounts to a criminal offence involving moral turpitude.
- (18) Absence from the employee's appointed place of work without permission or sufficient cause.
- (19) Purchasing properties, machinery, stores etc. from or selling properties, machinery, stores, etc. to the Corporation without express permission in writing from the competent authority.
- (20) Commission of any act subversive of discipline or of good behaviour.
- (21) Abetment of or attempt at abetment of any act which amounts to mis-conduct.

Note.—The above instances of mis-conduct are illustrative in nature and not exhaustive”;

(b) for sub-regulation (2), the following sub-regulation shall be substituted, namely :—

“(2) The power to impose penalties shall be exercised by the authorities specified below (or any other authority higher than the authority specified) :—

(a) The power to impose all penalties shall be exercised by the appointing authority.

(b) The power to impose minor penalties as specified above shall also be exercised by the disciplinary authorities in relation to different group of employees as indicated below :—

Group of Employees	Disciplinary Authority
(1) Employees holding Group A posts.	General Manager
(2) Employees holding Group B posts.	Managing Director.

(3) Employees holding Group C and Group D posts at Head quarters. Personnel Manager

(4) Employees holding Group C and Group D posts in the Regions. Regional Directors

Provided that notwithstanding anything contained in these regulations, the disciplinary authorities specified above shall also be competent to institute disciplinary proceedings for imposition of major penalties specified in sub-regulation (1) and frame charges for that purpose against any employee in respect of whom they are empowered to impose minor penalties”.

(viii) in regulation 18,—

(a) The Explanation under sub-regulation (2) shall be omitted;

(b) in sub-regulation (6), the following note shall be inserted, namely :—

“Note.—An employee shall not take the assistance of any other employee of the Corporation who has two pending disciplinary cases at hand in which he has to give assistance.”;

(ix) in regulation 20, for sub-regulation (1), the following sub-regulation shall be substituted, namely :—

“(1) Where two or more employees are concerned in any case, the disciplinary authority may make an order directing that disciplinary action against all of them may be taken in a common proceeding”.

(x) in regulation 21, the last sentence shall be omitted.

(xi) in regulation 22,

(a) in sub-regulation (1), for the sentence beginning with “the appointing authority,” and ending with “an employee under suspension,” the following shall be substituted, namely :—

“The appointing authority or any authority to which it is subordinate or the disciplinary authority competent to initiate disciplinary proceedings, may place an employee under suspension”.

(b) in sub-regulation (5), after the words “appointing authority”, the words “or the disciplinary authority, as the case may be,” shall be inserted.

(xii) in regulation 23, for the figures “1957”, the figures “1965” shall be substituted;

(xiii) in sub-regulation (1) of regulation 25,

(a) for the proviso, the following proviso shall be substituted, namely :—

“Provided that where the period of suspension exceeds six months, the Managing Director/Disciplinary Authority or in the case of Managing Director himself, the appointing authority shall be competent to vary the amount of subsistence allowance and dearness allowance for any period subsequent to the period of the first 6 months as follows”;

(b) for the words “twelve months” wherever they occur, the words “six months” shall be substituted;

(xiv) for regulation 27, the following regulation shall be substituted, namely :—

“27. Appeals :

(1) Save in case of an order passed by the Board of Directors, every employee shall be entitled to appeal against any order imposing any penalty specified in Regulation 17.

(2) An appeal under sub-regulation (1) shall lie :—

- (a) when the order imposing the penalty is made by any officer subordinate to the Managing Director, to the Managing Director.
- (b) when the order imposing the penalty is made by the Managing Director, to the Board of Directors.
- (3) No appeal shall lie against any order made by the appellate authority under sub-regulation (2).";

(xv) after regulation 31, the following regulation shall be inserted, namely :—

**"31A-Review :**

Notwithstanding anything contained in these regulations, the Board of Directors may, at any time, either on its own motion or otherwise, review any order made by it under these regulations, and :—

- (a) confirm, modify or set aside the order or impose any penalty where no penalty has been imposed; or
- (b) pass such order as it may deem fit :

Provided that no order imposing or enhancing any penalty shall be made by the Board of Directors unless the employee has been given a reasonable opportunity of making a representation against the penalty proposed and where it is proposed to impose any of the penalties specified in clauses (iv) to (vii) of sub-regulation (1) of regulation 17 or to enhance the penalty imposed by the order sought to be reviewed to any of the penalties specified in those clauses, no such penalty shall be imposed except after an inquiry in the manner laid down in regulation 18 has been made and a reasonable opportunity to the employee to show cause against the penalty proposed on the evidence adduced during the inquiry has been given.";

(xvi) for regulation 35, the following regulation shall be substituted, namely :—

**"35-A. A female employee shall be eligible for the grant of maternity leave on full pay for a period of 90 days from the date of its commencement.";**

(xvii) Throughout the Regulations, for the word and figure "Class I", "Class II", "Class III" or "Class IV" wherever they occur, the word and letter "Group A" "Group B", "Group C" or "Group D" shall respectively be substituted ;

(xviii) for the Schedule, the following Schedule shall be substituted at the end, namely :—

**"SCHEDULE**

[Sec Regulation 5(3)]

Post	Appointing Authority
Group C&D at Headquarters as well as Group C posts to which recruitment is done on an all India basis.	Personnel Manager.
Group C posts other than those included above and all Group D posts in the Regions.	Regional Directors."

[F. No. 26-20/70-SG]

A. K. GARDE, Under Secy.

**रेल मंत्रालय**

(रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, 1 अगस्त, 1978

**क्र०आ० 2356.**—केंद्रीय सरकार, भारत सरकार के भारतीय रेल अधिनियम, 1890 (1890 का 9) की धारा 47 की उपधारा (1) के खंड (च) और (छ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, रेल (भाण्डागारण और स्थान-शुल्क) नियम, 1958 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम प्रकाशित है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम रेल (भाण्डागारण और स्थान-शुल्क) संशोधन नियम, 1978 है ।

(2) ये 1 सितम्बर, 1978 को प्रवृत्त होंगे ।

2. रेल (भाण्डागारण और स्थान-शुल्क) नियम, 1958 के नियम 18 के खंड (ख) में विद्यमान मद (i), (ii), (iii) (iv) और (v) के स्थान पर निम्नलिखित मदें रखी जाएंगी, अर्थात् :—

(i) जहां आधिक्य 7 प्रतिशत से अधिक नहीं है,

8.00 रु० प्रति बैगन,

(ii) जहां आधिक्य 7 प्रतिशत से अधिक है, किन्तु 10 प्रतिशत से अधिक नहीं है,

16.00 रु० प्रति बैगन,

(iii) जहां आधिक्य 10 प्रतिशत से अधिक है किन्तु 15 प्रतिशत से अधिक नहीं है,

38.00 रु० प्रति बैगन,

(iv) जहां आधिक्य 15 प्रतिशत से अधिक है किन्तु 20 प्रतिशत से अधिक नहीं है,

52.00 रु० प्रति बैगन और

(v) जहां आधिक्य 20 प्रतिशत से अधिक है,

104.00 रु० प्रति बैगन

[नं० टी सी आई/201/74/14]

पी० एन० मोहिले, सचिव एवं पदेन संयुक्त सचिव

**MINISTRY OF RAILWAYS**

(Railway Board)

New Delhi, the 1st August, 1978

**S.O. 2356.**—In exercise of the powers conferred by clauses (f) and (g) of sub-section (1) of section 47 of the Indian Railways Act, 1890 (9 of 1890), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Railways (Warehousing and wharfage) Rules, 1958, namely :—

1. (1) These rules may be called the Railway (Warehousing and Wharfage) Amendment Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the 1st September, 1978.

2. In the Railways (Warehousing and Wharfage) Rules, 1958, in clause (b) of rule 18, for the existing items (i), (ii), (iii), (iv) and (v), the following items shall be substituted, namely :—

(i) where the excess is not more than 7 per cent, Rs. 8.00 per wagon,

(ii) where the excess is more than 7 per cent but not more than 10 per cent Rs. 16.00 per wagon,

(iii) where the excess is more than 10 per cent but not more than 15 per cent, Rs. 38.00 per wagon,



- (iv) where the excess is more than 15 per cent but not more than 20 per cent. Rs. 52.00 per wagon. and  
(v) where the excess is more than 15 per cent but not Rs. 104.00 per wagon.

[No. TCI/201/74/14]

P. N. MOHILE, Secy. and Ex-Officio Jt. Secy.

**पूर्ति और पुनर्वास मंत्रालय**

(पुनर्वास विभाग)

नई दिल्ली, 25 जुलाई, 1978

का०आ० 2357.—विस्थापित व्यक्ति (प्रतिकर तथा पुनर्वास) अधिनियम, 1954 की धारा 34 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा भारत सरकार, पूर्ति और पुनर्वास मंत्रालय (पुनर्वास विभाग) की दिनांक 20 फरवरी 1978 की अधिसूचना सं० 1(11)/विशेष सैल/77-एस०एम० II का अधिक्रमण करते हुए मैं, कौशल कुमार मुख्य बन्दोबस्त आयुक्त, इसके द्वारा महाराष्ट्र सरकार के राजस्व तथा वन विभाग की अधिसूचना सं० एच०एम० 1077/202451(ए)/धार 9 दिनांक 7-7-1978 तथा अधिसूचना सं० एच०एम० 1077/202451 (डी०)/धार 9, दिनांक 7-7-1978 द्वारा नियुक्त श्री एम०जी० ठाकरे, चयन ग्रेड के उप-क्लेक्टर, बंदोबस्त आयुक्त व अभिरक्षक निष्क्रान्त सम्पत्ति, महाराष्ट्र राज्य बम्बई को, उक्त अधिनियम की धारा 23-24 तथा 28 के अधीन अपनी शक्तियाँ सौंपता हूँ किन्तु इसमें शर्त यह होगी कि महाराष्ट्र सरकार के उक्त बंदोबस्त आयुक्त सुभाषराज पुल की सम्पत्तियों के संबंध में इस प्रकार की शक्तियों का प्रयोग उन संपत्तियों के लिए नहीं करें जो महाराष्ट्र राज्य में स्थित नहीं होंगी।

[सं० 1(11)/विशेष सैल/77-एस०एम०-II]

कौशल कुमार, मुख्य बन्दोबस्त आयुक्त

**MINISTRY OF SUPPLY & REHABILITATION**

(Department of Rehabilitation)

New Delhi, the 25th July, 1978

S.O. 2357.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 34 of the Displaced Persons (Compensation and Rehabilitation) Act, 1954, and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Supply and Rehabilitation (Department of Rehabilitation), New Delhi No. 1(11)/Spl. Cell/77-SS. II, dated 20th February, 1978, I, Kaushal Kumar, Chief Settlement Commissioner, hereby delegate to Shri S. G. Thakre, Selection Grade Deputy Collector, Settlement Commissioner-Cum-Custodian evacuee properties, Maharashtra State, Bombay, appointed by the Government of Maharashtra under Revenue and Forests) Department Notification No. HS-1077/202451(a)/R. 9 dated 7-7-1978 and HS-1077/202451(b)/R-9 dated 7-7-1978, the powers conferred on me by or under Sections 23, 24 and 28 of the said Act, subject to the condition that the said Settlement Commissioner for the State of Maharashtra shall not exercise any such powers in relation to the compensation pool properties not situated in Maharashtra State.

[No. 1(11)/Spl. Cell/77-SS. II]

KAUSHAL KUMAR, Chief Settlement Commissioner.

**श्रम मंत्रालय**

आदेश

नई दिल्ली, तारीख 17 जून, 1978

का० आ० 2358.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विधियों के बारे में भारतीय खाद्य निगम के प्रबन्ध 488 GI/78—5

तंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है ;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7क और धारा 10 के उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पाठ्यादेश अधिकांश श्री आर० नी० इसरानी होंगे, जिसका मुख्यालय अहमदाबाद में होगा और उक्त विवाद को उक्त अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना है।

अनुसूची

क्या भारतीय खाद्य निगम के प्रबन्धनत्व की औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 25-च के उपबन्धों का अनुसरण न करते हुए श्री एम० आर० राज्यागुरु, टाइपिस्ट की सेवाओं का 1-11-75 से समाप्त करने को कार्यवाही न्यायोचित है। यदि नहीं, तो उक्त कर्मकार किस अनुबोध का हकदार है ?

[फा० सं० एल-42012/67/77-डी2बी]

**MINISTRY OF LABOUR**

ORDER

New Delhi, the 17th June, 1978

S.O. 2358.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of the Food Corporation of India and their workman in respect of the matters specified the Schedule hereto annexed ;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 7A and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri R. C. Israni shall be the Presiding Officer with headquarters at Ahmedabad and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

**SCHEDULE**

Whether the action of the management of the Food Corporation of India in terminating with effect from the 14th November, 1975 the services of Shri S. R. Rajyaguru, Typist, without following the provisions of section 25-F of the Industrial Disputes Act, 1947, is justified? If not, to what relief is the said workman entitled.

[No. L-42012(67)/77-DII(B)]

New Delhi, the 1st August, 1978

S.O. 2359.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi, in the Industrial dispute between the employers in relation to the management of the Industrial Finance Corporation of India and their workman, which was received by the Central Government on the 28th July, 1978.

BEFORE SHRI MAHESH CHANDRA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, NEW DELHI

I.D. No. 186 of 1977

In re:

Shri Satish Kumar Jain, Block No. 9,  
House No.44, Chowk Hira Halwai, Tilak Raj Jain  
Street,  
Ludhiana-141008

...Petitioner

## Versus

The General Manager,

Industrial Finance Corporation of India,

P. B. No. 363, Bank of Baroda Building,

New Delhi-110001.

PRESENT :

Shri Jitendra Sharma for the workman

Shri I. N. Shroff for the Management,

## AWARD

The Central Govt. as appropriate Govt. vide its order No. L-42012(8)/77-DII(B) dated the 9th August, 1977 referred an Industrial Dispute u/s 10 of the I.D. Act, 1947 in the following terms of this Tribunal.

"Whether the action of the management of the Industrial Finance Corporation of India in terminating the services of Shri Satish Kumar Jain, Stenographer, w.e.f. the 15th November, 1976 is justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

2. On receipt of this reference it was ordered to be registered and notices were issued to the parties directing them to file their pleadings. In consequence a statement of claim was filed by the workman to which a written statement was filed by the Management and finally a replication was also filed by the workman.

3. The contention of the workman is he was appointed as a Stenographer Grade II by the Industrial Finance Corporation of India vide their letter No. CO.ADM/73-18 dated the 5th May, 1973 and his services were terminated in November, 1976 even though he had performed his duties sincerely, honestly and devotedly and that the termination of his services was illegal, void, un-enforceable and liable to be set aside and as such the same be set aside and he be reinstated with full back wages in accordance with law.

4. The application is contested by the respondent—Corporation. The Corporation has admitted the employment of the workman w.e.f. 5th May, 1976 and the termination of his services on 15th November, 1976. It has been further contended by the Corporation that when the workman took up the question of termination of his services with the Asstt. Labour Commissioner (Central) Chandigarh, the Supreme Court pronounced a Judgment reported as 1976(3) SCR—160, State Bank of India Vs. N. Sundermani and the Corporation finding that the termination order had not complied with the provisions of Section 25-F read with Sec. 25-B(2) of the I.D. Act, the Corporation offered the notice pay with retrenchment compensation and wages upto date i.e. the 27th January, 1977 total amounting to Rs. 2,535 before the Asstt. Labour Commissioner (Central). Chandigarh duly supported by an application seeking permission to terminate the services but the said permission was not granted and the workman had also refused to take the money and therefore the termination was valid.

5. In replication it is contended by the workman that the termination was in violation of section 25-F and as such invalid and void and the offer of payment of Rs. 2,535 before the Asstt. Labour Commissioner (Central), Chandigarh could not validate the said termination.

6. After the parties appeared before me Shri I. N. Shroff, counsel for the Corporation came forward with a statement on the 1st of November, 1977 which read as under :

"It is submitted by Shri Shroff for the IFC that he is prepared to pay to the workman Rs. 2,535 by way of payment in lieu of notice, retrenchment compensation at the rate of 1½ months wages for each year of service rendered by the workman together with salary for 16-11-76 to 8-2-77 which in fact was offered to the workman before the Asstt. Labour Commissioner (Central), Chandigarh on 8-2-77. An application was moved before the ALC(C) that IFC may

be permitted to serve upon the workman notice terminating his services from and after 8-2-77 which was not allowed by ALC(C). I reiterate my request before this Tribunal."

In reply to this statement Shri S. K. Jain, the workman made the following statement :

"I am first entitled to be reinstated as my services were illegally terminated and so I am not prepared to accept the money sought to be tendered by the Management."

7. In the meanwhile an application for interim relief was filed by the workman before this Tribunal and he was directed to file an affidavit in support thereof which affidavit was filed. The said application for interim relief was fixed for arguments. On 8th May, 1978 Shri I. N. Shroff, counsel for IFC and Shri Jitendra Sharma, counsel for the workman was recorded which reads as under :

"It is admitted that the workman's case was attracting Section 25-F at the time his services were terminated. It is admitted that Sec. 25-F was not complied with at the time of termination. It is also admitted that the notice pay and retrenchment compensation was tendered by the IFC before the ALC(C) and before this Tribunal but was not accepted by the workman. The parties do not propose to land any oral evidence. The documents on the file may be read without formal proof. Documents at item no. 4, 7 and 15 of workman may not be read into evidence at this stage."

Thereupon arguments were heard on 8th May, 1978 but at that stage Shri I. N. Shroff, counsel for the IPC again reiterated his offer to pay notice pay, retrenchment compensation and arrears of pay and therefore his statement was recorded which reads as under :

"I hereby tender Rs. 2,535 on account of arrears of wages, notice pay and retrenchment compensation for being paid to Shri S. K. Jain, the workman in the matter and the services of Shri S. K. Jain may be deemed as terminated."

The workman and his counsel refused to accept the offer and rather come forward with the following statement :

"In so far as the termination on 15-11-76 was invalid, the workman should in the first instance be reinstated and a fresh termination order if the Corporation so wishes be passed and therefore I am not prepared to accept the tender. The whole case may be permitted to be argued as the facts are admitted and documents may be read into evidence. I am ready to accept it only as a interim relief."

8. It is in these circumstances that arguments were heard on the whole case I have heard the learned counsel for the parties at length and have gone through the file. After giving my considered thought to the matter before me I have come to the following findings :

9. It is conceded on behalf of the management that the workman was appointed as Stenographer on 5th May, 1973. It is also admitted by the Management that his services were terminated on 15th November, 1976. It is likewise not denied by the Management that no notice was served in accordance with law before terminating the services of the workman upon the workman. It is similarly not disputed that no notice pay in lieu of notice or retrenchment compensation in accordance with the provisions of Section 25-F was offered or paid to the workman at the time his services were terminated on 15th November, 1976. Thus considering these facts in accordance with the principle of law enunciated by the Hon'ble Supreme Court in State Bank of India Vs. Sunder Mani-1976(3) SCR-160 the termination of services of the workman being in violation of Section 25-F of the I.D. Act would be invalid, void and ineffective. This has in fact been conceded by the learned counsel for the Corporation vide his statement dated the 8th May, 1978. The only point which has been urged by Shri Shroff before me is that in as much as the Corporation had offered to pay Rs. 2,535 to the workman on account of notice pay, retrenchment compensation and arrears of wages before

the Asstt. Labour Commissioner (Central), Chandigarh during conciliation proceedings the provisions of Section 25-F should be deemed to have been complied with. It is further contended by him that in any case the same offer was repeated before this Tribunal on the 1st November, 1977 and then on the 8th May, 1978, therefore also the provisions of Section 25-F should be deemed to have been complied with and hence the termination should be held as valid. However, he has not been able to draw my attention to any provisions in the Industrial Dispute Act which enable me to draw such a conclusion. Section 25-F lays down certain pre-conditions for termination by way of retrenchment of services of a workman and if those conditions have not been satisfied the courts would declare the termination order as invalid and void and no amount or readiness and offer to pay the notice pay and retrenchment compensation after the order of termination be it before the ALC(C) during conciliation proceedings or before the Industrial Tribunal after a reference has been made of the Industrial Dispute can be of any avail to validate the termination of services. From the perusal of the copy of the minutes of proceedings before the ALC(C) Shri T. C. Garg on 8-2-77 I find that the application of the Management before the ALC(C), Chandigarh was u/s 33(1)(a) of the I.D. Act, 1947 and it was therefore properly rejected by the ALC(C), Chandigarh. The observations of ALC(C), Chandigarh in the last para of the said application which is at page 176 of the file deserve to be re-produced and they read 'the application u/s 33(1)(a) is not admissible as the termination of the employee had taken place on 15-11-76 and thereafter no reinstatement orders have been issued to the employee concerned besides there are no other conciliation proceedings pending before the Conciliation Officer, Arbitrator, Labour Court or National Tribunal over any other matter of dispute except the one in question. Hence there is no question of entertaining his application now. The conciliation proceedings in the dispute raised by the employee u/s 2(a) would therefore proceed the offer of the Management to pay him wages upto date, notice pay and retrenchment compensation are being considered in the dispute as part of conciliation proceedings. This order bears the signatures of Shri M. L. Kapur and G. D. Narang as representing the employer and Shri S. K. Jain, the workman and Shri T. C. Garg as the Asstt. Labour Commissioner (Central). The ALC(C), Chandigarh has perused the application and the offer of the Management in correct perspective and therefore I am of the view that certainly the offer before the ALC(C) cannot be of any avail to the Management so far as the termination of service of the workman vide order dated 15-11-76 w.e.f. even date is concerned.

10. Likewise the provisions of Section 25-F cannot be held to have been duly complied with by an offer of payment before this Tribunal, be it on the 1st November, 1977 or 8th May, 1978. It cannot be said that the order of termination dated 15-11-76 did not exist in fact. It was because of the existence of this order that an Industrial Dispute was found to exist by the appropriate Govt. and a reference u/s 10 of the I.D. Act was made to this Tribunal. Until that order is formally set aside suo moto by the Management and the workman reinstated, it cannot be said that the order did not exist or was not operative. The only other way whereby the order dated 15-11-76 could be avoided is by an award of the Industrial Tribunal. Until any of these event occurs the workman would be treated under dismissal. Incidentally it may be mentioned here that the application dated 23-1-77 before the ALC(C), Chandigarh was seeking permission to terminate the services of the workman. It was not a fresh order of termination. Similarly the Management has not been able to produce on record any order by the competent authority of the Corporation revoking or withdrawing the termination order dated 15-11-76 of an order reinstating the workman in service or an order of termination of service subsequently to reinstatement. The Management also has not pleaded any such fresh order of termination. The application for permission to terminate the services of the workman would lie only if the order dated 15-11-76 had been revoked in the first instance and the workman had been reinstated. The payment offered whether before the ALC(C) or before this Tribunal cannot be deemed to be a compliance of Section 25-F on 15-11-76 at the time of termination of services of the workman or on 27-1-77 or 8-2-77 before the ALC(C).

11. In view of my discussions above, I held that certainly the termination of the services of the workman Shri S. K. Jain, Stenographer w.e.f. 15th November, 1976 is invalid, void, ineffective and unjustified and as such the workman is entitled

to reinstatement with full back wages to date. It is not contended by the Corporation that the workman has been gainfully employed since after the termination of his services and I have no reason to deprive the workman of his wages during the period the order of termination has remained in existence.

12. For my discussions and findings above, accordingly it is awarded that the action of the Management of Industrial Finance Corporation of India in terminating the services of Shri S. K. Jain, Stenographer w.e.f. 15th November, 1976 as not justified and as such it is set aside and revoked and it is further awarded that the workman is reinstated with full back wages to date together with costs of this petition which are assessed at Rs. 250.

(MAHESH CHANDRA)

Presiding Officer

Dated: the 8th June, 1978.

FURTHER AWARDED:

That requisite number of copies of this award may be sent to the appropriate Govt. for necessary action.

(MAHESH CHANDRA)

Presiding Officer

[F. No. L-42012(8)/77-D.II(B)]

आदेश

नई दिल्ली, 13 जुलाई, 1978

का० आ० 2360.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपायद्वय अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में सिंगरेनी कोलियरीज लिमिटेड गोदावरी खानी जिला करीमनगर, आंध्र प्रदेश के प्रबन्धनस्थ से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद का व्यावर्णयन के लिए निर्दिष्ट करता राष्ट्रीय समझौते है ;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7क और धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (ब) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एक औद्योगिक अधिकरण गठित करता है जिसके पीछेमान अधिकारी श्री सी० एल० नरसिम्हा राव, हांगे, जिनका मुख्यालय हैदराबाद में होगा और उक्त विवाद को उक्त अधिकरण को व्यावर्णयन के लिए निर्दिष्ट करती है ।

अनुसूची

क्या सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लि० के प्रबन्धनस्थ की गोदावरी खानी 7 ए इन्क्लाइन के अनुसूचित हावर खानियाँ, श्री मोहम्मद इस्माइल की, 13 सितम्बर, 1977 से सेवा से बर्खास्त करने का कार्रवाई व्यावर्णयन है, यदि नहीं, तो संबंधित कर्मकार किन अनुसूची का हकदार है ?

[का० सं० एन-21012(1)/78-डी० 3(बी)]

हरकम बहादुर, डेस्क अधिकारी

ORDER

New Delhi, the 13th July, 1978

S.O. 2360.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Singareni Collieries Limited, Godavari Khani, Karimnagar Distt. Andhra Pradesh and their

workman in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 7A and clause (d) of sub-section (1) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri C. L. Narasimha Rao shall be the Presiding Officer with headquarters at Hyderabad and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

#### SCHEDULE

Whether the action of the management of Singareni Collieries Company Limited in dismissing Shri Mohammad Ismail, Ex-Hauler Khalasi, Godavari Khani 7A Incline from service with effect from 13th September, 1977 is justified? If not, to what relief is the concerned workman entitled?

1F. No. L-21012(1)/78-D-IV(B)]

New Delhi, the 2nd August, 1978

**S.O. 2361.**—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Jhingurda Colliery of Central Coalfields Limited, and their workman which was received by the Central Government on 1st August, 1978.

**CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL—  
CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)**

**PRESENT :**

Shri S. N. Johri, B.Sc., J.L.M. PRESIDING OFFICER.

**Case No. CGIT/LC(R) (20)/1977**

**PARTIES :**

Employers in relation to the management of Jhingurda Colliery of Central Coalfields Limited and their workman, Shri Gouri Shankar Tiwari, Security Guard, Village Hatital Colony Railway Siding, Quarter No. 1738, P.O. Hatital Colony, Jabalpur (M.P.)

**APPEARANCES :**

For Applicant—Shri Gouri Shankar Tiwari, Workman concerned.

For Management—S/Shri P. S. Nair, S. K. Rao, Advocates and Shri A. A. Ansari, Personnel Officer.

**INDUSTRY :** Coal Mines **DISTRICT :** Sidhi (M.P.)

#### AWARD

This is a reference made by the Government of India in the Ministry of Labour vide its Order No. 1-22012(33)/76-D-III(B)/D-IV(B) dated 26th October, 1977, for the adjudication of the following dispute :

“Whether the action of the management of Jhingurda Colliery of Central Coalfields Limited in dismissing Shri Gouri Shankar Tiwari, Security Guard vide letter No. JRD/PO/Disc. Action/75/2026 dated 23-9-1976 is justified? If not, to what relief is the concerned workman entitled?”

2. After the pleadings were filed by the parties issues were framed and the case was fixed for evidence of parties and arguments on 30-3-1978, but before producing evidence the parties took several adjournments to negotiate for compro-

mise. Compromise talks failed as the workman concerned was not prepared to accept the proposal put forth by the management. Thereafter the case was fixed for evidence of the Enquiry Officer which was recorded on 24-6-1978, and a date was fixed for arguments on the request of the workman concerned. Ultimately on this date good sense prevailed between the parties and they have filed a settlement signed by both the parties. According to the settlement, which is annexed to this award as part of award, the management has paid Rs. 3,000 to Shri Gouri Shankar Tiwari, workman concerned, in lieu of full and final settlement of his case. The terms of the settlement appears to be fair and reasonable an award is given accordingly.

S. N. JOHRI, Presiding Officer

**BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL  
TRIBUNAL CUM LABOUR COURT, JABALPUR**

**Ref. Case No. CGIT/LC(R)(20)/77**

**PARTIES :**

Shri Gouri Shankar Tiwari

Versus

The Management of Jhingurda Colliery of Central Coalfields Ltd., P.O. Singurali Colliery, Distt.—Sidhi (M.P.).

The both parties after amicable compromise agreed that :—

1. It has been decided that management will pay Rs. 3,000 (Rupees three thousand only) to Shri Gouri Shankar Tiwari for full and final settlement.
2. Shri Gouri Shankar Tiwari will handover the vacant possession of quarter of C.C.L. Singrauli to Shri A. A. Ansari, Personnel Officer. After handing over the vacant possession of quarter (Key) the amount will be paid to him.
3. Shri Gouri Shankar Tiwari will not raise any dispute against the C.C.L. management in future in any way connected with this reference.

The settlement is final and signed before the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Jabalpur on 24th day of July, 1978.

Sd/-

A. A. ANSARI, Personnel Officer  
Jhingurda Colliery

Sd/-

GOURI SHANKAR TIWARI, Ex-Security Guard  
Jhingurda Colliery

Jabalpur  
Dated 24-7-1978.

Part of Award  
S. N. JOHRI, Presiding Officer

Witness :-

- (1) S. K. Rao
- (2) B. L. Nandwana
- (3) Shyamal

Shri S. D. Mukherjee  
(Counsel for Applicant)

[No. 1-22012/33/76-D III(B)/D. IV(B)]

**S.O. 2362.**—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947, the Central Government hereby publishes the following award of the Arbitrator in the industrial dispute between the management of Pathakhera Group of collieries of Western Coalfields Limited and their workmen which was received by the Central Government on the 31st July, 1978.

IN THE MATTER OF ARBITRATION IN THE INDUSTRIAL DISPUTE OVER THE PAYMENT OF RATE OF WAGES FOR WORK ON GENERAL REST DAY BETWEEN THE MANAGEMENT OF PATHEKHERA GROUP OF COLLIERIES OF WESTERN COALFIELDS LTD., AND THEIR WORKMEN REPRESENTED BY SAMYUKTA KHADAN MAZDOOR SANGH (AITUC), BETUL ZILLA RASHTRIYA KHADAN KARAMCHARI SANGH (INTUC) AND KOYALA KHADAN KARAMCHARI CONGRESS, PATHEKHERA

PRESENT :

Shri S. M. Dikhale, Chief Labour Commissioner (Central) and Arbitrator, New Delhi.

Representing employers :

Shri S. M. Singh, Deputy Personnel Manager, Western Coalfields Ltd.

Shri P. S. Nair, Advocate.

Representing workmen :

(a) Samyukta Khadan Mazdoor Sangh (AITUC)—Shri Krishna Modi (AITUC) Shri S. K. Sanyal (AITUC) Shri Jairam Suryawanshi.

(b) Betul Zilla Rashtriya Khadan Karamchari Sangh (INTUC)—Shri S. Rajput, Shri Chaitar Singh, Shri Baichan Ram and Shri S. Das Gupta (General Secretary) Indian National Mine Workers Federation.

(c) Koyala Khadan Karamchari Congress—Shri Yogender Nath Singh and Shri A. R. Farooque.

STATE : Madhya Pradesh.

INDUSTRY : Coal.

AWARD

No. Con. III/543(6)/77

Dated the 29th July, 1978

By an arbitration agreement dated 8-10-1977 between the above-mentioned parties read with order No. L-18013(1)-77-D. IV-B dated 11-11-77 of the Government of India, Ministry of Labour published in the Gazette of India, the following specific matter in dispute is referred to my arbitration under section 10-A of the Industrial Disputes Act, 1947 :—

“What should be the rate of wages payable for work on general rest day of the colliery to the workers including whose rest days are staggered and whose this day is deemed to be an authorised day of rest when called for work and from what date should it be applicable.”

The parties have also agreed that my award shall be binding on them.

2. The parties furnished their statements of claims. The management also filed its rejoinder to the statements of claims filed by the three unions. The rejoinders to the statements of claim filed by the management were also filed by Betul Zilla Rashtriya Khadan Karamchari Sangh and Samyukta Khadan Mazdoor Sangh. The parties also filed documents in support of their claims. The parties were heard by me on 4-1-78, 5-1-78, 28-1-78, 11-4-78, 8-5-78 and 17-6-78. During the course of these hearings S/Shri J. G. Kumaramangalam, former Chairman, Coalmines Authority of India and Kanti Mehta, President, Indian National Mine Workers Federation and R. S. Murthy, General Manager (Personnel), Central Coalfields Limited (formerly Additional Chief Personnel Officer of NCDC Limited) were also heard by me in the presence of the parties on certain points for clarification regarding award dated 9-2-75 given by S/Shri J. G. Kumaramangalam and Kanti Mehta as arbitrators and D.O. letter dated 12-8-70 issued by Shri R. S. Murthy. The parties have from time to time extended the period by which my award would be given and as per their last agreement dated 5-6-78 they have extended the period within which I should give the award, upto 31-7-78. The dispute pertains to be Pathekhera Group of Collieries of Western Coalfields Ltd.

3. The contentions of the unions in brief are as under :—

3.1 The Pathekhera Colliery formerly belonged to National Coal Development Corporation Limited and was producing coal from the year 1963-1964. The NCDC Limited became subsidiary of Coal Mines Authority of India and subsequently of Western Coal Fields Limited. The Pathekhera group of coalmines consists of 5 coalmines and one workshop and employs 5000 regular employees. Sunday had been the weekly day of rest from the beginning and thus workers called for work on Sunday were paid wages at twice the normal wages payable to them. About 200 workers were being employed on Sundays. The same was applicable if any worker was called upon to perform his duty on holidays. Legal base to this arrangement was given by circular issued on 12-8-70 by Shri R. S. Murthy, the then Additional Chief Personnel Officer of National Coal Development Corporation Limited, as per his D.O. No. PD/WD/Genl./70 dated 12-8-70 endorsed by Group Personnel Officer, Nagpur to Dy. S.O.C. Umner/Silewara/Pathekhera by Circular No. AGM/NGP/OT/Genl./6573-75 dated 17-4-71. This practice continued till November, 1975 when it was discontinued in the name of implementation of 12 point programme of the then Energy Minister of Government of India.

3.2 The standing orders certified for the coalmines of NCDC Limited also took note of the fact that workers in some units of NCDC Ltd., were paid at double the ordinary rate of wages for work on normal day of rest as per Standing Order No. 6(c) certified on 30-11-68 by the Chief Labour Commissioner.

3.3 The question of payment for work done on recognised rest day was also referred to the Joint Arbitration of Shri J. G. Kumaramangalam, the then Chairman of the Coal Mines Authority of India Limited and Shri Kanti Mehta, President Indian National Mine Workers Federation. By their award dated 9-2-75, the arbitrators held that the workers were entitled to payment at the rate of 1-1/2 times of their normal wages for work put in by them in weekly rest days. The arbitrators further held that where, however, the workers were already getting wages at a rate higher than one and half times for work on such days, this rate would continue. This award is applicable to Pathekhera group of collieries also and hence payment at double the rate continued in the Pathekhera group of collieries.

3.4 In the garb of implementation of 12 point programme of the then Energy Minister, the management effected change in the rest day of workers in collieries on various dates in November, 1975 by giving notice under section 9-A of the Industrial Disputes Act, 1947 proposing to stagger the weekly day of rest. These notices given in November, 1975 and December, 1975 in respect of the collieries and establishments in the Pathekhera group were insufficient since 21 days notice was not given before effecting the change. These changes were also illegal as they were made with a purpose to change the contents of the certified standing orders and also to avoid the effect of the Arbitrator's award cited above. The workers did not agree to work on Sunday without extra payment and stalemate continued. Finally on 17-1-76 an agreement was reached to get the matter resolved by arbitration. The management, however, utilised this opportunity by offering 6-1/2 days wages for 6 days work. This offer was rejected. As the management continued to make changes even after the agreement on 17-1-76 the workers formed a united front and resorted to hunger strike on 9-8-77. There was a stoppage of work in the collieries on 16-8-77 and subsequently an agreement was reached on 25-8-77 whereby the management agreed to restore payments at double the rate of wages with immediate effect and agreed to make a reference to an Arbitrator for a decision on the legality of the claim for the period from November, 1975 to 25-8-77. Thus the parties have entered into the Arbitration Agreement which has now come up. As the workers have been getting at double the ordinary rate of wages for work done on Sunday which is the weekly day of rest in all the collieries of NCDC Ltd., including Pathekhera Group of collieries right from the beginning, an award should be made accordingly.

4. The contentions in brief of the management are as under :—

4.1 The Pathekhera Group of Collieries came into existence sometime in or about the year 1963-64 and started functioning under the National Coal Development Corporation Ltd. Workers already working in the collieries somewhere else

were employed in these group of collieries and certain workers were recruited afresh. It is not correct to say that there was a fixed general rest day in the collieries in the sense in which such a term is understood and as is being contended by the workers. The question of payment of double wages would come into play when there is case of overtime working. As far as overtime work is concerned, Section 33 of the Mines Act makes a reference to the same and there is no question of overtime at double the rate of wages inasmuch as there is no working beyond prescribed hours provided by the Mines Act.

4.2 Since payment of wages at double the rate was not appreciated, in a Divisional Consultative Committee meeting held on 20-8-75 at Nagpur wherein the workers' representatives also attended, it was decided to discontinue overtime payment. This meeting was attended by Shri R. K. Malviya, President, M.P.C.W.I. (INTUC), Shri G. M. Khode, Secretary, M.P.R.K.K.S. (INTUC), Shri S. K. Sanyal, Vice-President (AITUC) and Shri P. K. Thakur, Secretary (AITUC) (M.F.) on behalf of the workers of Coalmines. At the said meeting Shri Sanyal observed that reduction in overtime should not be at cost of production. Similar meeting was also held by Sub Area Manager on 1-9-75 with the Betul Zilla Rashtriya Khadan Karamchari Sangh and Samyukta Khadan Mazdoor Sangh, wherein it was resolved that excepting emergent circumstances wherein safety of mine is involved or production loss is apprehended, no overtime should be allowed.

4.3 There was also a settlement on 13-12-76 before the Assistant Labour Commissioner, Chhindwara wherein the employer and the representatives of the workmen agreed among others, that such of the workmen who worked for six days in a week with a day of rest on some other day than Sunday, will be paid half day's extra normal wages for their Sunday work and the date of giving effect to this clause would be mutually decided between the parties. It was recorded in the said settlement among other items that in view of amicable settlement the strike notice No. Genl. Secretary/Pathekhara/TU/48 dated 15-11-76 was withdrawn. This settlement was signed by the management as well as by the Betul Zilla Rashtriya Khadan Karamchari Sangh (INTUC) which is also a party to the present Arbitration. This settlement which has been arrived at in the course of conciliation proceedings is binding on all the workmen of the Pathekhera Sub-Area. Thus what is being agitated in the present arbitration is already covered by settlement dated 13-12-76 and this settlement bars adjudication of the present arbitration as the settlement has not been terminated according to law.

4.4 There cannot be any question of fixing rate of wages in respect of general rest day if at all the workers are called upon to work on that day and who are provided with rest day on some otherday inasmuch as the working hours of the workers do not exceed the prescribed period of statutory limit and consequently the concept of fixing the wages for such rest day otherwise than the normal rate of wages would be violative of industrial legislation.

4.5 Regarding violation of provision of Section 9-A of the Industrial Disputes Act, alleged by the unions, the Supreme Court in the case of workmen of M/s. Sur Iron and Steel Co. Pvt. Ltd., and other (1971-1-LLJ-page 570) has held that a change of weekly off day from Sunday to Saturday on account of electricity cut effected by State Government did not amount to change in the service conditions. Section 9-A therefore, was held to be not attracted. The Govt. of India, Ministry of Labour in the Industrial Dispute between Samyukta Khadan Mazdoor Sangh and Sub Area Manager, WCL, Pathekhera over the alleged change in service conditions of workmen employed in Pathekhera Collieries have in their letter No. L-22011(5)-77-D.IVB dated 12-4-77 refused to make reference under section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 to an Industrial Tribunal for adjudication on the ground that the management did not appear to have violated the provisions of Section 9-A and that the representatives of Samyukta Khadan Mazdoor Sangh who had raised the dispute had earlier agreed to the change in August, 1975 and that recognised unions have also entered into conciliation settlement with the management of Western Coalfields Ltd., Pathekhera on 13-12-76 before the ALC(C), Chhindwara to the effect that such of the workmen who worked for six days in a week with a day of rest on some other day than Sunday will be paid half day's extra

normal wages for their Sunday work. In respect of similar dispute in the case of Silewara Collieries also where a notice under section 9-A of the I.D. Act proposing to stagger the rest day was issued and over which a dispute was raised by AITUC before ALC, Chhindwara which ended in failure, the Government of India refused to make a reference to an Industrial Tribunal for adjudication on the ground that the management appeared to have taken action of staggering the weekly day of rest of the workers in the interest of overall efficiency and economy of the establishment concerned and that the proposed change did not in any way appear to affect the working conditions of workmen concerned and the action of the management was thus prima-facie not unjustified or mala-fide.

4.6 However, with a view to agree to arbitration, inspite of the fact that settlement dated 13-12-76 is in operation, the management has signed the agreement under section 10-A of the I.D. Act, 1947 but the signing of this agreement should not be construed as an act indicating contrary intention with respect to the settlement dated 13-12-76 and the present reference in the form of arbitration agreement to the Arbitrator in the instant case was only for the purpose of maintaining industrial peace. The workers are, therefore, bound by settlement dated 13-12-76 arrived at before the Assistant Labour Commissioner(C), Chhindwara and were not entitled to any other payment other than normal rate of wages for working on Sunday.

Further contention on behalf of the unions are as under:—

5.1 It is incorrect to say that there was no fixed general rest day in the above group of collieries and that Sunday was not the general rest day. From the inception of the collieries at Pathekhera, Sunday alone has been fixed as the general and weekly day of rest and any worker who was called upon to work on this day of rest was required to be paid and was actually being paid at double the rate of wages including DA and VDA. The unions also maintain that the attempt of the management to seek shelter under Section 33 of the Mines Act stating that overtime is payable only when the statutory hours of work required to be performed by a worker are exceeded was misconceived, out of place and irrelevant. It was further contended that the management have totally suppressed the facts relating to this aspect and service conditions. The weekly day of rest does not contemplate only a physical rest after certain number of hours and days of work as attempted to be shown by the management. The wider canvass relating to the social, psychological aspects, health, hygiene and safety of the worker and living of the worker who as a member of the community is required to discharge certain social obligations and responsibilities have to be considered in relation to the grant of the weekly day of rest to the worker on the general day of rest enjoyed in the area. Regarding the Joint Consultative Committee meetings it was clarified on behalf of the workmen that at a joint meeting of the management and some of the unions in August, 1975, the deliberations and discussions of which were never circulated to the workmen, only a casual mention was made about the overtime and not regarding overtime payment, in regard to all the 90 collieries in the WCL.

5.2 As far as the contention relating to the settlement dated 13-12-76 between the management and one of the unions before the ALC, Chhindwara is concerned, it was stated that the said settlement has not been implemented by the management and the management having not implemented the same, cannot mouth its claim that the settlement in question is sacrosanct.

#### Conclusions

6. I have carefully considered the submission of the parties and the documents that have been produced before me. I have also had the opportunity of hearing S/Shri J. G. Kumarmangalam, former Chairman, Coalmines Authority of India and Shri Kanti Mehta, President, Indian National Mine Workers Federation, to understand the background and the import of the Award dated 9-2-75 given by them and also Shri R. S. Murthy, General Manager of Central Coalfields Ltd., about the d.o. letter dated 12-8-70 issued by him. After considering all the above, I have to state as under:—

7. On examining the specific matter in dispute, I find that answer is required for the following three points:—

- (i) What should be the rate of wages payable for work done on general rest day of the colliery to the worker.
- (ii) What should be the rate of wages payable for work done on general rest day of the colliery where the worker is required to work on the general rest day due to staggering of the rest day in the colliery. This implies that a worker gets a weekly rest day but due to staggering of the weekly rest day he is required to work on the general rest day observed in the colliery.
- (iii) What should be the date from which the rate of wages are payable for work on such general rest day mentioned in items (i) and (ii) above.

8. For answering the above three points what is relevant to find out is, as to whether there was a general rest day in the group of collieries and whether the said general rest day was Sunday. If so, what was the rate of wages paid to the workers for work on the said rest day irrespective of whether they have exceeded the statutory minimum hours of work as provided in the Mines Act and whether this general rest day was changed due to staggering of the rest day by the management in November/December, 1975.

9. The unions have based their claim for payment at double the rate of wages for work on Sunday/General rest day on the basis of past practice in the group of collieries. Apart from their claim for double the wages on the basis of past practice, they have not adduced any substantial grounds as to whether workers should be paid for work on general rest day at double the rates of wages if it was not a practice in the group of collieries to pay at double the rate of wages for Sunday/General rest day. Thus, to find out the past practice, the following are relevant :—

- (a) Certified Standing Orders applicable to the coalmines of NCDC Limited.

Award of S/Shri J. G. Kumaramangalam, the the Chairman, CMA Ltd., and NCDC and Shri Kanti Mehta, President, Indian National Mine Workers Federation dated 9-2-1975.

- (c) D.O. letter No. PD/WB/Genl/70 dated 12-8-70 of Shri R. S. Murthy, the then Additional Chief Personnel Officer, NCDC Ltd., Ranchi, addressed to Shri A. N. Sinha, Dy. Superintendent of Collieries, Silevara.

- (d) Settlement dated 13-12-76 arrived at before the ALC, Chhindwara in the industrial dispute between Western Coalfields Ltd., and workmen represented by Betul Zilla Rashtriya Khadan Karamchari Sangh.

- (e) Past records relating to payment made to the workers for work done on Sundays.

10. It is agreed by the parties that the certified standing orders of NCDC Ltd., are applicable to the Pathekhera group of Mines. Standing Orders 6(c) reads as under :—

"Overtime shall be worked and wages thereof paid in accordance with the provisions of the Mines Act, 1952 as amended by the Mines (Amendment) Act, 1959 and as may be prescribed from time to time. For work on weekly rest day, the workman shall be paid as laid down in any agreement or award or as per usage or custom, as the case may be."

11. It will be seen that wages for weekly rest day have to be paid as per agreement or award or usage or custom as the case may be that may be applicable in the coalmines of NCDC Ltd. It is agreed that there was neither any agreement nor any award in this regard when the Standing Orders were certified. Thus the issue involved is what is the usage or custom. The union state that the custom or usage as the case may be was to pay at double the rate of wages for work done on weekly rest day which is Sunday. The management produced abstracts of wage-sheet for the year 1970, 1971 and 1972 relating to wages paid to workers for Sunday work in the Pathekhera Area to show that for work done on Sunday only 'single' wages were paid and "double" wages were not paid. The management also gave opportunity to the unions concerned to inspect whatever records that were relevant to the issue in Arbitration, during office hours in the concerned

offices. They had also shown to the unions concerned the above records to show that only single rate was paid for work on Sunday. In spite of the opportunity given by the management, the unions could not lay their hands on any record to indicate payment at double the rates of wages for Sunday work. Thus usage or customs of payment of double the rates of wages for work on Sunday/weekly rest days could not be proved.

The dispute before S/Shri J. G. Kumaramangalam, Chairman, CMA Ltd., and NCDC Ltd. and Shri Kanti Mehta, President, Indian National Mine Workers Federation resulting in their award dated 9-2-75 was whether the demand of the workmen of the taken over collieries of CMA and other establishments in different States for payment of wages for work performed by them on their weekly days of rest at twice the normal rate of wages is justified and if not, should they be paid wages for work put in by them on such weekly rest days or compensated. After hearing both the sides, the Arbitrators awarded as under :—

- "(a) All regular workers who are called to work on the established weekly rest days, whether Sunday or other day of the week would be paid one and half times of their normal wages for work put in by them on such days.
- (b) Where, however, the workers are already getting their wages at a rate higher than one and half times for working on such days, this rate would continue.
- (c) This award would come into immediate effect."

12. Thus it would be seen that workers called upon to work on the established weekly rest days should be paid 1-1/2 times of their normal wages for work put in by them on such days. Where the workers were already getting wages at rates higher than 1-1/2 times for working on such days the higher rates would continue. Thus again the question as to what the workers were getting earlier to the Award, is a matter which can be decided on the basis of records. As stated earlier, records that were produced do not show that workers of Pathekhera Area were getting at double the rate of wages for work done on Sundays.

13. As already stated elsewhere, I had the opportunity of enquiring from S/Shri J. G. Kumaramangalam and Shri Kanti Mehta about the past practice in this group of collieries. They were not aware of what was the past practice in this group of collieries. They, however, stated that clause (b) of the award was given since the workers' side maintained that there were certain collieries where there was practice of compensating the workers by payment at double the rate of wages for work done on the weekly days of rest.

14. In the D.O. letter No. PR/WD/Genl/70 dated 12-8-70, Shri R. S. Murthy, the then Additional Chief Personnel Officer of NCDC Ltd., Ranchi while clarifying certain points to Shri A. N. Sinha, Dy. Suptd. of Collieries, Silevara has stated in para 4 thereof that for work on Sundays/weekly rest days the daily rated and piece-rated employees are entitled to twice their normal wages and that this meant they would have to be paid twice the amount of basic wages and twice the amounts of variable DA but underground allowance would be paid only at the single rate. As per this para, it is also found that for work on festival holidays three times the basic wages and three times the VDA will have to be paid. If, however, employees working on paid festival holidays have been given another day off in lieu then they will be entitled to twice the amount of basic wages and twice the amount of VDA. This para also invited attention to clause 10(a) of the certified standing orders. This D.O. letter of Shri Murthy was circulated to the Pathekhera Area management as well as to others. Shri Murthy was orally examined by me regarding this issue. He stated that in the 36 collieries then under the NCDC there were different practices, hence the standing orders certified in 1968 provided that payment for work on weekly day of rest would be on the basis of agreements/award/custom/usage, etc. He further stated that different collieries were following different practices. In some places there were payments at the rate of 1-1/2 times for work on weekly rest days. He also stated that it may be that in some coalmines payment might have been at double the rate for work on weekly rest day and that he could not remember as to the mines in which this practice was in vogue. He further stated that he did not know as to whether Sunday or Saturday was the weekly day of rest in Pathekhera. Shri Murthy stated



that the clarification given in para 4 of his d.o. letter was regarding underground allowance, etc. and that it was the presumption that the mines were working on all the days. He further stated that there was practice in some collieries for payment of seven days wages for six days work, in some cases 6-1/2 and in some other cases six day wages only for six days working. Shri Murthy stated that when a workman works on all the seven days of the week, he would get wages for work done on Sunday/weekly rest day as per the above d.o. letter.

Thus in the context of what Mr. Murthy has stated it cannot be said that his d.o. letter dated 12-8-70 clarified that wages at double the ordinary rate are payable for work on weekly rest day in cases where the statutory minimum hours of work prescribed in Mines Act have not been exceeded, especially viewed from the context of his statement that the clarification was regarding payment of underground allowance and did not have direct reference to the payment to be made on the day of rest. Shri Sanyal, appearing on behalf of Samyukta Khadan Mazdoor Sangh argued that even assuming but not admitting that there was no practice of granting double the rate of wages for work done on weekly rest days in Pathekhera collieries since it is admitted that some of the 36 collieries under the NCDC had the system of payment of wages at double the rates, for work done on weekly rest day, all the collieries under the then NCDC Ltd., and also the Western Coalfields Ltd., should pay wages for work done on such weekly rest day at double the ordinary rate of wages since the intention of the Industrial Employment (Standing Orders) Act is to have uniform service conditions in every establishment and in this case all the establishments under one management engaged in mining should have uniform service conditions. This argument of Shri Sanyal is untenable. While there should be uniform service conditions in the same establishment there are bound to be little changes here and there in service conditions in different establishments even though under the same management depending on the practices in the area.

15. The management have stressed that the settlement dated 13-12-76 entered into before the ALC, Chhindwara, which has obviously not been implemented by them, is only applicable to the workers of the Pathekhera Group of Collieries. Para 3 of the terms of settlement reads as under:—

“Demand No. 2 decided by the Bipartite Committee for Coal industry at Coal Bhavan, Calcutta on 19-10-76. It is hereby agreed by the parties that such of the workmen who worked for six days in a week with a day of rest on some other day than Sunday will be paid half day's extra normal wages for their Sunday work. Date of giving effect to this clause will be mutually decided between the parties.”

16. The dispute was then raised by the Betul Zilla Rashtriya Khadan Karamchhari Sangh over which this settlement has been arrived at before the ALC, Chhindwara. It is the contention of the management that the present arbitration is already covered by the above cited settlement which is in force and the present arbitration is barred because of the above settlement. They have also stated that the Govt. has refused reference to adjudication of a dispute raised by the workmen alleging violation of Section 9-A of the Industrial Disputes Act in the dispute relating to staggering of weekly days of rest. They have further stated that in view of the fact that the settlement is still binding on the parties, the management agreed for this arbitration only for the purpose of maintaining industrial peace. I have considered these arguments of the management. As far as agreeing for arbitration is concerned, it is a voluntary act on the part of the parties and it is not forced on them. Having agreed to arbitration, the management cannot say that they have agreed for arbitration for the purpose of maintaining industrial peace only. If they do not want arbitration in any matter, it is not open to them to agree for arbitration and then to say that they agreed for arbitration only for the purpose of maintaining industrial peace and not for the purpose of determination of the dispute referred to the Arbitrator. In any case such an attitude on the part of the Employer is patently unfair. Regarding their objection about the arbitration being barred on account of subsisting settlement, in case the existence of a settlement would come in the way of implementation of the award on adjudication by the Arbitrator, it is open to

either of the parties to give notice of termination of settlement before the award becomes enforceable. In any case I am not going in to the legality or otherwise of an award during the currency of a settlement in view of my decision given below.

17. After considering all the aspects of the dispute, I find that the records produced do not establish that there was practice of payment at double the rate of wages to the workers for work on Sunday-weekly rest day. The averments regarding the issue as to whether the notices given under section 9-A of the Industrial Disputes Act, 1947 are legal or not are not relevant since the dispute before me is not one relating to the legality or otherwise of the notice under section 9-A of the said Act, given by the Management regarding the staggering of rest days of workers. It is, however, clear that there was a fixed general day of rest in the Pathekhera group of collieries and this is clear from the fact of the management having given notice under section 9-A of the I.D. Act in November/December, 1975 declaring their intention to stagger the weekly days of rest. The Union's claim that this general weekly rest day was Sunday and there is no reason to disbelieve this contention. This is clear from the fact that Shri Murthy in his oral statement before me has stated in unequivocal terms that for six days work there was practice in some collieries to pay seven days wages, in some others to pay 6-1/2 days wages and in some others only six days wages. From the abstracts of wage sheets produced by the management for the years 1970, 1971 and 1972 I find that single wages were paid for work on Sundays and this goes to show that while the weekly rest day for a small section of the staff, especially, the essential/maintenance staff, was some other day than Sunday, the normal rest day for all the staff was Sunday. It further appears that this small section of the staff was being paid at only single rate of wages for working on Sundays. The unions have not been able to conclusively show that wages for work on Sundays were paid at double the ordinary rate of wages. The D.O. letter issued by Shri R. S. Murthy was in relation to clarifications pertaining to Silevara Collieries. Though the management might have circulated copies of the same to other collieries, in the face of statement of Shri Murthy that the clarification in para 4 of his d.o. letter pertained to grant of underground allowance, it cannot be fully established that payments at double the rate of wages is to be made for working on Sundays as per the above d.o. letter. In view of the above, the only relevant material for deciding the issue is the Arbitration Award dated 9-2-75 of S/Shri J. G. Kumaramangalam and Shri Kanti Mehra, according to which all regular workers who are called to work on the established weekly rest days whether Sunday or other day of the week, would be paid 1-1/2 times of their normal wages for work put in by them on such days. This has also been entered into in the form of a settlement before the ALC, Chhindwara between the management and the Betul Zilla Rashtriya Khadan Karamchhari Sangh as a conciliation settlement on 13-12-76.

18. In view of foregoing, I award as under:—

Prior to staggering of the weekly day of rest, Sunday was observed as the general rest day in the Pathekhera group of collieries. Hence the rate of wages payable for work on Sunday to the workers including those whose weekly rest day falls on some other day other than Sunday due to staggering of the rest day shall be 1-1/2 times the ordinary rate of wages. Ordinarily, the workers are entitled for the above rates of wages for working on Sundays with effect from 9-2-1975 as per the Award of S/Shri J. G. Kumaramangalam, former Chairman, Coalmines Authority of India and Kanti Mehta, President, Indian National Mine Workers Federation. However, since the management have willingly agreed to continue to pay at double the rate of wages for work on general rest day pending my Award, I feel the ends of justice will be met if the workers are paid at the rate of 1-1/2 times for work on general rest day with effect from 1-8-1978 and I order accordingly.

New Delhi, the 29th July, 1978.

S. M. DIKHALE, Chief Labour Commissioner (Central)

AND

Arbitrator

[No. L-18013(1)/77-D. IV(B)]

BHOPENDRA NATH, Desk Officer.



नई दिल्ली, 24 जुलाई, 1978

का० प्रा० 2363.—कोयला खान कल्याण निधि अधिनियम, 1947 (1947 का 32) की धारा 9 की उपधारा (1) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने श्री टी० सी० के० लोथा को 11 अगस्त 1978 के पूर्वाह्न से श्री एस० एन० सक्सेना, कल्याण आयुक्त कुश्मालय, थम संजालय के स्थान पर कोयला खान कल्याण आयुक्त नियुक्त किया है।

[सं० ए० 19011/1/78-एम 2]

पी० के० सेन, अवसर सचिव

New Delhi, the 24th July, 1978

S.O. 2363.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 9 of the Coal Mines Labour Welfare Fund Act, 1947 (32 of 1947), the Central Government has appointed with effect from 11th July, 1978 (fore-noon), Shri T. C. K. Lotha as the Coal Mines Welfare Commissioner vice Shri S. N. Saxena, Welfare Commissioner (Headquarters) in the Ministry of Labour.

[No. A-19011/1/78-MII]

P. K. SEN, Under Secy.

नई दिल्ली, 31 जुलाई, 1978

का० प्रा० 2364.—खान अधिनियम, 1952 (1952 का 35) की धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री अरविन्द कुमार को मुख्य खान निरीक्षक के अधीन खान निरीक्षक के रूप में नियुक्त करती है।

[ए० 12025/5/77-खान-1]

(कुमारो) मीना गुप्ता, अवसर सचिव

New Delhi, the 31st July, 1978

S.O. 2364.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5 of the Mines Act, 1952 (35 of 1952), the Central Government hereby appoints Shri Arvind Kumar as Inspector of Mines subordinate to the Chief Inspector of Mines.

[F. No. A. 12025/5/77-M. 1]

Kumari MEENA GUPTA, Under Secy.

New Delhi, the 3rd August, 1978

S.O. 2365.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Barora Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Nawagarh, District Dhanbad and their workmen, which was received by the Central Government on the 22nd July, 1978.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL  
CUM-LABOUR COURT NO. 1  
DHANBAD (BIHAR)

## PRESENT :

Shri S. N. Johri, B.Sc., LL.M. Presiding Officer.

Case No. Ref. 4 of 1977

## PARTIES :

Employers in relation to the management of Barora Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited.

Post Office Nawagarh, District Dhanbad and their workmen represented through the United Coal Workers Union, Near Mack and Company, Post Office and District Dhanbad (Bihar).

## APPEARANCES :

For Union.—Shri Lalit Burman.

For Management.—Shri B. Joshi, Advocate.

INDUSTRY : Coal Mines DISTRICT : Dhanbad (Bihar)

## AWARD

Dhanbad the 13th July, 1978

This is a reference made by Government of India in the Ministry of Labour vide its Order No. L-20012/177/76 DIIA Dated 29th January, 1977, for the adjudication of the following industrial dispute :

"Whether the action of the management of Baroda Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Nawagarh, District Dhanbad in dismissing Shri A. P. Choubey, Fan Khalasi, from service, vide their letter no. MBC/2239/1953/75, dated the 26th December, 1975, is justified ? If not, to what relief is the said workman entitled ?"

2. It is not disputed that Shri A. P. Choubey was a Fan Khalasi of Barora Colliery and was not keeping well with the management because allegedly the management was pressing him to perform the duties of Switch Board Attendant in addition to his statutory duties of Fan Khalasi, without extra remuneration while the workman was objecting to it. On 12-6-1975 a charge sheet was issued against the workman that he had assaulted Shri K.C. Paul, Electrical Supervisor at about 9.45 p.m on 10-6-1975 and stabbed him under the ribs. Shri G.N. Singh was appointed as Enquiry Officer. In the reply to the charge Shri A.P. Choubey took the plea of alibi saying that he had gone on leave on 9th June, 1975 because he had received the information that his wife was ill at his home village and was thus far away from the alleged scene of incident. He continued on leave till 11th June, 1975 and reported back on duty on 12th June when the charge sheet was handed over to him. After examining several witnesses on either side the Enquiry Officer who had held a joint enquiry Shri A.P. Choubey and his brother as the allegation was that both of them had assaulted Shri Paul, came to a finding that the case was not established against Shri R.B. Choubey, the brother of Shri A.P. Choubey, but the charge of assault was fully established against Shri A.P. Choubey. This report of the Enquiry Officer was accepted by the Manager of Barora Colliery and he passed the said impugned order of dismissal on 26th December, 1975 against Shri A.P. Choubey only. Both sides conceded that there was no irregularity in the procedure that was followed by the Enquiry Officer and full opportunity to defend was given to the delinquent employee.

3. The case of the management is that Shri A.P. Choubey, Fan Khalasi, became annoyed with Shri K.C. Paul, Electrical Supervisor. He had threatened him to see some day. On 10th June 1975 when after correcting the Switch Board and attending other work for which he was called to the Colliery from his house because of electrical failure, Shri Paul was returning back to his house. Shri A.P. Choubey assaulted him by a Lathi. Somehow he managed to snatch away the Lathi from Shri A. P. Choubey but then the delinquent took out a dagger and thrusted it into his ribs. Shri Paul was bleeding profusely. Shri Ram Nagina Chowdhury, a Fan Khalasi, who was accompanying Shri Paul at that time and was having a pharsa with him tried to first intervene but on receiving some injuries he fled away crying that Shri Choubey was assaulting Shri Paul. Shri Paul was taken to the Manager and was sent to the hospital and a report was lodged.

4. The Enquiry Officer has scrutinised the statements of the witnesses examined on both sides and discarded the plea of alibi. Oral evidence saying that a person had come to inform Shri A.P. Choubey about his wife's illness and he had gone to his village, purchased the medicines and saw the picture in

a Cinema Hall, can always be produced and generally such oral evidence of alibi is not believed even by the Criminal courts.

5. There was a scuffle between Shri Paul and the assailant because Shri Paul put up a fight and was ultimately successful in snatching away the Lathi from the hands of the assailant. He had thus a very close opportunity to lock and identify as to who was the assailant. Similarly Shri Ram Nagina Chowdhury, who tried to intervene and in that process received some blows had also an occasion to see the assailant closely. It was he who cried running that Shri A.P. Choubey was assaulting Shri Paul. He was not interested in naming a different person other than the real assailant and raising a false cry. Similarly Shri Paul also gave out the name of the assailant as Shri A.P. Choubey from the very beginning. There is corroborative evidence of persons to whom the assailant's name was disclosed immediately after the occurrence. Injuries were seen by the Manager himself and there is nothing in cross-examination or otherwise to show that these witnesses were not telling the truth. I am, therefore, of the view that the marshalling of the evidence has been properly done by the Enquiry Officer.

6. It was said that another person was seen standing at a distance. It was night time and the injured thought that he must be the brother of Shri A.P. Choubey who according to his notion could not alone dare to assault him when he was accompanied by Shri Ram Nagina. Thus the case against Shri R.B. Choubey was based on suspicion and as there was no cogent evidence. The Enquiry Officer rightly exonerated Shri R. B. Choubey of the charge. There is thus no perversity in the findings of the Enquiry Officer nor he appears to be biased.

7. Lastly by giving a supplementary statement it was pleaded that Shri A.P. Choubey was prosecuted by the police for the same incident under Sec. 324/34 I. P. C. along with his brother but was acquitted by Shri K.K. Sahay, Judicial Magistrate 1st Class Bogmara at Dhanbad in Criminal Case No. 1475/75 by his judgment dated 5th October, 1977. It is argued that since the criminal court had subsequently acquitted the delinquent therefore the order passed should be revised and he should be reinstated. Firstly where the dismissal is not based on conviction by a Criminal Court but is based on an independent domestic enquiry the finding of the guilt by the Enquiry Officer does not stand vitiated simply because the man is subsequently acquitted by a Criminal Court. The law is settled on this point. Secondly the judgment of the Criminal Court goes to show that only two formal witnesses were examined by the prosecution in that case. Neither the injured nor the other eye witness was produced by the police before the Court. It was thus obvious that when the prosecution failed to produce the relevant and most important witnesses the result could not be different from the acquittal that was pronounced by the learned Magistrate. Such a judgement of acquittal can hardly assail the findings of the Enquiry Officer which were based on the testimony of the injured and the eye witness and others. It is, therefore, held that this sort of subsequent acquittal does not adversely affect the findings of the Enquiry Officer.

8. As for the quantum of punishment not a word has been said by the learned representative for the Union and if a charge of such a brutal and deadly assault by a sharp-edged weapon on a superior officer is proved the punishment cannot be anything lesser than the dismissed which was awarded by the punishing authority.

It is, therefore, held that the action of the management was justified. The reference is answered accordingly.

S. N. JOHRI, Presiding Officer.

13-7-1978.

[No. L-20012/177/76-DIII(A)]

**S.O. 2366.**—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Bokaro Colliery of Central Coalfields Limited, Post Office

Bermo, District Giridih and their workmen, which was received by the Central Government on the 22nd July, 1978.

# BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD

In the matter of a reference under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947

Reference No. 2 of 1977

## PARTIES :

Employers in relation to the management of Bokaro Colliery of Central Coalfields Limited, Post Office Bermo, District Giridih

AND

Their Workmen

## PRESENT :

Shri S. N. Johri, Presiding Officer.

## APPEARANCES :

For the Employers : Shri T. P. Choudhury, Advocate.

For the Workmen : Shri N. Nag, President, Akhil Bhartiya Shosit Mazdoor Sangh.

STATE : Bihar

INDUSTRY : Coal

Dhanbad, dated, the 12th July, 1978

## AWARD

This is a reference made by the Government of India in the Ministry of Labour vide its Order No. L-20012/220/76/DIIIA, dated the 31st December, 1976 for the adjudication of the following industrial dispute :

"Having regard to the claim of Shri Mahesh Ram, Token Distributor (Category I), employee of Bokaro Colliery of Central Coalfields Limited, Post Office Bermo, District Giridih that he worked as Time Keeper (Clerk Grade II) from 10th August, 1975 to 10th July, 1976, to what wages was he entitled during the said period ?"

2. It is not disputed that new Quarry No. V (open cast mine) was opened with initial strength of about 200 employees near the old Quarry No. II, which employed more than about 1000 persons, with a road, railway line and a workshop in between. No Time Keeper was employed in Quarry No. V. Three Time Keepers assisted by three Token Distributors were working in Quarry No. II in rotation in the three shifts. The Time Keepers of Quarry No. II have signed the attendance registers of Quarry No. V, Shri Mahesh Ram, Token Distributor at Quarry No. II, has himself made the entries in the attendance registers and has signed the same on each page at the place where Time Keeper should have signed it.

3. The case of the union is that Mahesh Ram was ordered and was factually discharging the duties of the Time Keeper in all the three shifts of Quarry No. V during the period under reference—the duties of higher responsibility post. He, a Mazdoor Category I, therefore, claims for the said period the wages of Clerk Grade II which are admissible to a Time Keeper.

4. The case of the management is that with the help of Mahesh Ram, Token Distributor, the Time Keeper of Quarry No. II looked after the attendance work in the three shifts by rotation in Quarry No. V, which did not need an independent Time Keeper as it was nearly opened and as the number of workers was a small one, Mahesh Ram was never appointed nor was he ever promoted as Time Keeper by any person competent to appoint. He mischievously signed the registers and managed to get anti-dated slips from his superior. Educationally as well as otherwise he neither holds the qualifications required for an Attendance Clerk nor is fit to be considered for that post. The management further raised some legal plea e.g. that the union was a paper union and had no representative capacity. As such the union had no locus standi to raise an industrial dispute. No dispute

was raised with the management. The dispute raised before the Asstt. Labour Commissioner of which notice was given to the management, was materially different to the dispute under reference because the dispute raised before the Asstt. Labour Commissioner related to the period commencing from the year 1972 only. None of these legal pleas have however been pressed in arguments.

5. The facts of the case are very simple. It is true that Mahesh Ram was a Token Distributor only. He was never appointed by any specific order in writing to work as a Time Keeper. But the irony of the fate is that he was made to discharge the duties of the Time Keeper because obviously no Time Keeper was appointed on Quarry No. V. Even the strength of 200 persons did call for the appointment of a Time Keeper under the Mines Rules. A register to attendance has to be maintained. The register was in fact prepared by Sri Mahesh Ram from day to day. All entries are admittedly in his handwriting. He was working in all the three shifts. This does not mean 24 hours working. After admitting the labourers into the quarry and marking their attendance he was quite free, thus he was engaged for hardly an hour or two in each shift.

6. The management wants this Tribunal to ignore its unfair labour practice of engaging a man in higher responsibility job without passing any order in writing, and yet paying him lesser wages on the basis of his substantive designation only. This situation was evident to all the officers in the mine and accordingly the mere addressing the slips to Sri Mahesh Ram. In many of these slips he has been designated as T.K. (Time Keeper). Thus even the officers who were addressing these slips took him to be working as Time Keeper. The management raised the plea that these slips were manipulated by Sri Mahesh Ram and were ante-dated in collusion with the officers concerned. No attempt has been made to prove this wild allegation. More than one officer has addressed these slips. They have their intrinsic evidentiary value. These slips do corroborate the fact as proved by the attendance register that Sri Mahesh Ram was in fact discharging the duties of attendance clerk to the knowledge of the manager and all other persons in the hierarchy because they had not thought it necessary to make any appointment of Time Keeper on Quarry No. V.

7. It can hardly be believed that the Time Keepers at Quarry No. II were also working as Time Keepers at Quarry No. V. At the same time the man cannot remain present at two places simultaneously. The distance between the two quarries was also about a furlong or half furlong inasmuch as a road and a railway line and a workshop were in between the two quarries. The workload in Quarry No. II was quite heavy for a Time Keeper. That was an old quarry having a large number of workers and till all those workers were admitted to the quarry after marking their attendance, which process must be taking more than an hour's time. The labourers in Quarry No. V could not wait for the attendance clerk to come from Quarry No. II and the management could not connive in delaying the commencement of daily work by about one hour or so. It is admitted that in fact they did never wait and were always admitted in time. That could be possible only when Mahesh Ram admitted them and made necessary entries as Time Keeper. Learned Advocate Sri Choudhury tried to explain this process by saying that Sri Mahesh Ram used to distribute the token and prepare list of their names in the Trolley Register on the basis of which the Time Keeper of Quarry No. II used to mark attendance after he was free from his job in Quarry No. II.

8. If all the entries in the register were in the hands of Sri Mahesh Ram, there was nothing left for the said Time Keepers to do nor they have been examined for proving as to what work was being done by them. Even if the argument of Sri T. P. Choudhury is taken for granted it is obvious that Sri Mahesh Ram was doing all this work all by himself. At the most the said time keeper might be coming to put his signature on the register. It was alleged by the union that the signature of the Time Keeper of Quarry No. II were obtained on the Attendance Register of Quarry No. V only subsequently with a view to jeopardise the claim of Sri Mahesh Ram. When it was alleged that these signatures of Time Keepers were not existing on the registers when Sri Mahesh Ram signed them, it was the duty of the manager to produce some evidence in rebuttal. It was necessary to examine the concerned Time Keepers for proving

that had signed the register from day to day and not subsequently and for proving that they used to mark attendance on the registers of Quarry No. V also. The management has neither alleged nor produced any order in writing which they might have passed directing the Time Keepers of Quarry No. II to be also incharge Time Keepers of Quarry No. V.

9. The workload in Quarry No. II was sufficient to engage them for the whole time because each time keeper was provided with a helper in the shape of token distributor. Obviously the need of a helper arose because of heavy pressure of work there. Such a person who is already over loaded with work could not be made incharge Time Keeper of other Quarry also.

10. Considering all these factors I am of the view that irrespective of any deficiency in his academic and other qualifications which are not relevant for the purpose of deciding this dispute, it is established that Sri Mahesh Ram had been asked and was discharging the duties of Time Keeper during the period under reference to the knowledge of all officers in the hierarchy. As he was doing the job of higher responsibility the management is found to reimburse him by giving him the pay of that post during that period.

11. The management is therefore directed to give the difference of wages between the salary of Category I Mazdoor and monthly wage of Clerk Grade II to Sri Mahesh Ram for the period under reference and pay Rs. 50 as costs of this litigation to the union. The award is given accordingly.

S. N. JOHRI, Presiding Officer.

[No. L 20012/220/76 -D-III(A)]

S.H.S. Iyer, Desk Officer.

नई दिल्ली, 4 अगस्त, 1978

का० प्रा० 2367.—केन्द्रीय सरकार, राजवाड़ा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उप-नियम (4) के अनुसरण में श्रम मंत्रालय के निम्नलिखित अधोनस्थ कार्यालयों को जिनके कर्मचारीवृत्त ने हिन्दी का कार्य साधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिसूचित करती है।

1. अन्नक खान श्रम कल्याण संगठन, भोलवाड़ा (राजस्थान)

2. अन्नक खान श्रम कल्याण संस्था करमा (बिहार)

[काइल सं० ई 11019/1/78 -एम०-3]

टी० सी० गुप्ता, प्रवर सचिव

New Delhi, the 4th August, 1978

S.O. 2367.—In pursuance of sub-rule (4) of rule 10 of the official Languages (Use for official purposes of the Union) Rules, 1976, the Central Government hereby notifies the following Subordinate offices under the Ministry of Labour, the staff whereof have acquired the working knowledge of Hindi.

1. Mica Mines Labour Welfare Organisation Bhilwara (Rajasthan).

2. Mica Mines Labour Welfare Organisation, Karma, P.O. Jhumritelaiya, Distt. Hazaribagh, (Bihar).

[File No. E-11019/1/78-M. III]

T. C. GUPTA, Under Secy.

नई दिल्ली, 27 जुलाई, 1978

का० प्रा० 2368.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसूर एयर लाइन लिमिटेड, फुलपेड़ो एरनाकुलम कोषान-11 ग्राम एरनाकुलम कन्यायानूर तालुक, जिला एरनाकुलम जितके अन्तर्गत इसकी (1) आर० सी० रोड, कालीफट (2) बी०के० रोड पाल घाट (3) थाईकाल विवेन्द्रम और (4) टी०बी० रोड, कोडायम स्थित शाखाएं भी हैं, नामक स्थापन से सम्बद्ध निवोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी अविविध निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 मई, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(109)/78-पी० एफ० II]

Dated New Delhi, the 27th July, 1978

**S.O. 2368.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Evershine Release Pullappady, Ernakulam-Cochin-11, including Village, Kanayanoor Taluk, Ernakulam District including its branches at (1) R. C. Road, Calicut, (2) V. K. Road, Palghat, (3) Thycad, Trivandrum and (4) T. B. Road, Kottayam, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of May, 1978.

[S. 35019(109)/78-PF.II]

नई दिल्ली, 1 अगस्त, 1978

का० प्रा० 2369.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स फोटो स्पीड कम्पनी इंडिया, 113-ई, ब्रिगेड रोड, बंगलूर-1, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारियों अधिष्ठा निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 मई, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(111)/78-पी० एफ० II]

New Delhi, the 1st August, 1978

**S.O. 2369.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Photo Speed Company India, 113-E, Brigade Road, Bangalore-1, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act, to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of May, 1978.

[S. 35019(111)/78-PF. II]

नई दिल्ली, 2 अगस्त, 1978

का० प्रा० 2370.—केन्द्रीय सरकार ने कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 4 के खण्ड (ग) के अनुसरण में डा० बी० शंकरन, महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं, भारत सरकार को डा० पी० पी० गोयल के स्थान पर कर्मचारी राज्य बीमा निगम के सदस्य के रूप में नामनिर्दिष्ट किया है ;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार कर्मचारी में राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 4 के अनुसरण में भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना का० प्रा० संख्या 1517 तारीख 14 अप्रैल, 1976 में निम्नलिखित और संशोधन करती है अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में (केन्द्रीय सरकार द्वारा धारा 4 के खण्ड (ग) के अधीन नामनिर्दिष्ट) शर्क के नीचे मद 6 के सामने की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

डा० बी० शंकरन,  
महानिदेशक,  
स्वास्थ्य सेवाएं,  
भारत सरकार,  
नई दिल्ली।

[सं० यू० 16012/11/78-एच० आई०]

New Delhi, the 2nd August, 1978

**S.O. 2370.**—Whereas the Central Government has, in pursuance of clause (c) of section 4 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) nominated Dr. B. Sankaran, Director General of Health Services, Government of India, as a member of the Employees' State Insurance Corporation, in place of Dr. P. P. Goel ;

Now, therefore, in pursuance of section 4 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby makes the following amendment in the not notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 1517, dated the 14th April, 1976, namely :—

In the said notification, under the heading " (Nominated by the Central Government under clause (c) of section 4)", for the entry against item 6 the following entry shall be substituted, namely :—

"Dr. B. SANKARAN,  
Director General of Health Services,  
Government of India ( New Delhi.

[No. U-16012/11/78-HI]

का० प्रा० 2371.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 87 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और भारत सरकार श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का० प्रा० 3100 तारीख 21 सितम्बर, 1977 के क्रम में कर्मचारी राज्य बीमा निगम से परामर्श करने के पश्चात् भारत इन्सुरेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड, गाजियाबाद को जो भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय के अधीन सरकारी श्रेष्ठ उपक्रम है, उक्त अधिनियम के प्रवर्तन से 1 जुलाई 1978 से 30 जून, 1979 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, को एक वर्ष की अवधि के लिए छूट देती है।

2. पूर्वोक्त छूट की शर्तें निम्नलिखित हैं, अर्थात् :—

(1) उक्त कारखाने का नियोजक, उस अवधि की बाबत जिसके दौरान उस कारखाने पर उक्त अधिनियम प्रवर्तमान था (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अवधि' कहा गया है), ऐसी विवरणियां, ऐसे प्ररूप में और ऐसी विशिष्टियों सहित देगा जो कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) अधिनियम, 1950 के अधीन उसे उक्त अवधि को बाबत देनी थी ;

(2) निगम द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 45 की उपधारा (1) के अधीन नियुक्त किया गया कोई निरीक्षक, या निगम का हम निमित्त प्राधिकृत कोई अन्य पदधारी—

(1) धारा 44 की उपधारा (1) के अधीन, उक्त अवधि की बाबत दी गई किसी विवरणों की विशिष्टियों को सत्यापित करने के प्रयोजनार्थ ; या

- (2) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 द्वारा यथा अपेक्षित रजिस्टर और अभिलेख का, उक्त अवधि के लिए रखे गए थे या नहीं; या
- (3) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी नियोजक द्वारा दिए गए उन फायरों को, जिसके प्रतिफलस्वरूप इस अधिसूचना के अधीन छूट दी जा रही है, नकद में और वस्तु रूप में पाने का हकदार बना हुआ है या नहीं; या
- (4) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि उस अवधि के दौरान, जब उक्त कारखाने के सम्बन्ध में अधिनियम के उपबन्ध प्रवृत्त थे, ऐसे किन्हीं उपबन्धों का अनुपालन किया गया था या नहीं;

निम्नलिखित कार्य करने के लिए सशक्त होगा—

- (क) प्रधान या अव्यवहित नियोजक से अपेक्षा करना कि वह उसे ऐसी जानकारी दे जिसे उपरोक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी आवश्यक समझता है; या
- (ख) ऐसे प्रधान या अव्यवहित नियोजक के अधिभोगाधीन किसी कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में किसी भी उचित समय पर प्रवेश करना और उसके प्रभारी से यह अपेक्षा करना कि वह व्यक्तियों के नियोजन और मजदूरी के सन्दाय से संबंधित ऐसे लेखा, बहियाँ और अन्य दस्तावेज, ऐसे निरीक्षक या अन्य पदधारी के समक्ष प्रस्तुत करें और उनकी परीक्षा करने दें, या उन्हें ऐसी जानकारी दें जिसे वह कर्मचारी आवश्यक समझते हैं; या
- (ग) प्रधान या अव्यवहित नियोजक की, उसके अधिकर्ता या सेवक की, या ऐसे किसी व्यक्ति की जो ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में पाया जाए, या ऐसे किसी व्यक्ति की जिसके बारे में उक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी के पास यह विश्वास करने का युक्तियुक्त कारण है कि वह कर्मचारी है, परीक्षा करना; या
- (घ) ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में रखे गए किसी रजिस्टर, लेखावही या अन्य दस्तावेज की नकल तैयार करना या उससे पद्धरण लेना।

#### व्याख्यात्मक ज्ञापन

इस मामले में पूर्वापेक्षी प्रभाव से छूट देनी आवश्यक हो गई है, क्योंकि छूट के लिए प्रार्थना पत्र पर कार्रवाई करने में समय लगा। तथापि, यह प्रमाणित किया जाता है कि कारखाना छूट का पात्र है। यह भी प्रमाणित किया जाता है कि पूर्वापेक्षी प्रभाव से छूट देने से किसी के हित पर प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[सं० एस० 3801 4/34/78 एच० आई०]

**S.O. 2371.**—In exercise of the powers conferred by section 87 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 3100, dated the 21st September, 1977, the Central Government, after consultation with the Employees' State Insurance Corporation, hereby exempts Bharat Electronics Limited, Ghaziabad, a Public Sector Undertaking under the Ministry of Defence from the operation of the said Act for a further period from the 1st July, 1978 upto and inclusive of the 30th June, 1979.

2. The above exemption is subject to the following conditions, namely :—

- (1) The employer of the said factory shall submit in respect of the period during which that factory was subject to

the operation of the said Act (hereinafter referred to as the said period), such returns in such form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulation, 1950.

(2) Any Inspector appointed by the Corporation under sub-section (1) of section 45 of the said Act, or other Official of the Corporation authorised in this behalf shall, for the purpose of —

- verifying the particulars contained in any return submitted under sub-section (1) of section 44 for the said period; or
- ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 for the said period; or
- ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in cash and kind being benefits in consideration of which exemption is being granted under this notification; or
- ascertaining whether any of the provisions of the Act has been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory;

be empowered to —

- require the principal or immediate employer to furnish to him such information as he may consider necessary; or
- enter any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and require any person found in charge thereof to produce to such Inspector or other official and allow him to examine such accounts, books and other documents relating to the employment of persons and payment of wages or to furnish to him such information as he may consider necessary; or
- examine the principal or immediate employer, his agent or servant, or any person found in such factory, establishment, office or other premises, or any person whom the said Inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employee; or
- make copies of or take extracts from, any register, account book or other document maintained in such factory, establishment, office or other premises.

#### EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case, as the processing of the application for exemption took time. However, it is certified that the factory is eligible for exemption. It is also certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

[No. S-38014/34/78-HI]

नई दिल्ली, 3 अगस्त, 1978.

का० भा० 2372.—केंद्रीय सरकार ने कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 8 के खण्ड (ख) के अनुसरण में डा० बी० शंकरन, महानिदेशक, स्वास्थ्य सेवाएं, भारत सरकार को डा० पी० पी० गोयल के स्थान पर कर्मचारी राज्य बीमा निगम की स्थायी समिति के सदस्य के रूप में नामनिर्दिष्ट किया है;

अतः, अब, केंद्रीय सरकार कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 8 के अनुसरण में भारत सरकार के अम संज्ञासूची की अधिसूचना का० भा० सं० 477 (ई०) तारीख 16 जुलाई, 1976 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में “(केन्द्रीय सरकार द्वारा धारा 8 के खण्ड (ख) के अधीन नामनिर्दिष्ट)” शीर्षक के नीचे मद 3 के सामने की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएगी, अर्थात् :

“डॉ० बी० संकरन”

महानिदेशक,

स्वास्थ्य सेवाएं,

भारत सरकार नई दिल्ली।”

[सं० यू० 16012/11/78-एच० आई०]

New Delhi, the 3rd August, 1978

**S.O. 2372.**—Whereas the Central Government has, in pursuance of clause (b) of section 8 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) nominated Dr. B. Sankaran, Director General of Health Services, Government of India, as a member of the Standing Committee of the Employees' State Insurance Corporation in place of Dr. P. P. Goel ;

Now, therefore, in pursuance of section 8 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 477 (E) dated the 16th July, 1976, namely :—

In the said notification under the heading “(Nominated by the Central Governments under clause (b) of section 8)” for the entry against item 3, the following entry shall be substituted, namely :—

“Dr. B. Sankaran,  
Director General of Health Services,  
Government of India, New Delhi.”

[No. U-16012/11/78-HI]

नई दिल्ली, 4 अगस्त, 1978

**का० प्रा० 2373.**—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 88 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना सं० का० प्रा० 3099 तारीख 20 सितम्बर, 1977 के अनुक्रम में फर्टिलाइजर एण्ड केमिकल्स ट्रावन्कोर लिमिटेड, उद्योगमंडल, फर्टिलाइजर एण्ड केमिकल्स ट्रावन्कोर लिमिटेड (कोचीन डिवीजन) अम्बलामेडु और हिन्दुस्तान इन्सेक्टिसाइड्स लिमिटेड, अलबेय में अभिनियोजित केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा दल कामियों को उक्त अधिनियम के प्रवर्तन से 14 अगस्त, 1978 से 13 अगस्त, 1979 तक, जिसमें यह दिन भी सम्मिलित है, एक वर्ष की और अवधि के लिए छूट देती है।

2. पूर्वोक्त छूट की शर्तें निम्नलिखित हैं, अर्थात् :—

- (1) पूर्वोक्त कारखाना, जिसमें कर्मचारी नियोजित है, एक रजिस्टर रखेगा, जिसमें छूट प्राप्त कर्मचारियों के नाम और पदाभिधान दिखाए जाएंगे;
- (2) इस छूट के होते हुए भी, कर्मचारी उक्त अधिनियम के अधीन ऐसी प्रसुविधाएं प्राप्त करते रहेंगे, जिनको पाने के लिए वे इस अधिसूचना द्वारा दी गई छूट के प्रवृत्त होने की तारीख से पूर्व संवत् अभिदायों के आधार पर हकदार हो जाते;
- (3) छूट प्राप्त अवधि के लिए यदि कोई अभिशय पहले ही किए जा चुके हों तो वे शेष नहीं किए जाएंगे;
- (4) उक्त कारखाने का नियोजक, उस अवधि की वास्तविकता के दौरान उस कारखाने पर उक्त अधिनियम प्रवर्तमान था (जिसे इसमें इसके पश्चात् ‘उक्त अवधि’ कहा गया है), ऐसी विवरणियाँ, ऐसे प्ररूप में और ऐसी विशिष्टियों सहित देगा जो कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के अधीन उसे उक्त अवधि की वास्तविकता देनी थी;
- (5) निगम द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 45 की उपधारा (1) के अधीन नियुक्त किया गया कोई निरीक्षक, या निगम का इस निमित्त प्राधिकृत कोई अन्य पदधारी :—

(i) धारा 44 की उपधारा (1) के अधीन, उक्त अवधि की वास्तविकता दे गई किसी विवरणों की विशिष्टियों को स्थापित करने के प्रयोजनार्थ; या

(ii) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950, द्वारा यथाप्रेक्षित रजिस्टर और अभिलेख उक्त अवधि के लिए रखे गए थे या नहीं; या

(iii) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी, नियोजक द्वारा दिए गए उन फायसों का, जिसके प्रतिफलस्वरूप इस अधिसूचना के अंतर्गत छूट दी जा रही है, नकद में और वस्तु रूप में पाने का हकदार बना हुआ है या नहीं; या

(iv) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि उस अवधि के दौरान जब उक्त कारखाने, के संबंध में अधिनियम के उपबन्ध प्रवृत्त थे, ऐसे किन्हीं उपबन्धों में से किसी का अनुपालन किया गया था या नहीं;

“निम्नलिखित कार्य करने के लिए भणकन होगा :—

(क) प्रधान या अव्यवहित नियोजक से अपेक्षा करना कि वह उस ऐसी जानकारी दे जिसे उपरोक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी आवश्यक समझता है; या

(ख) ऐसे प्रधान या अव्यवहित नियोजक के अभिलेखाधीन किसी कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में किसी भी उचित समय पर प्रवेश करना और उसके प्रभारी से अपेक्षा करना कि वह व्यक्तियों के निरोजन और सज्जरी के संवाय से संबंधित ऐसी लेखाबहियाँ और अन्य दस्तावेज, ऐसे निरीक्षक या अन्य पदधारी के समक्ष प्रस्तुत करें और उनकी परीक्षा करने दें, या उन्हें ऐसी जानकारी दे जिसे वे आवश्यक समझते हैं; या

(ग) प्रधान या अव्यवहित नियोजक की, उक्त अवधि की या सेवा की, या ऐसे किसी व्यक्ति को जो ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में पाया जाए या ऐसे किसी व्यक्ति की जिसके बारे में उक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी के पास यह विश्वास करने का युक्तियुक्त कारण है कि वह कर्मचारी है, परीक्षा करना; या

(घ) ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में रखे गए किसी रजिस्टर, लेखाबही या अन्य दस्तावेज की तत्काल तैयार करना या उससे उद्धरण लेना।

[सं० एच० 38014/38/78-एच० आई०]

New Delhi, the 4th August, 1978

**S.O. 2373.**—In exercise of the powers conferred by section 88 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 3099 dated the 20th September, 1977, the Central Government hereby exempts the Central Industrial Security Force Personnel deployed at Fertilizer and Chemicals Travancore Limited Udyogamandal, Fertilizer and Chemicals Travancore Limited (Cochin Division) Ambalamedu and Hindustan Insecticides Limited Alwaye from the operation of the said Act for a further period of one year with effect from the 14th August, 1978 upto and inclusive of the 13th August, 1979.

2. The above exemption is subject to the following conditions, namely :—

- (1) the aforesaid factories wherein the employees are employed shall maintain registers showing the names and designations of the exempted employees ;

- (2) notwithstanding this exemption, the employees shall continue to receive such benefits under the said Act to which they might have become entitled to on the basis of the contributions paid prior to the date from which exemption granted by this notification operates ;
- (3) the contributions for the exempted period, if already paid, shall not be refunded ;
- (4) the employer of the said factories shall submit in respect of the period during which the factories were subject to the operation of the said Act (hereinafter referred to as the said period), such returns in such form and containing such particulars as were due from them in respect of the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 ;
- (5) any inspector appointed by the Corporation under sub-section (1) of section 45 of the said Act, or other Official of the Corporation authorised in this behalf shall, for the purpose of :—
- verifying the particulars contained in any return submitted under sub-section (1) of section 44 for the said period ; or
  - ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 for the said period ; or
  - ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employers in cash and kind being benefits in consideration of which exemption is being granted under this notification ; or
  - ascertaining whether any of the provisions of the Act had been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factories.

be empowered to—

- require the principle or immediate employers to furnish to him such, information as he may consider necessary, or
- enter any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal or immediate employers at any reasonable time and require any person found incharge thereof to produce to such Inspector or other official and allow him to examine such accounts, books and other documents relating to the employment of persons and payment of wages or to furnish to him such information as he may consider necessary; or
- examine the principal or immediate employer their agents or servants, or any person found in such factories, establishment, office or other premises or any person whom the said Inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employee; or
- make copies of or take extracts from, any register, account book or other document maintained in such factories, establishment, offices or other premises.

[No. S-38014/38/78-HI]

नई दिल्ली, 5 अगस्त, 1978

का० प्रा० 2374.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स नेशनल बेराइट्टी स्टेशनर्स, 137-ए, विधान सदन, कलकत्ता-4, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा दत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 15 जनवरी, 1977 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35017(16)/78-पी० एफ० II(i)]

New Delhi, the 5th August, 1978

S.O. 2374.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs National Variety Stationers, 137-A Bidhan Satani, Calcutta-4, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the fifteenth day of January, 1977.

[S-35017(16)/78-PF. II(i)]

का० प्रा० 2375.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा दत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय में आवश्यक जाँच करने के पश्चात् 15 जनवरी, 1977 से मैसर्स नेशनल बेराइट्टी स्टेशनर्स, 137-ए विधान सदन, कलकत्ता-4 नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[सं० एस० 35017(16)/78-पी० एफ०-II(ii)]

S.O. 2375.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the fifteenth day of January, 1977 the establishment known as Messrs. National Variety Stationers, 137-A, Bidhan Sarani, Calcutta-4, for the purposes of the proviso.

[No. S-35017(16)/78-PF. II(ii)]

का० प्रा० 2376.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स बाबू लाल भोगीलाल एण्ड कम्पनी, चन्दनसर रोड, विरार (पूर्व) थाना, वेस्टर्न रेलवेज, जिसके अन्तर्गत 15, बड़ा मन्दिर गोशाला, पार्स भोईवाड़ा, मुम्बई-20 स्थित उसका कार्यालय भी है, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा दत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 31 दिसम्बर, 1977 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35018(46)/78-पी० एफ० II]

S.O. 2376.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Babulal Bhogilal and Company, Chandansar Road, Virar (East), Thana Western Railways including its office at 15, Bada

Mandir Gaushala, 3rd Bhoiwada, Bombay-20 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of December, 1977.

[No. S. 35018(46)/78-PF. II]

का० प्रा० 2377.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स पी० वी० सिल्क मिल्स, मोहन मिल कम्पाउंड, एस० वी० रोड थाना, जिसके अन्तर्गत 476, कालबादेवी रोड, बम्बई-2 स्थित उसका कार्यालय भी है, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 अक्टूबर, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35018(48)/78-पी०एफ०-II]

S.O. 2377.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Peevee Silk Mills, Mohan Mill Compound, S. V. Road, Thana, including its Office at 476, Kalbadevi Road, Bombay-2, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of October, 1976.

[No. S. 35018(48)/78-PF. II]

का० प्रा० 2378.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स सुप्रीम मोटर्स, बलमत्ता रोड, मंगलौर-1, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019/(92)/78-पी०एस०-II(i)]

S.O. 2378.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Supreme Motors, Balmatta Road, Mangalore-1, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provision Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1978.

[No. S. 35019(92)/78-PF.II(i)]

का० प्रा० 2379.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 1 अप्रैल 1978 से मैसर्स सुप्रीम मोटर्स, बलमत्ता रोड, मंगलौर-1, नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[सं० एस० 35019(92)/78-पी०एफ० II(ii)]

S.O. 2379.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of April, 1978 the establishment known as Messrs Supreme Motors, Balmatta Road, Mangalore-1, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019(92)/78-PF.II(ii)]

का० प्रा० 2380.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स रवि राजन फैब्रिकेटर्स, प्लॉट नं० 5, गली, नं० 2, न्यू रोहताक रोड, नई दिल्ली नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 जनवरी, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(93)/78-पी०एफ० II]

S.O. 2380.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Ravi Rajan Fabricators, Plot No. 5, Gali No. 2, New Rohtak Road, New Delhi, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1978.

[S. 35019(93)/78-PF.II]

का० प्रा० 2381.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स एन० पी० मोटर सर्विस (प्राइवेट) लिमिटेड, गणेशपुरम, नामाक्कल सालेम जिला, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिये;



अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 अगस्त, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एम० 35019(97)/78-पी०एफ० II]

**S.O. 2381.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs N.P. Motor Service (Private) Limited, Ganesapuram, Namakkal, Salem District, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of August, 1976.

[No. S. 35019(97)/78-P.F. II]

का० आ० 2382.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स बंगलूर, बुक ब्यूरो, सूबेदार चट्टाम रोड बंगलूर-9, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 30 अप्रैल, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एम० 35019(98)/78-पी०एफ० II]

**S.O. 2382.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Bangalore Book Bureau, Subedar Chatram Road, Bangalore-9, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of April, 1978.

[No. S. 35019(98)/78-P.F.

का० आ० 2383.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स सुवामिनी फिनामेन्ट्स, सं० 16, 4 स्ट्रेज इन्डस्ट्रियल एक्स्टेंशन वेस्ट आफ फोर्ड रोड राजाजी नगर, बंगलूर-54, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिये;

488 GI/78—7

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 30 अप्रैल, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(99)/78-पी०एफ० II]

**S.O. 2383.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Suvasini Filaments, No. 16, IV Stage, Industrial Extension, west of Chord Road, Rajajinagar, Bangalore-44, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of April, 1978.

[No. S. 35019(99)/78-P.F. II]

का० आ० 2384.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स तारा प्रसाद राइस मिल बाई पास रोड जेयपुर, कोरपुट जिला, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 जुलाई, 1975 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(117)/78 पी०एफ० II]

**S.O. 2384.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Tara Prasad Rice Mill, By Pass Road, Jeypore, Koraput District, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of July, 1976.

[No. S. 35019(117)/78-P.F. II]

का० आ० 2385.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स त्रिची फैब्रिकेटर्स, डी-2 उदयाष्ट फाउंट, थूवकुडी, त्रिची-15, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(118)/78-पी०एफ० II(i)]

**S.O. 2385.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Trichy Fabricators, D-2, Developed Plot, Thuvakudi, Trichy-15, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1976.

[No. S. 35019(118)/78-P.F. II (i)]

**का० आ० 2386.**—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात्, 1 अप्रैल, 1976 से मैसर्स त्रिची फैब्रिकेटर्स, डी-2, डेवलप्लॉट प्लॉट, थूवकुडी, त्रिची-15, नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[सं० एस० 35019(118)/78-पी०एफ० II (ii)]

**S.O. 2386.**—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of April, 1976, the establishment known as Messrs Trichy Fabricators, D-2, Developed Plot, Thuvakudi, Trichy-15 for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019(118)/78-P.F. II(ii)]

**का० आ० 2387.**—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स सिधू ट्रांसपोर्ट सर्विस रजिस्टर्ड, बरनाला, जिला संगरूर, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 जनवरी, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(119)/78-पी०एफ० II]

**S.O. 2387.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Sidhu Transport Service Registered, Barnala, District Sangrur, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1978.

[No. S. 35019(119)/78-P.F. II]

**का० आ० 2388.**—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि जेम इंजीनियरिंग वर्क्स, चिकदपल्ली, हैदराबाद-20 (आंध्र प्रदेश), नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 जनवरी, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(120) 78-पी०एफ० II]

एस० एस० सहस्रानामन, उप सचिव

**S.O. 2388.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Gem Engineering Works, Chikadpalli, Hyderabad-20 (Andhra Pradesh), have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1978.

[No. S. 35019(120)/78-P.F. II]

S. S. SAHASRANAMAN, Dy. Secy.

#### वाणिज्य मंत्रालय

नई दिल्ली, 19 अगस्त, 1978

**का० आ० 2389.**—नियति (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा एक वर्ष की अवधि के लिए मै० डा० आर० सी० अमीस (पोनभार अधीक्षक तथा सर्वेक्षक) 25-40-4 गंगुलैवटी स्ट्रीट, विशाखापट्टनम् को धातुक लोहों के निरीक्षण के लिए अभिकरण के रूप में मान्यता देती है।

[सं० 5(27)/75-नि०नि० तथा नि०उ०]

सी० बी० कुक्रेती, संयुक्त निदेशक

#### MINISTRY OF COMMERCE

New Delhi, the 19th August, 1978

**S.O. 2389.**—In exercise of the powers conferred by Section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby recognises for a period of one year M/s. Dr. R. C. Amin (Cargo Superintendents and Surveyors) 25-40-4, Gangulavari Street, Visakhapatnam as an agency for the inspection of Iron-Ores.

[No. 5(2)/75-EI&EP]

C. B. KUKRETI, Jt. Director

## वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 14 अगस्त, 1978

## स्टाम्प

का० आ० 2390.—भारतीय स्टाम्प अधिनियम 1899 (1899 का 2) की धारा 20 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की दिनांक 20 मई, 1978 की अधिसूचना सं० 10/स्टाम्प-फा० सं० 33/3/78 वि० क० (का० आ० सं० 1497) को अधिक्रान्त करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा स्टाम्प शुल्क की संगणना के प्रयोजन के लिए नीचे की सारणी के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट विदेशी मुद्रा में सम्प्रतिवर्तन के लिए, विनिमय की दर उसके स्तम्भ (3) में तत्सम्बन्धी प्रविष्टियों में विहित करती है।

## सारणी

क्र०सं०	विदेशी मुद्रा	100 रु० के समतुल्य विदेशी मुद्रा के विनिमय की दर
(1)	(2)	(3)
1.	ऑस्ट्रियन शिल्लिंग	176
2.	ऑस्ट्रेलियन डॉलर	10.29
3.	बेल्जियन फ्रैंक	383
4.	कनाडियन डॉलर	13.36
5.	डेनिश क्रोनर	66.60
6.	इत्यो मार्क	24.60
7.	डच गिल्डर	26.40
8.	फ्रेंच फ्रैंक	54.00
9.	हांग कांग डॉलर	55.00
10.	इटालियन लीरा	10150
11.	जापानी येन	2300
12.	मलेशियन डॉलर	28.00
13.	नार्वेजियन क्रोनर	63.90
14.	पौंड स्टर्लिंग	6.4005
15.	स्वीडिश क्रोनर	54.30
16.	स्विस फ्रैंक	22.10
17.	अमरीकी डॉलर	11.99

[सं० 18/78-स्टाम्प-फा० सं० 33/3/78-वि० क०]

एम आर० वैद्य, अवसर सचिव

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 14th August, 1978

## STAMPS

S. O. 2390.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 20 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899) and in supersession of the notification of Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 10/Stamp—F. No. 33/3/78-ST (S.O. No. 1497), dated the 20th May, 1978, the Central Government hereby prescribe in column (3) of the Table below the rate of exchange for the conversion of the foreign currency specified in the corresponding entry in column (2) thereof into the currency of India for the purpose of calculating stamp duty.

## TABLE

S. No.	Foreign currency	Rate of exchange of foreign currency equivalent to Rs. 100
(1)	(2)	(3)
1.	Austrian Schillings	176
2.	Australian Dollars	10.29
3.	Belgian Francs	383
4.	Canadian Dollars	13.36
5.	Danish Kroners	66.60
6.	Deutsche Marks	24.60
7.	Dutch Guilders	26.40
8.	French Francs	54.00
9.	Hong Kong Dollars	55.00
10.	Italian Lire	10150
11.	Japanese Yen	2300
12.	Malaysian Dollars	28.00
13.	Norwegian Kroners	63.90
14.	Pound Sterling	6.4005
15.	Swedish Kroners	54.30
16.	Swiss Francs	22.10
17.	U.S.A. Dollars	11.99

[No. 18/78-Stamp—F. No. 33/3/78-ST]

M. R. VAIDYA, Under Secy.

